Page 11

खेल
जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट, सिंधू की शानदार शुरुआत, मलेशिया की...

हिन्दी दैनिक
जन-जन की वाणी...
सोन वर्षा वाणी
औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 09

देश
चुनावी हलफनामा : पीके के पास 198 करोड़ रुपये की पारिवारिक संपत्ति, 5.77 करोड़ के बैंक लोन...

मूल्य ₹ 2.00

शुक्ल पक्ष, पुष्य, विक्रम संवत् 2083 • औरंगाबाद • बुधवार • 15 जुलाई 2026 • वर्ष 28 • अंक 223 • पृष्ठ 12

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,30,900	₹ 2,35,000

आज का इतिहास

1955 : प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की घोषणा की।

1926 : भारत के शहर मुंबई में पहली बार बसों की शुरआत की गयी।

न्यूज बाइट्स

बांकीपुर उपचुनावः वीणा मानवी का नामांकन रद्द

पटना (नि.सं.)। जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) पार्टी की प्रत्याशी वीणा मानवी का नामांकन मंगलवार को जांच के दौरान रद कर दिया गया। निर्वाचन पदाधिकारी ने उनके नामांकन पत्र को अमान्य घोषित किया। हालांकि, नामांकन रद किए जाने की आधिकारिक वजह अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। इस फैसले के बाद बांकीपुर उपचुनाव का चुनावी समीकरण बदलता दिखाई दे रहा है। निर्वाची पदाधिकारी राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने इसकी पुष्टि की है। वीणा मानवी ने पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव की पार्टी के टिकट पर नामांकन दाखिल किया था। नामांकन के तुरंत बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।यदि नामांकन रद करने के खिलाफ कोई कानूनी कदम उठाया जाता है तो मामला नया मोड़ ले सकता है। फिलहाल बांकीपुर उपचुनाव में उम्मीदवारों की तस्वीर बदलती नजर आ रही है। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी और तेज होने के संकेत हैं।

आज से शुरू होंगे 9 नए राजकीय डिग्री कॉलेज

छपरा (सारण) (नि.सं.)। सारण जिले में उच्च शिक्षा के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए आज से नौ नए राजकीय डिग्री कॉलेजों का शुभारंभ किया जाएगा। उद्घाटन समारोह को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि उद्घाटन समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इसके लिए सभी आमंत्रित अतिथियों को समय पर निमंत्रण भेजने तथा संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों का निरीक्षण कर आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए।

लंबित शिकायतों के त्वरित निपटारे के लिए राज्य स्तरीय 'सहयोग कार्यक्रम' की शुरुआत

जिले में लंबित शिकायतों की अब मुख्यमंत्री स्तर पर होगी सुनवाई

- हर महीने के दूसरे मंगलवार को होगी सुनवाई।
- जिला स्तर से असंतुष्ट नागरिकों की शिकायतें सुनी गईं।

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार ने आम नागरिकों की लंबित शिकायतों के त्वरित निपटारे के लिए राज्य स्तरीय 'सहयोग कार्यक्रम' की शुरुआत कर दी है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद भवन में इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और विजेंद्र प्रसाद यादव भी उपस्थित रहे। नई व्यवस्था के तहत हर महीने के दूसरे मंगलवार को पटना स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय में राज्य स्तरीय सहयोग शिविर आयोजित किया जाएगा। इसमें उन आवेदकों की शिकायतों की सुनवाई होगी, जिनकी समस्याओं का समाधान जिला स्तर पर नहीं हो पाया है। ऐसे मामलों की सुनवाई सीधे मुख्यमंत्री के स्तर पर कर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे।

सरकार के अनुसार, इस कार्यक्रम में केवल वही लोग आवेदन कर सकेंगे, जिन्होंने पहले जिला स्तर पर अपनी शिकायत दर्ज कराई हो, लेकिन उसका संतोषजनक समाधान नहीं हुआ हो। इसका उद्देश्य लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा कर लोगों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत दिलाना है।

राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आवेदकों को सहयोग पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के दौरान पहले से दर्ज शिकायत का रेफरेंस नंबर और मोबाइल नंबर दर्ज कर ओटीपी के माध्यम से सत्यापन करना होगा। सत्यापन के बाद पुराने आवेदन का विवरण स्वतः प्रदर्शित होगा। पात्र आवेदकों को सुनवाई की तिथि, समय एवं अन्य जानकारी एसएमएस के माध्यम से भेजी जाएगी।

हेल्पलाइन और पोर्टल की सुविधा

कार्यक्रम से संबंधित जानकारी के लिए सरकार ने 24 घंटे संचालित हेल्पलाइन नंबर 1100 जारी किया है।

सोलर योजना का करें व्यापक प्रचार : सीएम

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मुख्यमंत्री सोलर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजना के तहत 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ दिया जा रहा है। यदि उपभोक्ता 126 यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन करता है तो अतिरिक्त बिजली का आर्थिक लाभ भी उसे मिलेगा। उन्होंने लोगों से अपनी छतों पर सोलर पैनल लगाने की अपील करते हुए कहा कि दूरस्थ और दुर्गम गांवों को सोलर विलेज के रूप में विकसित कर बिजली की समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा।

सीएम ने 100 आवेदकों की सुनीं समस्याएं

उनमें से 100 आवेदक स्वयं उपस्थित हुए। मुख्यमंत्री ने उनकी शिकायतों की सुनवाई की और कई मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी अधिकारी या कर्मी की लापरवाही अथवा उदासीनता के कारण शिकायतों का समय पर निष्पादन नहीं होता है तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक की शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर शिकायतों के निस्तारण के बावजूद यदि किसी आवेदक को निर्णय पर आपत्ति होती है तो राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम के माध्यम से उसके मामले की दोबारा समीक्षा कर न्यायसंगत निर्णय लिया जाएगा।

होर्मुज स्ट्रेट हमला: भारत ने ईरान का किया कड़ा विरोध, एक भारतीय नाविक की मौत, कई घायल

एजेंसी | नई दिल्ली

ओमान के समुद्री क्षेत्र में होर्मुज स्ट्रेट के निकट दो टैंकरों पर हुए मिसाइल हमले में एक भारतीय क्रू सदस्य की मौत के बाद भारत ने ईरान के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के उप मिशन प्रमुख (डिप्टी चीफ ऑफ मिशन) को तलब कर घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की और ऐसे हमलों को तत्काल रोकने की मांग की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि भारत ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने बताया कि इस घटना में एक भारतीय नागरिक की जान चली गई, जबकि कई भारतीय घायल हुए हैं। घायलों में दो भारतीयों की हालत गंभीर बताई गई है।

प्रवक्ता ने कहा कि भारत ने ईरानी पक्ष के सामने स्पष्ट किया है कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर व्यापारिक जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना अस्वीकार्य है और इस तरह की घटनाएं तत्काल बंद होनी चाहिए। जानकारी के अनुसार, ओमान के समुद्री क्षेत्र में होर्मुज स्ट्रेट के दक्षिणी मार्ग से गुजर रहे यूएई के दो टैंकर—मोम्बासा और अल बहियाह पर ईरानी क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया। हमले में मोम्बासा पर सवार एक भारतीय चालक दल के सदस्य की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य घायल हुए। घायलों में छह भारतीय और दो यूक्रेनी नागरिक शामिल हैं। रिपोर्टों के अनुसार, चार घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने ईरानी राजनयिक को स्पष्ट रूप से अवगत कराया है कि क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों और नागरिक ढांचे पर हमले बंद किए जाएं, ताकि अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप होर्मुज स्ट्रेट सहित अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर सुरक्षित, स्वतंत्र और निर्बाध नौवहन तथा वैश्विक व्यापार जल्द से जल्द बहाल किया जा सके।

खरीफ फसलों के लक्ष्य को हर हाल में पूरा करें अधिकारी : विजय कुमार सिन्हा

निज संवाददाता | पटना

बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शारदीय (खरीफ) मौसम-2026 के तहत धान रोपनी, धान नर्सरी एवं अन्य खरीफ फसलों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खरीफ मौसम के निर्धारित लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और किसानों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि धान रोपनी, नर्सरी और अन्य फसलों की बुआई की नियमित निगरानी करते हुए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि खरीफ मौसम के निर्धारित लक्ष्य की समयबद्ध प्राप्ति के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े और कृषि उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित हो सके।

वीबी-ग्राम-जी योजना के तहत मजदूरी मद में 1307.53 करोड़ रुपये की मंजूरी

पटना(नि.सं.)। बिहार सरकार को विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) — वीबी-ग्राम-जी योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मजदूरी मद में 1307 करोड़ 53 लाख रुपये की मंजूरी एवं व्यय की स्वीकृति प्राप्त हुई है। यह जानकारी ग्रामीण विकास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार ने मंगलवार को दी। मंत्री ने बताया कि वीबी-ग्राम-जी योजना-2026 का संचालन विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन के तहत किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक ग्रामीण परिवार के ऐसे वयस्क सदस्यों को, जो अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक हैं, एक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान की जाएगी।

चारा घोटाला : सुप्रीम कोर्ट ने लालू यादव को दी राहत, जमानत बरकरार

ऐजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को चारा घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने देवघर कोषागार मामले में उनकी जमानत रद्द करने से इनकार करते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका खारिज कर दी। इसके साथ ही झारखंड हाईकोर्ट द्वारा दी गई जमानत पर रोक लगाने की मांग भी अस्वीकार कर दी गई। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लालू प्रसाद यादव को जमानत मिले काफी समय बीत चुका है और इस स्तर पर उसमें हस्तक्षेप करने का कोई औचित्य नहीं है। हालांकि अदालत ने झारखंड हाईकोर्ट से अनुरोध किया कि लालू यादव और अन्य आरोपियों की लंबित अपीलों की सुनवाई में तेजी लाई जाए तथा यथासंभव छह महीने के भीतर फैसला सुनाया जाए। दरअसल, सीबीआई ने झारखंड हाईकोर्ट के वर्ष 2021 के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसके तहत लालू प्रसाद यादव को देवघर चारा घोटाला मामले में जमानत मिली थी। जांच एजेंसी ने उनकी जमानत रद्द करने और हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे स्वीकार नहीं किया।

बिहार में राष्ट्रीय तैराकी चयन प्रतियोगिता के लिए आवेदन शुरू

पटना (नि.सं.)। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ने स्विमिंग कोच डेवलपमेंट कोर्स और राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप के लिए राज्य टीम चयन प्रक्रिया की घोषणा की है। प्राधिकरण के महानिदेशक रविंद्रन शंकरण ने बताया कि इस कोर्स में बिहार के पूर्व स्विमिंग चैंपियन, स्विमिंग कोच तथा तैराकी में रुचि रखने वाले अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थियों को बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की आधिकारिक वेबसाइट अथवा उपलब्ध क्यूआर कोड स्कैन कर गूगल फॉर्म के माध्यम से पंजीकरण कराना होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 20 जुलाई, शाम 6 बजे निर्धारित की गई है। पंजीकृत प्रतिभागियों को दो दिनों तक आवास और भोजन की सुविधा भी प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध कराई जाएगी।

मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी तीन महिलाओं की मौत, 24 घायल

निज संवाददाता | अररिया

जिले के भरगामा प्रखंड में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में धान की रोपनी के लिए जा रहे मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पानी से भरे गड्ढे में पलट गई। हादसे में तीन महिला मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 24 अन्य घायल हो गए। ट्रॉली में कुल 27 मजदूर सवार थे, जिनमें अधिकांश महिलाएं थीं। यह हादसा भरगामा प्रखंड के सिरसिया हनुमानगंज वार्ड संख्या-14 में हुआ। मृतक महिलाओं की पहचान मीरा देवी, नैना देवी और रंजू देवी के रूप में हुई है। तीनों की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष बताई गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब आठ बजे सभी मजदूर ट्रैक्टर-ट्रॉली से धान की रोपनी के लिए खेत जा रहे थे। रास्ते में अचानक ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ गया और वह करीब 10 फीट गहरे पानी से भरे गड्ढे में पलट गया।

मीरा देवी

रंजू देवी

नैया देवी

सीबीएसई का बड़ा फैसला, नई भाषा नीति लागू

2027-28 से तीसरी भाषा में पास होना होगा अनिवार्य

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत भाषा शिक्षा से जुड़े नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड के 10 जुलाई को जारी सर्कुलर के अनुसार, शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 9 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए तीसरी भाषा पढ़ना अनिवार्य होगा। हालांकि, इस विषय की परीक्षा बोर्ड नहीं बल्कि स्कूल स्तर पर आयोजित की जाएगी। सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र (2026-27) में कक्षा 10 के विद्यार्थियों पर कोई नया नियम लागू नहीं होगा। वे पहले की तरह केवल दो भाषाओं का अध्ययन करेंगे और तीसरी भाषा लेने की आवश्यकता नहीं होगी। सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि सत्र 2027-28 में कक्षा 10 के विद्यार्थियों के लिए तीसरी भाषा की कोई बोर्ड परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। इसका मूल्यांकन पूरी तरह स्कूल स्तर पर होगा। यदि कोई विद्यार्थी पहली बार में सफल नहीं होता है, तो परिणाम घोषित होने से पहले उसे री-असेसमेंट (पुनर्मूल्यांकन) का अवसर भी दिया जाएगा। बोर्ड के अनुसार, वर्तमान में कक्षा 7 और 8 में अध्ययनरत विद्यार्थियों को भी तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होंगी। जिन विद्यार्थियों ने पहले से दो विदेशी या गैर-भारतीय भाषाएं चुनी हैं, उन्हें अब एक भारतीय भाषा जोड़नी होगी और कक्षा 10 तक उसी भाषा संयोजन को जारी रखना होगा।

कक्षा 9 के विद्यार्थियों के लिए नया नियम

सत्र 2026-27 में कक्षा 9 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होना अनिवार्य होगा। तीसरी भाषा का मूल्यांकन स्कूल स्तर पर आंतरिक परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। यदि कोई विद्यार्थी कक्षा 9 में तीसरी भाषा में असफल भी हो जाता है, तब भी उसे कक्षा 10 में प्रोन्नत कर दिया जाएगा। हालांकि, जब यही विद्यार्थी शैक्षणिक सत्र 2027-28 में कक्षा 10 में पहुंचेंगे, तब स्कूल आधारित मूल्यांकन में तीसरी भाषा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा। इसके बाद ही उन्हें सीबएसई सेकेंडरी स्कूल परीक्षा का पास प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

बिहार सरकार
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग

पशुपालन ज्ञान
पशुपालक कल्याण

बाढ़/आपदा के कारण पशु मृत्यु होने पर सहाय्य अनुदान

प्राकृतिक आपदा एवं राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित स्थानीय आपदाओं में पशुपालकों के पशुओं की मृत्यु की स्थिति में सरकार द्वारा सहाय्य अनुदान दिये जाने का प्रावधान है। सहाय्य अनुदान के दावा एवं भुगतान की प्रक्रिया तथा दर निम्नवत है :

आवेदन एवं भुगतान की प्रक्रिया

1 **पशु मृत्यु के पश्चात् अगर शव प्राप्त हो :**

(क) पशुपालक निकटतम पशु चिकित्सा पदाधिकारी को सूचना दें तथा विहित प्रपत्र (प्रपत्र–क) में आवेदन दें।

(ख) आवेदन मुखिया/पंचायत समिति सदस्य/जिला परिषद् सदस्य/सरपंच/पंच/वार्ड सदस्य द्वारा अग्रसारित होना चाहिये (प्रपत्र–क)। पशु चिकित्सा पदाधिकारी आवेदन अंचलाधिकारी को प्रेषित करेंगे।

(ग) अंचलाधिकारी प्रतिवेदन के अनुसार स्वीकृति हेतु आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

2. **पशु शव प्राप्ति नहीं होने की स्थिति में :**

(क) पशुपालक स्थानीय थाना में पशु क्षति के संबंध में सनहा/प्राथमिकी दर्ज कराऐं।

(ख) पशुपालक सनहा/प्राथमिकी की प्रति संलग्न कर आवेदन अंचलाधिकारी को देंगे। अंचलाधिकारी राजस्व कर्मचारी/अन्य कर्मी से वास्तविक रूप से पशु क्षति संबंधी जाँचोंपरान्त स्वीकृति हेतु अग्रेतर कार्रवाई करेंगे (प्रपत्र–ग)।

(ग) अंचलाधिकारी पशु क्षति संबंधी सूचना को ससमय जिला पदाधिकारी को उपलब्ध करायेंगे (प्रपत्र–ख/प्रपत्र–ग)। जिला पदाधिकारी द्वारा आवश्यक जाँचोपरान्त अभिलेख स्वीकृत कराकर घटना के एक सप्ताह के अन्दर सहाय्य अनुदान का भुगतान किया जायेगा।

3. **अन्य आपदाओं यथा सुखाड़/वज्रपात/अग्निकाण्ड आदि की स्थिति में यथासंभव अन्त्य परीक्षण कराना आवश्यक होगा। बड़ी संख्या में एक ही स्थान में एक ही तरह की परिस्थिति में पशुओं की मृत्यु होने पर रैण्डम रूप से यथासंभव पाँच से दस प्रतिशत पशुओं/मुर्गियों का अन्त्य परीक्षण करते हुए मृत्यु का कारण निर्धारित किया जाएगा।**

टिप्पणी :

1. विहित प्रपत्र–क, ख एवं ग तथा विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया विभागीय वेबसाईट (https://state.bihar.gov.in/ahd), जिला पशुपालन कार्यालय एवं भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी/प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी के कार्यालय में उपलब्ध है।
2. आवेदन में वांछित विवरण यथा नाम, पता, मोबाईल नं., आधार नं., मृत पशु से संबंधित विवरण, मृत्यु का कारण तथा बैंक खाता का ब्योरा इत्यादि अंकित रहना आवश्यक है।

बाढ़/आपदा के कारण पशु मृत्यु होने पर सहाय्य अनुदान की दर

क्रं.	पशु का प्रकार	राशि प्रति इकाई	अधिकतम अनुमान्य (प्रति परिवार)	अभ्युक्ति
1	**दुग्धकारी पशु** क) गाय/भैंस/ऊँट/याक/मिथुन आदि	37,500/–	3 पशु तक सीमित	1. आर्थिक रूप से उत्पादक पशुओं की वास्तविक क्षति के अनुसार सीमित होगी। 2. किसी अन्य सरकारी योजना से प्राप्त होने वाली सहायता (यथा एवियन इन्फ्लूएन्जा से पक्षियों की मृत्यु या अन्य बीमारियों से मृत्यु) की स्थिति में यह सहाय्य अनुदान देय नहीं होगा।
	ख) बकरी/भेंड़/सुकर	4,000/–	30 पशु तक सीमित	
2	**भारवाही पशु** क) बैल/ऊँट/घोड़ा आदि	32,000/–	3 पशु तक सीमित	
	ख) बछड़ा/खच्चड़/गदहा/टट्टु	20,000/–	6 पशु तक सीमित	
3	**पॉल्ट्री**	100/–	अधिकतम सीमा 5000/– रूपये	
4	**घर के साथ संलग्न पशु शेड अग्निकांड हेतु**	3,000/–	प्रति पशु शेड	

विशेष जानकारी पशुपालन निदेशालय, बिहार, पटना स्थित आपदा कोषांग (दूरभाष संख्या 0612–2230942) या पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, बिहार, पटना (दूरभाष संख्या 0612–2226049) से प्राप्त की जा सकती है।

@BiharDFARD

PR No.- 007724 (Animal)D. 2026-27

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

पक्की सड़क और नाली को तरस रहे जफरा के ग्रामीण

नारदीगंज (नवादा)। प्रखंड की ओड़ो पंचायत का जफरा गांव आज भी विकास की मुख्यधारा से कोसों दूर है। वार्ड संख्या चार के ग्रामीणों को सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का कोई लाभ नहीं मिल रहा है, जिससे वे नारकीय जीवन जीने को विवश हैं। गांव के विष्णुकांत सिंह के घर से हनुमान मंदिर तक जाने वाला मुख्य मार्ग पूरी तरह जर्जर और गड्ढों में तब्दील हो चुका है। बरसात के मौसम में यह रास्ता टापू बन जाता है और जलजमाव व कीचड़ के कारण लोगों का घर से निकलना भी दूभर है। करीब एक दशक पहले बनी थोड़ी सी ढलाई भी अब दम तोड़ चुकी है। यही नहीं, गांव में जल निकासी के लिए नाली तक नहीं है। गंदा पानी रैयती भूमि के गड्ढों में जमा हो रहा है, जिससे महामारी का खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को कई बार गुहार लगाने के बावजूद आज तक सुध नहीं ली गई। ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों से जल्द से जल्द मुख्य मार्ग के पक्कीकरण और नाली निर्माण की मांग की है।

फर्जी आधार सेंटर बने साइबर अपराधियों का जरिया
वारिसलीगंज में लोगों की निजी जानकारी पर मंडरा रहा खतरा

वारिसलीगंज (नवादा)। वारिसलीगंज थाना क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित कथित आधार कार्ड एवं सीएसपी (कस्टमर सर्विस प्वाइंट) केंद्र लोगों की निजी और गोपनीय जानकारी की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह आशंका जताई जा रही है कि फर्जी आधार केंद्रों पर आधार बनवाने या अपडेट कराने के दौरान लोगों की व्यक्तिगत जानकारी साइबर अपराधियों तक पहुंच रही है, जिससे साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में वृद्धि की संभावना बढ़ गई है। स्थानीय मान्यता प्राप्त सीएसपी संचालकों का कहना है कि वारिसलीगंज बाजार एवं आसपास के विभिन्न मोहल्लों में कई ऐसे केंद्र संचालित हो रहे हैं, जिन्हें आधार नामांकन अथवा अपडेट का कोई वैध अधिकार प्राप्त नहीं है। इसके बावजूद ये केंद्र आधार कार्ड बनाने, मोबाइल नंबर अपडेट करने, बायोमेट्रिक सत्यापन तथा अन्य सेवाओं के नाम पर लोगों से आधार संख्या, मोबाइल नंबर, बैंक संबंधी जानकारी और फिंगरप्रिंट जैसे संवेदनशील डेटा एकत्र कर रहे हैं।

संचालकों का कहना है कि अधिकांश लोग सही और अधिकृत केंद्र की पहचान नहीं कर पाते। सुविधा और कम समय के लालच में वे ऐसे केंद्रों पर पहुंच जाते हैं और अनजाने में अपनी गोपनीय जानकारी साझा कर देते हैं। यदि इस जानकारी का दुरुपयोग हो जाए तो बैंक खाते से निकासी, फर्जी सिम जारी करना, ऑनलाइन लोन, ई-केवाईसी के दुरुपयोग तथा अन्य साइबर अपराधों की आशंका बढ़ जाती है। मान्यता प्राप्त सीएसपी संचालकों ने बताया कि आधार नामांकन एवं अपडेट का कार्य केवल सरकार द्वारा अधिकृत केंद्रों और निर्धारित संस्थानों में ही किया जाता है। किसी भी निजी दुकान या केंद्र पर यह सेवा उपलब्ध होने का दावा किए जाने पर उसकी वैधता की जांच करना आवश्यक है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन से अवैध रूप से संचालित आधार एवं सीएसपी केंद्रों की जांच कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है, ताकि लोगों की गोपनीय जानकारी सुरक्षित रह सके और साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

विशेषज्ञों का भी मानना है कि आधार से जुड़ी किसी भी सेवा के लिए नागरिकों को केवल अधिकृत केंद्रों का ही उपयोग करना चाहिए तथा अपने आधार नंबर, ओटीपी, बायोमेट्रिक और अन्य व्यक्तिगत जानकारी किसी भी अनधिकृत व्यक्ति या संस्थान के साथ साझा नहीं करनी चाहिए।

वारिसलीगंज में शिक्षा संवाद आयोजित, पेपर लीक व शिक्षा व्यवस्था पर छात्रों ने उठाए सवाल

वारिसलीगंज (नवादा)।शक्ति अभियान के बैनर तले सोमवार को वारिसलीगंज के सूर्य मंदिर परिसर में शिक्षा संवाद" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व रेणु कुमारी ने किया। इसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अनियमितताओं, लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं तथा पारदर्शी परीक्षा प्रणाली की आवश्यकता पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंडियन यूथ कांग्रेस की राष्ट्रीय संयुक्त सचिव एवं शक्ति अभियान बिहार की स्टेट लीडर रीचा सिंह ने कहा कि बार-बार होने वाली पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों युवाओं के भविष्य को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को भ्रष्टाचार और धांधली से मुक्त कर प्रत्येक छात्र-छात्रा को समान एवं निष्पक्ष अवसर उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रभाकर झा ने कहा कि यह शिक्षा में न्याय की मांग को लेकर युवाओं की आवाज है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हुई है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और पारदर्शी शिक्षा प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष सूरज यादव ने कहा कि संगठन छात्रों के अधिकारों की रक्षा और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए लगातार संघर्ष करता रहेगा। उन्होंने युवाओं से शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर जागरूक होकर अपनी आवाज उठाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में इंटक जिला अध्यक्ष मनीष कुमार जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष गोपाल कुमार, सत्येंद्र प्रसाद कुशवाहा तथा वारिसलीगंज प्रखंड अध्यक्ष पंकज कुमार ने भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने युवाओं से लोकतांत्रिक तरीके से संगठित होकर शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया। शिक्षा संवाद के दौरान छात्रों ने निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था, समय पर परीक्षाओं का आयोजन, पेपर लीक पर कठोर कार्रवाई तथा शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग प्रमुखता से उठाई।

प्राणपुर : मासिक गुरुगोष्ठी एवं एफएलएन कार्यशाला का आयोजन

कटिहार। जिले के प्राणपुर मुख्यालय प्रांगण स्थित सभागार में मंगलवार को मासिक गुरुगोष्ठी एवं एफएलएन एक दिवसीय कार्यशाला का अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अभिजीत कुमार ने किया। इस मौके पर सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक उपस्थित थे। आयोजित कार्यशाला में कुल 23 बिंदुओं पर चर्चा की गई। बीडीओ ने आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि विभागीय आदेश के आलोक में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने, प्रखंड स्तर पर विभागीय सूचना एवं अन्य शैक्षणिक कार्यों की रूपरेखा तैयार करना एवं एफएलएन कार्यशाला में सभी प्रारंभिक विद्यालयों द्वारा कक्षा चार से आठ के शिक्षकों को नामित करना, इको क्लब का गठन, पोर्टल पर अपलोड करना, एक पेड़ मां के नाम, मध्यान भोजन योजना का नियमित रूप से संचालन एवं आवश्यक पंजी का संधारण करना, अपार कार्ड निर्माण आदि बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया। इस मौके पर बीआरसी लेखापाल राजेश गुप्ता,वरिष्ठ शिक्षक मधुकर कुमार, प्रशिक्षक सहित सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक उपस्थित थे।

चोरी कांड का 24 घंटे में खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

सोने-चांदी के जेवर व नकदी बरामद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पकरीबरावां। धमौल पुलिस ने थाना क्षेत्र के जम्हड़िया गांव में हुई चोरी की घटना का महज 24 घंटे के भीतर सफल उद्भेदन करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गए सोने-चांदी के आभूषण तथा नकदी बरामद की गई है। मंगलवार को अनुमंडल पुलिस कार्यालय पकरीबरावां में आयोजित प्रेस वार्ता में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुजय विद्यार्थी ने मामले का खुलासा किया। इस दौरान धमौल थानाध्यक्ष हिमांशु कुमार भी उपस्थित थे।

एसडीपीओ ने बताया कि 12 जुलाई 2026 को धमौल थाना क्षेत्र के जम्हड़िया गांव स्थित एक घर में अज्ञात चोरों ने सोने-चांदी के आभूषण एवं नकदी की चोरी कर ली थी। पीड़ित के आवेदन पर धमौल थाना कांड संख्या 78/26 दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(ए)/3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। तकनीकी अनुसंधान एवं ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर पुलिस ने 13 जुलाई को छापेमारी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मलिकपुर, थाना बैरपुर, जिला कोलकाता निवासी मो. नसरुद्दीन के पुत्र मो. अरशद उर्फ छोटू तथा छोटी दौलतपुर, थाना गोंदापुर, जिला नवादा निवासी सुनील शाह के पुत्र गोलू कुमार के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान मो. अरशद ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। उन्होंने बताया कि चोरी की गई सोने की चेन को नवादा स्थित जेवरात महल नामक ज्वैलरी दुकान के कर्मी गोलू कुमार को बेच दिया गया था। वहीं, चांदी के जेवरात विष्णु ज्वेलर्स में बेचा था। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने संबंधित दुकान से एक सोने की चेन, एक चांदी की सिकड़ी, दो जोड़ी चांदी के कंगन तथा चोरी की रकम में से 2,135 रुपये नकद बरामद कर लिए।

एसडीपीओ ने बताया कि बरामदगी के बाद दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। उन्होंने बताया कि जेवरात महल के मालिक सुरेन्द्र कुमार उर्फ मुन्ना की भी संलिप्तता सामने आ रही है। वहीं, विष्णु ज्वेलर्स की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जांच में जो भी संलिप्त पाए जाएंगे, उस पर कार्रवाई की जाएगी।

करिगांव टोल प्लाजा के समीप ई-रिक्शा और बाइक की टक्कर, दो घायल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। एनएच-20 पर करिगांव टोल प्लाजा के समीप सोमवार रात करीब आठ बजे ई-रिक्शा और बाइक की टक्कर में दो युवक घायल हो गए। घायलों की पहचान सीतामढ़ी थाना क्षेत्र के नीमा गांव निवासी राहुल राजवंशी और होरला गांव निवासी प्रवीण राजवंशी के रूप में हुई है। दोनों को एनएचएआई एंबुलेंस से अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया, जहां डॉ. नीतीश कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद एक्सरे कराने की सलाह दी। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में कई महीनों से आपातकालीन एक्सरे सेवा बंद है। मजबूरी में घायल युवक को स्ट्रेचर पर लिटाकर अस्पताल से बाहर स्थित निजी डिजिटल एक्सरे केंद्र ले जाना पड़ा। इस दौरान परिजनों ने अस्पताल की व्यवस्था पर नाराजगी जताई और कहा कि ट्रामा सेंटर जैसी सुविधाओं के दावे केवल कागजों तक सीमित हैं।

घटना की जानकारी मिलने पर रजौली दक्षिणी के जिला परिषद सदस्य मेवालाल राजवंशी भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्था पर चिंता जताते हुए स्वास्थ्य विभाग से व्यवस्था सुधारने की मांग की। परिजनों ने मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से हस्तक्षेप कर सरकारी अस्पताल में 24 घंटे एक्सरे सहित सभी आपातकालीन सुविधाएं उपलब्ध कराने की अपील की। प्रभारी डीएस डॉ. दिलीप कुमार ने बताया कि अस्पताल में आउटसोर्सिंग के माध्यम से एक्सरे की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन यह केवल ओपीडी समय में संचालित होती है। शाम के बाद आपातकालीन सेवा नहीं मिल पाती। वहीं थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने कहा कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं है। लिखित आवेदन मिलने पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कुष्ठ पीड़ितों एवं उनके बच्चों को परवरिश एवं संबल योजना से आच्छादित करने के लिए विशेष अभियान शुरू

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश के निर्देश पर जिले में कुष्ठ पीड़ितों एवं उनके बच्चों को समाज कल्याण विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से आच्छादित करने हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य पात्र लाभुकों को परवरिश योजना एवं मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण छत्र योजना "संबल" का लाभ सुनिश्चित कराना है। उल्लेखनीय है कि नवादा जिले में बिहार शताब्दी कुष्ठ कल्याण योजना के अंतर्गत कुल 474 सक्रिय लाभुक चिन्हित हैं।

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित परवरिश योजना के तहत कुष्ठ रोग से पीड़ित 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों अथवा कुष्ठ पीड़ित अभिभावकों के बच्चों को 1,000 प्रतिमाह की सहायता राशि प्रदान की जाती है। वहीं मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण छत्र योजना "संबल" के अंतर्गत पात्र कुष्ठ पीड़ितों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप ADL Kit, कृत्रिम हाथ, बैसाखी सहित अन्य सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग निःशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं। सहायक निदेशक, दिव्यांगजन-सह-बाल संरक्षण इकाई, नवादा श्री रीतेश कुमार ने बताया कि 13 जुलाई, 2026 से 18 जुलाई, 2026 तक जिले की सभी आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाएं अपने-अपने पोषक क्षेत्र में कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्तियों का सर्वेक्षण करेंगी। इस दौरान परवरिश योजना के पात्र बच्चों की पहचान कर आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन संबंधित बाल विकास परियोजना कार्यालय में उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही सर्वेक्षण के दौरान चिन्हित पात्र कुष्ठ पीड़ितों के लिए संबल योजना के अंतर्गत ADL Kit एवं अन्य आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु भी आवेदन सृजित किए जाएंगे।

परवरिश योजना हेतु आवश्यक दस्तावेज :
- अभिभावक/बच्चे का कुष्ठ (ग्रेड-2) प्रमाण-पत्र।
- अभिभावक के साथ संयुक्त बैंक खाता।
- अभिभावक का आवासीय प्रमाण-पत्र।
- बच्चे का जन्म प्रमाण-पत्र।

संबल योजना हेतु आवश्यक दस्तावेज :
- दिव्यांगता प्रमाण-पत्र।
- आय प्रमाण-पत्र।
- आवासीय प्रमाण-पत्र।
- जाति प्रमाण-पत्र।
- आधार कार्ड अथवा वोटर आईडी कार्ड।

नए राशन कार्ड निर्माण अभियान की समीक्षा, अनुमंडल पदाधिकारी ने दिए समयबद्ध लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा। अनुमंडल पदाधिकारी, नवादा सदर अमित अनुराग की अध्यक्षता में अनुमंडल कार्यालय में अनुमंडल अंतर्गत सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों एवं सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी, नवादा सदर के साथ नए राशन कार्ड निर्माण अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, बिहार द्वारा निर्गत निर्देशों तथा दिनांक 13जुलाई को जिला पदाधिकारी, नवादा की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के आलोक में अनुमंडल नवादा सदर अंतर्गत पात्र लाभुकों के नए राशन कार्डों के निर्माण हेतु संचालित विशेष अभियान की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी श्री अमित अनुराग ने बताया कि अनुमंडल नवादा सदर को लगभग 39,000 नए पात्र राशन कार्डों के निर्माण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस लक्ष्य की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रखंडों हेतु दैनिक लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्धारित दैनिक लक्ष्य के अनुरूप कार्य करते हुए प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा एवं अनुश्रवण सुनिश्चित करें।

उन्होंने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) विक्रेताओं के साथ अविलंब बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया, ताकि पात्र लाभुकों की पहचान, ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने, आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन तथा समयबद्ध ऑनलाइन प्रविष्टि एवं निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी पात्र लाभुकों से अपील की कि वे अपने संबंधित जन वितरण प्रणाली विक्रेता अथवा प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से संपर्क कर नए राशन कार्ड हेतु ऑनलाइन आवेदन कराएं तथा आवेदन के साथ निम्नलिखित आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएं—

जाति, निवास एवं आय प्रमाण-पत्र की स्व-अभिप्रमाणित (Self Attested) प्रतियां।

परिवार के मुखिया का स्पष्ट पासपोर्ट आकार का एक रंगीन फोटो।

बैंक पासबुक के प्रथम पृष्ठ की छायाप्रति।

परिवार के सभी सदस्यों के आधार कार्ड की स्पष्ट छायाप्रति।

आधार से लिंक सक्रिय मोबाइल नंबर।

सक्रिय ई-मेल आईडी आवश्यक है।

सिरदला बस स्टैंड में जलजमाव लोगों को मिलेगी मुक्ति,आरसीडी नाला निर्माण कार्य शुरू

♦ **दुकानदारों को दुकानें के आगे के करकट को हटाने की अपील, दोनों ओर बनेगी नाली**

नाली निर्माण के लिए मापी के दौरान सीओ

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली मुख्यालय के बाईपास स्थित एसएच-70 पर बने सिरदला बस स्टैंड में विगत चार वर्षों से आम लोगों को जलजमाव का दंश झेलना पड़ रहा था। इस जनसमस्या को लेकर कई बार खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। खबरों के प्रकाशन के बाद बीते सप्ताह जिलाधिकारी नवादा के निर्देश पर पीएचईडी,एनएचएआई एवं स्थानीय प्रशासन की एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा रिपोर्ट भेजे जाने के बाद नाली निर्माण का कार्य आरसीडी और एनएचएआई के द्वार किए जाने की संभावना बनी थी। इस बीच आरसीडी द्वारा सड़क के दोनों ओर अस्थायी नाला निर्माण करने को लेकर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। मंगलवार की शाम को सीओ मो. गुफरान मजहरी द्वारा स्थल निरीक्षण कर नाले निर्माण के जगह पर व्याप्त अस्थाई अतिक्रमण को हटाने को लेकर माईकिंग किया गया। स्थानीय दुकानदारों ने कहा कि नाली निर्माण से हमलोगों को ही फायदा होगा,इसलिए नाली निर्माण में वे प्रशासन का भरपूर सहयोग दिया जाएगा। दुकानदारों ने यह भी कहा कि एनएच के सर्विस रोड के किनारे के बने नाली कचरों से भरा पड़ा है,जिससे पानी होकर गुजरना मुश्किल सा प्रतीत होता है।

इस संबंध में एनएचएआई के प्रोजेक्ट मैनेजर राजेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि जल्द ही नालियों की सफाई शुरू होगी,ताकि लोगों को जलजमाव से मुक्ति मिल सके। वहीं आरसीडी के कार्यपालक अभियंता मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि सिरदला बस स्टैंड में व्याप्त जलजमाव को दूर करने को लेकर सड़क के दोनों ओर अस्थायी नाले का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थाई रूप से नाली निर्माण के लिए टेंडरिंग प्रोसेस किया जा रहा है। टेंडरिंग प्रक्रिया में एक से दो माह का समय लगेगा,जिसके बाद स्थानीय लोगों एवं राहगीरों को समस्या से हमेशा के लिए निजात मिलेगा।

लग्जरी कार में बने तहखाने से 676 टेट्रा पैक में बंद 121.68 लीटर शराब बरामद

एक तस्कर गिरफ्तार, बोकारो से नवादा जा रही थी शराब की खेप

जब्त शराब व कार के साथ गिरफ्तार तस्कर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। बिहार-झारखंड सीमावर्ती क्षेत्र चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद बलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। लग्जरी कार में बने तहखाने से हो रही शराब की बड़ी खेप को जब्त किया गया है। साथ ही एक शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई उत्पाद इंस्पेक्टर अमृत कुमार गुप्ता के द्वारा सघन वाहन जांच के दौरान की गई है। शराब तस्कर एक से एक नायाब तरीकों का इस्तेमाल शराब की खेप करने के लिए करते हैं,किंतु उत्पाद बलों की पारखी नजरों से नहीं बच पाते हैं। उत्पाद अधीक्षक गणेश चंद्रा ने बताया कि बिहार मद्यनिषेध को लेकर झारखंड की ओर से आनेवाली प्रत्येक छोटी से लेकर बड़ी वाहनों की सघन जांच उत्पाद बलों के द्वारा की जाती है। इस जांच अभियान का नेतृत्व अमृत कुमार गुप्ता कर रहे हैं। मंगलवार को झारखंड की ओर से आ रही महिंद्रा मराजो नामक लग्जरी कार संख्या जेएच12के2560 को जांच हेतु रोका गया। जांच के क्रम में लग्जरी कार के सभी सीटों के नीचे बने तहखानों एवं इंडिकेटरों के पीछे छुपाकर लाई जा रही शराब को जब्त किया गया है। जब्त शराब में 180 एमएल वाले ऑफिसर चॉइस के 676 टेट्रा पैक बरामद हुआ है। बरामद शराब की कुल मात्रा 121.680 लीटर है। जब्त शराब के साथ लग्जरी कार में रहे तस्कर सह चालक को भी गिरफ्तार किया गया है,जिसकी पहचान बोकारो जिले के पेंक थाना क्षेत्र के गोनियटो गांव निवासी चिंतामन साव के पुत्र संजय कुमार साव के रूप में हुई है। गिरफ्तार शराब तस्कर द्वारा बताया गया कि वह शराब की खेप बोकारो से नवादा ले जा रहा था,इसी बीच रजौली जांच चौकी पर पकड़ा गया है। जब्त शराब एवं लग्जरी कार के अलावे गिरफ्तार शराब तस्कर के विरुद्ध बिहार उत्पाद अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। साथ ही बताया कि शराब तस्कर से अन्य जानकारी ली जा रही है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर को बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा। इस मौके पर उत्पाद बल के साथ गृहरक्षक के जवान मौजूद रहे।

रजौली में खरीफ सीजन को लेकर प्रखंड स्तरीय बैठक खाद-बीज की कालाबाजारी पर सख्ती के निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। खरीफ फसल सीजन को लेकर मंगलवार को रजौली प्रखंड कार्यालय परिसर में किसानों एवं खाद-बीज विक्रेताओं के साथ प्रखंड स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड कृषि पदाधिकारी रौशन कुमार ने की। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) संजीव झा, अंचलाधिकारी मो. गुफरान मजहरी, बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष संतोष कुमार वर्मा तथा उपाध्यक्ष सह आत्मा अध्यक्ष मनोज कुमार सहित बड़ी संख्या में किसान और उर्वरक विक्रेता उपस्थित रहे। बैठक में प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने खाद-बीज विक्रेताओं को सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक बेचने का निर्देश देते हुए कहा कि कालाबाजारी एवं मनमानी पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। उन्होंने दुकानों में स्टॉक और मूल्य सूची अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने तथा उर्वरक निरीक्षकों को नियमित औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। अधिक कीमत वसूलने या अनियमितता मिलने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

बीडीओ संजीव झा ने किसानों से किसान पंजीकरण कराने की अपील करते हुए कहा कि इससे उन्हें सरकारी योजनाओं एवं अनुदान का लाभ सीधे मिल सकेगा। उन्होंने सभी खाद-बीज विक्रेताओं से अपनी दुकानों पर आने वाले किसानों के मोबाइल में *बिहार कृषि ऐप* डाउनलोड कराने को कहा, ताकि किसानों को खाद-बीज की उपलब्धता, कृषि सलाहकारों की जानकारी तथा अन्य कृषि संबंधी सेवाएं आसानी से मिल सकें। वहीं, रौशन कुमार ने रासायनिक उर्वरकों के साथ गोबर खाद, केंचुआ खाद और गौमूत्र जैसे जैविक विकल्पों के उपयोग पर भी जोर दिया। बैठक में सलेमपुर के किसान अरविंद कुमार सिंह ने जमीन मां के नाम होने के कारण अनुदान नहीं मिलने की समस्या उठाई। इस पर अंचलाधिकारी मो. गुफरान मजहरी ने कहा कि वंशावली या बंटवारे के कागजात के आधार पर नामांतरण की प्रक्रिया पूरी कर किसानों को सरकारी लाभ दिलाया जाएगा। प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि खरीफ सीजन में किसानों को खाद-बीज की कमी नहीं होने दी जाएगी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

गयाजी में फल्गु नदी से युवक का शव मिला, सिक्स लेन पुल के नीचे पड़ी थी बॉडी

गयाजी। गयाजी में सिक्स लेन पुल के नीचे फल्गु नदी से एक युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र की है। बॉडी पुल के 7 और 8 नंबर पिलर के बीच मिला है। शुरुआती जांच में शव बहुत पुराना नहीं लग रहा है। पुलिस आसपास के क्षेत्र में लोगों से पूछताछ कर रही है। मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस हत्या, हादसा या आत्महत्या सहित सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। घटनास्थल के आसपास से भी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं, ताकि मौत के कारणों का पता चल सके। वहीं, इस संबंध में थानाध्यक्ष देवराज इंद्र ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस आसपास के थानों से संपर्क कर गुमशुदगी के मामलों का मिलान कर रही है। साथ ही स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि मृतक की पहचान हो सके। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। युवक की मौत कैसे हुई, इसका जवाब अब मेडिकल रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही सामने आएगा।

नालंदा में ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक दरोगा पर हमला

नालंदा। नालंदा जिले में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब वे खाकी को भी निशाना बनाने से नहीं चूक रहे। मंगलवार को अज्ञात हमलावरों ने ड्यूटी पर तैनात यातायात थाना के दरोगा पर पीछे से हमला कर दिया। इस हमले में दरोगा गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका सिर फट गया। दरोगा मनोज कुमार की ड्यूटी सोहसराय चौक पर यातायात सुगम बनाने के लिए लगाई गई थी। घटना के वक्त चौक के एक छोर पर अपना काम कर रहे थे, जबकि उनके साथ तीन-चार अन्य कांस्टेबल भी आसपास तैनात थे। इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने अचानक पीछे से उन पर ईंट से हमला कर दिया। चोट लगने से लहूलुहान हो गए। मौके पर मौजूद सहकर्मियों ने आनन-फानन में बिहारशरीफ स्थित मॉडल अस्पताल पहुंचाया। जहां उनका प्राथमिक इलाज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए ट्रैफिक डीएसपी मोहम्मद खुर्शीद आलम घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस मौके और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। जल्द से जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जमीनी विवाद में गोलीबारी, पैर में लगी बुलेट, पीड़ित बोला- पुलिस की मौजूदगी में खुलेआम गुंडागर्दी हुई है

नालंदा। नालंदा में जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि पुलिस की मौजूदगी में बदमाशों ने एक युवक को गोली मार दी। बुलेट बाएं पैर में घुटने के पास लगी है। इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट कराया गया है। घयाल की पहचान रौशन कुमार(28) के तौर पर हुई है। घटना दीपनगर थाना क्षेत्र के दरोगा बीघा (कल्याणपुर) गांव की है। जानकारी के मुताबिक रौशन कुमार अपने खेत में जुताई कर रहे थे। तभी गोपाल सिंह और शिशुपाल सिंह समेत कुछ लोग वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। देखते ही देखते बात इतनी बढ़ गई कि शिशुपाल सिंह ने फायरिंग कर दी। रौशन कुमार के पैर में गोली लग गई। आनन-फानन में इलाज के लिए बिहारशरीफ स्थित मॉडल अस्पताल लाया गया। पीड़ित रौशन कुमार ने बताया कि पिछले एक साल से उक्त जमीन पर खेती कर रहा हूं। दूसरे पक्ष के लोग पुलिस को साथ लेकर मौके पर पहुंचे थे। प्रशासन के सामने ही हमलावरों ने उन पर गोली चलाई है। गोली मारने के बाद ही पिस्तौल छीनी गई थी। मौके पर 5-6 पुलिसकर्मी मौजूद थे। जो लोगों को रोकने के बजाय मूकदर्शक बने रहना उचित समझा। रौशन ने यह भी दावा किया कि पूरी घटना का वीडियो भी मौजूद है, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। घायल के भाई कौशल कुमार ने आरोप लगाते हुए कहा है कि यह गोलीबारी की घटना पुलिस की मौजूदगी में हुई है। पीड़ित पक्ष का दावा है कि जब गश्ती दल मौके पर मौजूद था, तभी हमलावरों ने बेखौफ होकर गोली चलाई। हालांकि, पुलिस ने घटनास्थल से एक देसी कट्टा बरामद कर लिया है, लेकिन स्थानीय लोगों में पुलिस की भूमिका को लेकर भारी आक्रोश है। वहीं, इस संबंध में दीपनगर थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि यह विवाद काफी पुराना है। गांव के सुहावन सिंह ने करीब दो साल पहले गणेश यादव को जमीन बेची थी। विवाद इस बात को लेकर था कि जमीन का प्लॉट वही है या कोई और। मामला थाने में आया था। हमने सीओ को पत्र लिखकर चौहद्दी के अनुसार जमीन की मापी कराने का अनुरोध किया था। मापी के लिए तारीख भी तय हुई थी, लेकिन किन्हीं कारणों से उस दिन काम नहीं हो सका। बाद में सीओ का तबादला हो गया। मंगलवार को जब गणेश यादव के परिजन खेत में काम कर रहे थे, तभी दूसरे पक्ष के लोग वहां पहुंच गए। इस दौरान गश्ती टीम भी वहां मौजूद थी। अचानक हुई इस झड़प में एक पक्ष की ओर से गोली चला दी गई, जिससे रौशन घायल हो गया। थानाध्यक्ष ने कहा कि पुलिस ने मौके से हथियार बरामद कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। फिलहाल, घायल का इलाज चल रहा है। स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

गयाजी के सीता कुंड में महिला का जला शव मिलस

गया। गया शहर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित सीता कुंड में मंगलवार शाम एक 35 साल की महिला का पूरी तरह से जला हुआ शव बरामद हुआ है। सूचना मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया। महिला की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।स्थानीय लोगों की सूचना पर मुफस्सिल थाना पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची। तालाबनुमा क्षेत्र से शव को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। शव बुरी तरह जला हुआ था और उसकी स्थिति से लग रहा था कि वह कई दिनों पुराना है। पुलिस को आशंका है कि महिला की हत्या करने के बाद उसकी पहचान मिटाने के उद्देश्य से शव को जलाया गया और फिर सीता कुंड में फेंक दिया गया। प्रथम दृष्टया में यह मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच का इंतजार कर रही है। मुफस्सिल थानाध्यक्ष देवराज इंद्र ने बताया कि सीता कुंड की झाड़ियों से एक अज्ञात महिला का जला हुआ शव मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मृतका की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों से गुमशुदगी के मामलों का रिकॉर्ड भी खंगाल रही है, ताकि मृतका की पहचान हो सके। साथ ही घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। यदि इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज उपलब्ध होगी, तो उसकी भी जांच की जाएगी।

छोटे यादव हत्याकांड में जांच तेज, 7 लोगों पर केस

नालंदा। नालंदा पुलिस ने छोटे यादव(45) हत्याकांड में जांच तेज कर दी है। मृतक के बेटे गोलू कुमार के आवेदन पर 7 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। सभी आरोपी फरार है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। शनिवार देर रात अपराधियों ने घर में घुसकर गोली मारकर हत्या दी थी। घटना छबीलापुर थाना क्षेत्र के केशरी बिगहा गांव की है। गोलू कुमार ने बताया कि पिताजी मेरे साथ ही सोए थे। देर रात 7 हथियारबंद बदमाश घर में घुस आए और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। बदमाशों ने बेहद करीब से सिर में गोली मारी, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुरानी रंजिश और चुनावी विवाद में मर्डर की आशंका है। पूर्व में भी उनके परिवार के एक सदस्य की हत्या हो चुकी है, जिसका आरोप पाटीदार पर है। गांव में चार साल पहले मुन्नी यादव की हत्या हुई थी। इस मामले में छोटे यादव आरोपी थी। चार महीना पहले ही जेल जमानत पर बाहर आया था। पुरानी अदावत में गोली मार कर हत्या किए जाने की बात सामने आ रही है। राजगीर डीएसपी संजीत कुमार गुप्ता ने बताया कि मृतक छोटे यादव पर हत्या सहित कुल चार मामले पहले से दर्ज थे। पुलिस मामले के हर पहलू की जांच कर रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

13 आपदा पीड़ितों के आश्रितों को मुआवजा, डीएम ने 52 लाख की राशि मंजूर की, जल्द भुगतान के निर्देश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गया। गयाजी जिला प्रशासन ने विशेष स्थानीय आपदाओं से प्रभावित 13 परिवारों को राहत दी है। जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने मंगलवार को इन मृतकों के आश्रितों के लिए 52 लाख की अनुग्रह अनुदान राशि स्वीकृत की। प्रत्येक परिवार को 4 लाख की सहायता मिलेगी, जिसका भुगतान राज्य सरकार के आपदा राहत प्रावधानों के तहत किया जाएगा। जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने बताया कि इस सहायता का उद्देश्य शोकाकुल परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करना और उन्हें तत्काल राहत पहुंचाना है। प्रशासन की ओर से जारी सूची के अनुसार, यह सहायता नदी/आहर में डूबने, वज्रपात, अग्निकांड, सर्पदंश और सड़क दुर्घटना जैसी घटनाओं में जान गंवाने वाले लोगों के आश्रितों को दी गई है। सभी मामलों में आवश्यक जांच और औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ही अनुदान स्वीकृत किया गया।

पीड़ित परिवारों को समय पर राहत पहुंचाना प्राथमिकताः स्वीकृत लाभार्थियों में मानपुर के स्वर्गीय अशोक चौधरी, नगर क्षेत्र के स्वर्गीय राजीव रंजन कुमार, डुमरिया के स्वर्गीय कुंदन कुमार, गुरारू के स्वर्गीय दिनेश यादव और स्वर्गीय रोहित कुमार, डुमरिया के स्वर्गीय महेंद्र यादव, बाराचट्टी के स्वर्गीय विमान विश्वकर्मा उर्फ विगन विश्वकर्मा, स्वर्गीय टुनटुन कुमार उर्फ टुनटुन प्रसाद, टनकुप्पा के स्वर्गीय प्रिंस राज और स्वर्गीय मिथिलेश मांझी, टिकारी के स्वर्गीय राजेश मांझी, मोहनपुर की स्वर्गीय मनमा देवी और बेलागंज के स्वर्गीय संतोष कुमार के आश्रित शामिल हैं। जिलाधिकारी ने जोर देकर कहा कि सरकार की प्राथमिकता पीड़ित परिवारों को समय पर राहत पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि किसी भी परिवार के लिए सदस्य को खोना अपूरणीय क्षति है, लेकिन सरकार का प्रयास है कि ऐसे कठिन समय में आर्थिक सहायता देकर उन्हें कुछ संबल प्रदान किया जाए। आपदा राहत योजनाओं का लक्ष्य जरूरतमंद परिवारों तक समय पर सहायता पहुंचाना है।

211 प्रखंडों में डिग्री कॉलेज की पढ़ाई शुरू होगीः डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि स्वीकृत अनुग्रह राशि का भुगतान निर्धारित प्रक्रिया के तहत बिना किसी अनावश्यक विलंब के सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी लाभार्थियों के खातों में राशि शीघ्र हस्तांतरित करने की कार्रवाई की जाए, ताकि सहायता का वास्तविक लाभ समय पर मिल सके। बिहार सरकार के सात निश्चय-3 कार्यक्रम के तहत राज्य के 211 डिग्री कॉलेज-विहीन प्रखंडों में 15 जुलाई से स्नातक स्तर की पढ़ाई शुरू की जा रही है। इस पहल के तहत गयाजी के सात प्रखंडों को भी पहली बार डिग्री कॉलेज की सौगात मिलेगी। सरकार का लक्ष्य ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उनके घर के समीप गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करना है, ताकि आर्थिक या भौगोलिक कारणों से उनकी पढ़ाई बाधित न हो। मोहरा, कोच, नीमचक बथानी, मोहनपुर, बांके बाजार, डुमरिया और अतरी प्रखंडों में बुधवार से शैक्षणिक गतिविधियां विधिवत शुरू होंगी। इन सभी महाविद्यालयों में उद्घाटन समारोह आयोजित किए जाएंगे, जिनकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

मोहरा प्रखंड के उच्च विद्यालय सेवतर स्थित डिग्री कॉलेज का उद्घाटन बिहार सरकार के कृषि मंत्री और गया जिले के प्रभारी मंत्री विजय कुमार सिंह करेंगे। कोच प्रखंड के गांधी प्लस टू उच्च विद्यालय स्थित डिग्री कॉलेज के उद्घाटन समारोह में बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार मुख्य अतिथि होंगे। नीमचक बथानी के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, मई स्थित डिग्री कॉलेज का उद्घाटन अतरी विधायक रोमित कुमार करेंगे। मोहनपुर प्रखंड के प्रोजेक्ट प्लस टू बालिका उच्च विद्यालय स्थित डिग्री कॉलेज का शुभारंभ बाराचट्टी विधायक ज्योति मांझी के हाथों होगा। जिला प्रशासन के अनुसार, सभी उद्घाटन समारोहों में जिला स्तरीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष, सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। राज्य सरकार की यह पहल उच्च शिक्षा के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

गौतम हत्याकांड पर लोगों में गुस्सा, कैंडल मार्च निकाल कर न्याय की मांग

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गया। गयाजी के मगध मेडिकल थाना क्षेत्र के बिशुनगंज गांव में युवक गौतम की हत्या को लेकर लोगों का गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार की शाम बिशुनगंज मोड़ से गोपालपुर तक बड़ी संख्या में ग्रामीणों व परिजनों ने कैंडल मार्च निकाला। सभी ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर गौतम को श्रद्धांजलि दी। उसकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। साथ ही हत्या में शामिल सभी आरोपियों की गिरफ्तारी व कड़ी सजा की मांग उठाई। कैंडल मार्च के दौरान पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई। लोगों ने कहा कि जब तक सभी दोषियों की गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। धनसिर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि प्रकाश यादव ने पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने हत्या मामले में चार संदिग्धों को हिरासत में लिया था।

चार दिनों तक थाने में रखने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि यदि पूछताछ ही करनी थी, तो कानून के मुताबिक 24 घंटे के भीतर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जानी चाहिए थी। चार दिन बाद रिहा किए जाने से पूरे मामले पर संदेह

पैदा हो रहा है। पीड़ित परिवार ने भी पुलिस की जांच पर सवाल उठाए। परिजनों का कहना है कि पुलिस ने उन्हें बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों में सिर्फ एक व्यक्ति दोषी है और बाकी निर्दोष हैं।

दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग कीः कैंडल मार्च में शामिल लोगों ने हत्या में शामिल सभी दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि जांच में किसी पुलिसकर्मी की भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ भी तत्काल निलंबन और सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

परिजनों ने मामले की जांच वर्तमान जांच अधिकारी से हटाकर किसी दूसरे अधिकारी को सौंपने की मांग की। साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सीबीआई से कराने की भी मांग उठाई। शांतिपूर्ण ढंग से निकले कैंडल मार्च के अंत में लोगों ने गौतम की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा।

नियमित वेतनमान व पेंशन की मांग को लेकर मगध विश्वविद्यालय में शिक्षकों का प्रदर्शन

♦ फैक्टनेब के बैनर तले सैकड़ों शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारी धरने पर बैठे, सात सूत्री मांगों को लेकर सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जताया आक्रोश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गया। मगध विश्वविद्यालय मुख्यालय में मंगलवार को बिहार प्रदेश संबद्ध डिग्री कॉलेज शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ (फैक्टनेब) के बैनर तले सैकड़ों शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने अपनी सात सूत्री मांगों को लेकर विशाल धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नियमित वेतनमान, पेंशन, लंबित अनुदान के भुगतान और विश्वविद्यालयी व्यवस्था में सुधार की मांग करते हुए राज्य सरकार पर वर्षों से उनकी समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। धरना-प्रदर्शन की अध्यक्षता फैक्टनेब की मगध विश्वविद्यालय इकाई के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार मिट्ठू ने की, जबकि संचालन प्रदेश प्रवक्ता प्रो. अरुण कुमार गौतम ने किया। इस दौरान विभिन्न संबद्ध एवं अनुदानित डिग्री कॉलेजों के बड़ी संख्या में शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारी मौजूद रहे।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बिहार में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे लगभग 65 प्रतिशत विद्यार्थियों को संबद्ध एवं अनुदानित डिग्री कॉलेज शिक्षा उपलब्ध कराते हैं, लेकिन इन संस्थानों के शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारी पिछले चार दशकों से नियमित वेतनमान और पेंशन की मांग कर रहे हैं। इसके बावजूद सरकार ने अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया है। वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव के दौरान तत्कालीन सरकार ने संबद्ध डिग्री कॉलेजों के शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारियों को अंगीभूत कॉलेजों के समान नियमित वेतनमान और पेंशन देने की घोषणा की थी। इसके लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में

उच्चस्तरीय समिति गठित करने की भी घोषणा की गई थी, लेकिन समिति के गठन के कई महीने बाद भी उसकी बैठक नहीं हो सकी। उन्होंने इसे सरकार की उदासीनता बताते हुए कहा कि इस कारण शिक्षकों और कर्मचारियों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

धरना के दौरान डिग्री एवं इंटरमीडिएट के लगभग आठ सत्रों का लंबित अनुदान भी प्रमुख मुद्दा रहा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अनुदान का भुगतान नहीं होने से कई संबद्ध कॉलेजों के शिक्षक और कर्मचारी गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। उन्होंने सरकार से अविलंब लंबित राशि जारी करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप था कि पिछले कई सत्रों की परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य संबद्ध कॉलेजों के शिक्षक कर रहे हैं, लेकिन उन्हें समय पर पारिश्रमिक नहीं दिया जाता। साथ ही पारिश्रमिक से 25 से 35 प्रतिशत तक टीए और अन्य मदों के नाम पर कटौती की जाती है, जिसे उन्होंने अन्यायपूर्ण बताते हुए तत्काल समाप्त करने की मांग की।

श्रावणी मेले की तैयारियों में जुटा बाबा बैजू धाम श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा पर विशेष जोर

मेला समिति की बैठक में पेयजल, साफ-सफाई, सीसीटीवी, चिकित्सा केंद्र और यातायात व्यवस्था को लेकर बनी कार्ययोजना

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गुरुआ,गया। जिले के गुरुआ प्रखंड स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बाबा बैजू धाम में आगामी श्रावणी मेले की तैयारियों को लेकर मंगलवार को मेला समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्यों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने भाग लेते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा तथा मेले के सफल संचालन को लेकर विस्तृत चर्चा की। बैठक में निर्णय लिया गया कि श्रावण मास के दौरान बाबा बैजू धाम में जलाभिषेक के लिए आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके लिए पेयजल, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था

सुनिश्चित की जाएगी।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मंदिर परिसर और मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया गया। साथ ही भीड़ नियंत्रण के लिए स्वयंसेवकों की तैनाती की जाएगी। महिला श्रद्धालुओं एवं कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए जाएंगे, जबकि आवश्यक स्थानों पर चिकित्सा शिविर और सहायता केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि बाबा बैजू धाम क्षेत्र की प्रमुख आस्था का केंद्र है, जहां श्रावण मास में दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं।

ऐसे में प्रशासन और मेला समिति के समन्वय से सभी तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएंगी, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और श्रद्धामय वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। स्थानीय ग्रामीणों ने भी मेले को सफल बनाने के लिए अपने सुझाव दिए तथा आयोजन में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक में मेला समिति के सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि और आसपास के गांवों के अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

'डिजिटल अरेस्ट' कर ठगी करने वाले 2 बदमाश अरेस्ट

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नालन्दा। पंजाब पुलिस ने नालन्दा के लहेरी थाना की पुलिस के सहयोग से एक कार्रवाई करते हुए बिहारशरीफ के हॉस्पिटल मोड़ के पास से दो शातिर साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों पर पंजाब के मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात कमांडो की पत्नी को 'डिजिटल अरेस्ट' कर 12 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप है। गिरफ्तार ठगों की पहचान भैंसासुर मोहल्ला निवासी मुकेश कुमार और अस्पताल मोड़ निवासी विशाल भारती के रूप में की गई है।

क्या है पूरा मामलाः पटियाला साइबर थाना के सब इंस्पेक्टर मनदीप सिंह ने बताया कि साल 2024 में साइबर अपराधियों ने सीएम की सुरक्षा में लगे कमांडो की पत्नी मनजीत कौर को डिजिटल अरेस्ट करके उनसे 12 लाख रुपये की ठगी की थी। घटना के बाद पीड़िता ने पंजाब के साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस जांच में यह स्पष्ट हुआ कि ठगी गई रकम बिहारशरीफ के इन दोनों युवकों के बैंक खातों में ट्रांसफर की गई थी।

दिल्ली जाकर करते थे सौदा, मिलता था 2% कमीशनः पुलिस की पूछताछ और जांच में खुलासा हुआ कि ये दोनों आरोपी दिल्ली जाकर साइबर ठगों के बड़े गिरोह के संपर्क में रहते थे। वे गिरोह को अपने बैंक खाते उपलब्ध कराते थे, जिनमें ठगी की रकम आती थी। इस काम के बदले उन्हें ठगी गई राशि का दो प्रतिशत कमीशन मिलता था। पुलिस ने उनके मोबाइल से कई अहम डिजिटल सबूत भी बरामद किए हैं।

पूरे देश में फैला है नेटवर्क, 5 करोड़ की ठगी की आशंकाः पुलिस के अनुसार, इस साइबर गिरोह का जाल पूरे देश में फैला हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए इस गिरोह के अन्य सदस्यों को कोलकाता और जामताड़ा से भी गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच और साइबर सेल में दर्ज शिकायतों के आधार पर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इस गिरोह ने अब तक देश भर में अलग-अलग लोगों से कम से कम पांच करोड़ रुपये की ठगी की है।

कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पंजाब पुलिस की टीम, जिसमें सब इंस्पेक्टर हरतेंद्र सिंह और सिपाही नवनीत सिंह शामिल थे, दोनों गिरफ्तार आरोपियों को अपने साथ पंजाब ले गई है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

झूठे अपहरण के मामले में कार्रवाई, पड़ोसियों को फंसाने के लिए पिता ने रची थी साजिश

साजिशकर्ता अरेस्ट

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नालन्दा। नालंदा पुलिस ने अपहरण के एक मामले में कार्रवाई की है। पिता ने बेटे के अपहरण का आरोप पड़ोसियों पर लगाया गया था, वह पूरी तरह से एक सोची-समझी साजिश थी। पुलिस ने साजिशकर्ता राजो यादव को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अपहृत युवक को रजौली से बरामद कर लिया गया है। कतरीसराय थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि 24 मई को कतरीसराय थाना क्षेत्र के बरीठ निवासी कारू यादव ने शिकायत दर्ज कराई कि उनका बेटा विक्रम कुमार गांव के पास खेत में सिंचाई करने के दौरान गायब हो गया है। इस आवेदन के आधार पर कतरीसराय थाना में

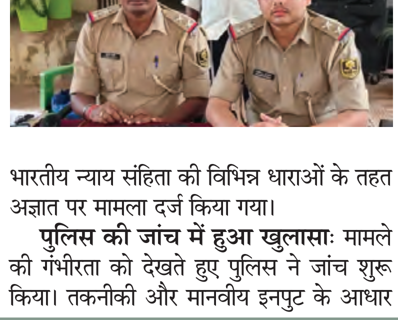

भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अज्ञात पर मामला दर्ज किया गया।

पुलिस की जांच में हुआ खुलासाः मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू किया। तकनीकी और मानवीय इनपुट के आधार पर पुलिस 12 जुलाई को रजौली थाना क्षेत्र पहुंची और अपहत विक्रम कुमार को सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ के दौरान नवादा जिले के रजौली थाना अंतर्गत कैरीखाप निवासी राजो यादव की संलिप्तता सामने आई। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए आरोपी राजो यादव ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। उसने खुलासा किया कि यह पूरी घटना वादी (पिता कारू यादव) के साथ मिलकर रची गई एक साजिश थी, जिसका मुख्य उद्देश्य वादी के पड़ोसियों को झूठे मामले में फंसाना था।

अन्य आरोपियों की तलाश जारीः कतरीसराय थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार कुशवाहा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने इस मामले का खुलासा किया है। फिलहाल, अन्य सहयोगियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की ओर से लगातार छापेमारी की जा रही है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

सदर एसडीपीओ ने प्राणपुर थाना का किया औचक निरीक्षण

कटिहार। सदर पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी विशाल आनंद ने सोमवार को प्राणपुर थाना का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना के गुंडा पंजी, कांड पंजी, शराब बरामदगी, शराब तस्करों की गिरफ्तारी सहित अन्य अभिलेखों की जांच किया । निरीक्षण के दौरान एसडीपीओ ने थाना अध्यक्ष विजय प्रकाश को लंबित मामलों का जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया। साथ ही शराब तस्करों और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखते हुए उनके खिलाफ लगातार कार्रवाई करने को कहा। मौके पर पुलिस अवर निरीक्षक पुलेंद्र पासवान, पवन कुमार, मुंशी अविनाश कुमार सहित थाना के अन्य पुलिस बल मोजुद थे।

प्राणपुर थाना में बीते शनिवार को सड़क जाम को लेकर 14 नामजद एवं 40 अज्ञात पर मामला दर्ज

कटिहार। प्राणपुर थाना क्षेत्र के बुद्धनगर गांव के समीप एनएच 31 सड़क पर बीते शनिवार को अज्ञात वाहन से सड़क हादसा में 50 वर्षीय बैजनाथ केवट की मौत को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने चार घण्टे तक सड़क जाम किया था। पुलिस गाड़ी के ड्राइवर के साथ भी गाली गलौज किया गया था। जिस कारण प्राणपुर थाना में 14 नामजद और 40 अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। थाना अध्यक्ष विजय प्रकाश ने बताया कि बीते शनिवार को अज्ञात वाहन से कुचलकर एक 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गया था।इसी को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच 31 सड़क को जाम किया था। जाम स्थल पर असामाजिक तत्वों द्वारा बेवजह हो हंगामा एवं पुलिस के साथ गाली गलौज, राहगीरों को परेशान करने वालों को चिन्हित कर मामला दर्ज किया गया है तथा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

परिवार नियोजन को लेकर संध्या चौपाल, लोगों को किया जागरूक

कटिहार। बस्तौल पंचायत में स्वास्थ्य विभाग की ओर से संध्या चौपाल का आयोजन कर परिवार नियोजन एवं स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक,एएनएम,आशा कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।कार्यक्रम के दौरान पुरुष नसबंदी एवं महिला बंध्याकरण की जानकारी दी गई। लोगों को परिवार नियोजन अपनाने के लाभ, सरकारी प्रोत्साहन राशि तथा उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी गई। साथ ही लाभार्थियों के बीच स्वास्थ्य किट का वितरण भी किया गया।

बिजली आपूर्ति की समस्या से प्राणपुरवासी कई महिने जूझ रहे हैं

कटिहार। जिली आपूर्ति की समस्या से प्राणपुरवासी कई वर्षों से जूझ रहे हैं। रोशना वासी विद्युत उपभोक्ता रवि गुप्ता, मनोज साह, मोहम्मद सलाउद्दीन, मोहम्मद फिरोज ने बताया कि 24 घंटा में बिजली मात्र चार घंटा रहता है। वो भी लो वोल्टेज के साथ।कब आएगा और कब चला जाएगा।इसका ठीकाना नहीं है। ट्रांसफार्मर जलने के बाद कब ठीक होगा।इसका भी ठिकाना नहीं रहता है। एक सप्ताह के बाद ही ट्रांसफार्मर को ठीक कराया जाता है। विद्युत अभियंता विजयकांत ठाकुर ने बताया कि प्राणपुर में बिजली आपूर्ति का लक्ष्य 12 मेगावाट है। किन्तु प्राणपुर को मात्र 5-6 मेगावाट बिजली आपूर्ति होती है। कभी कभी तो 5,3,4 मेगावाट बिजली आपूर्ति होती है। जिस कारण प्राणपुर में बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से संचालित नहीं हो पाती है। उन्होंने बताया कि ट्रांसफार्मर जलने के बाद 24 घंटा के अंदर ठीक करा दिया जाता है।पोल, तार आदि की समस्या के समाधान हेतु सभी सामग्री उपलब्ध है।

जल जमाव की समस्या से निजात दिलाने की मांग बीडीओ से आक्रोशित ग्रामीणों ने किया

कटिहार। जल जमाव की समस्या से प्राणपुर पंचायत वार्ड संख्या 11 के ग्रामीण सड़क में दो दिनों से लगा हुआ वर्षा का पानी अब दुर्गंध करने लगा है। उक्त सड़क मुख्यालय प्रांगण होते हुए एनएच 31 सड़क को जोड़ती है। मुख्यालय आने-जाने का मुख्य मार्ग है इसके बावजूद भी जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीण राजेश यादव, दीपक यादव, राजेंद्र परिहार, मनोज यादव सहित दर्जनों ने बताया कि 1 वर्ष पूर्व जल निकासी हेतु पंचायत स्तर से नाला का निर्माण हुआ था। किंतु नाला का निर्माण होने के बावजूद जल निकासी नहीं हो पा रहा है। कई जगहों पर नाला जाम हो गया है। आक्रोशित ग्रामीणों ने बीडीओ अभिजीत कुमार से जल निकासी की मांग की है।

दो दिनों से लगातार हो रही झमाझम बारिश से सड़कों पर हुआ जल जमाव

कटिहार। दो दिनों से हो रही झमाझम बारिश से ग्रामीण इलाकों के सड़कों में जल जमाव हो जाने से आवागमन कष्टप्रद बन गया है। रोशना बाजार की सड़कों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। दिल्ली दीवानगंज अंडरग्राउंड रेलवे पुल के नीचे एवं पकड़िया गुमटी अंडरग्राउंड रेलवे पुल के नीचे जल जमाव हो जाने से आवागमन दोनों स्थानों पर बाधित हो गया है। राजपूतिया कटिंग एवं मदनसाही कटिंग अर्धनिर्मित पुल का डायवर्सन जल जमाव के कारण आवागमन बाधित हो गया है। दर्जनों जर्जर सड़कों में अवस्थित गढ़्ढ़ों में जल जमाव के कारण वाहन चालकों को एवं पैदल राहगीरों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इधर महानंदा नदी के जलस्तर में भी वृद्धि हुई है। झमाझम बारिश से किसानों को सर्वाधिक लाभ पहुंचा है। अगहनी धान की रोपनी को लेकर किसान खेतों में लगे पानी को आर बांध कर रोकने में लगे हुए हैं। किसानों को बारिश होने से अगहनी धान का बीज उखाड़ना एवं रोपनी करना आसान हो गया।

भारतीय ब्राह्मण महासभा की बैठक संपन्न

- सनातन और ब्राह्मणों के विकास पर जोर दिया गया
- शिक्षा, शादी-विवाह और आर्थिक विकास पर चर्चा की गई

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

डेहरी /रोहतास। भारतीय ब्राह्मण महासभा की बैठक नागा पथ पाली रोड स्थित मंगलम निवास में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार श्री जग नारायण पांडेय तथा संचालन श्री राजेश कुमार पांडेय ने किया। बैठक में ब्राह्मण समाज के विकास, उनकी समस्याओं को दूर करने सहित एकजुटता पर चर्चा की गई। सदस्यों ने सुझाव दिया कि डेहरी शहरी क्षेत्र में तथा इसके साथ ही ग्रामीण इलाकों में संपर्क को बढ़ाते हुए सभी को एकजुट करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए जिस पर सहमति बनी। इसके साथ ही सभी के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक विकास के लिए सहयोगात्मक कार्यक्रम चलाने पर भी चर्चा की गई। बैठक में ब्राह्मणवाद के नाम पर ब्राह्मण समाज को राजनीतिक रूप से प्रताड़ित करने को गंभीरता से लिया गया और इसकी निंदा करते हुए तीखे विरोध का फैसला किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि राजनीतिक व्यक्तियों द्वारा अपने स्वार्थों के लिए ब्राह्मण समाज को टारगेट करना घोर निंदनीय ही नहीं सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने का प्रयास है जिसकी आलोचना सजग लोगों को करनी चाहिए जिसके लिए दूसरे समाज को भी आगे आना चाहिए। सदस्यों ने कहा कि ब्राह्मण समाज सभी घोषित जातियों को सम्मान देता आया है और यह स्वयं भी इसका हकदार है। बैठक में सनातन और ब्राह्मणवाद की रक्षा का संकल्प लिया गया। धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल होने के साथ ही समाज के कमजोर परिवार के बच्चों को शिक्षा में सहयोग, शादी विवाह में सहयोगी भूमिका निभाने सहित विभिन्न पहलुओं पर सहयोग की सहमति बनाई गई। बैठक में चर्चित भरत तिवारी हत्याकांड की निंदा करते हुए आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग की गई।

इस बैठक में समाज के वरिष्ठ सदस्यों में अनिल मिश्रा, सुरेंद्र तिवारी, प्रमोद दूबे,मदन मोहन दूबे, रवि पांडेय, दिग्विजय उपाध्याय, पंकज ओझा, विकास दूबे, पंकज तिवारी,उमा दूबे, संतोष पांडेय, नरेंद्र पांडेय,अभिराम गौतम, विंदेश्वरी पांडेय, परमानंद दूबे, मुन्ना पांडेय, राहुल पांडेय आदि उपस्थित थे।

काराकाट को मिले नए बीडीओ, संजीत कुमार ने संभाली कमान

राहुल कुमार सिंह ने सौंपा तीन साल बाद प्रभार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

काराकाट / रोहतास। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय में मंगलवार की संध्या नवपदस्थापित बीडीओ संजित कुमार ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। संजित कुमार इससे पहले नवादा डीआरडीए में अपनी सेवाएं दे रहे थे। वहीं, इससे पूर्व वे वैशाली जिले के महुआ प्रखंड में भी प्रखंड विकास पदाधिकारी के रूप में कार्य कर चुके हैं। अब उन्हें काराकाट प्रखंड की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, निवर्तमान प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह ने नए बीडीओ को संपूर्ण प्रभार सौंप दिया। राहुल कुमार सिंह ने 7 जुलाई 2023 को काराकाट प्रखंड में योगदान दिया था और 7 जुलाई 2026 को उनका तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा हुआ। तीन वर्षों तक उन्होंने काराकाट प्रखंड में विभिन्न विकास योजनाओं और प्रशासनिक कार्यों का संचालन किया। पदभार ग्रहण के बाद नए बीडीओ संजीत कुमार ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। साथ ही विकास कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बकरी बांधने को लेकर मारपीट, 4 घायल, दोनों पक्षों से 1-1 गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अकोढीगोला(रोहतास)। थाना क्षेत्र के ग्राम पकड़िया में सोमवार की रात बकरी बांधने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया जिसके बाद जमकर मारपीट हुई। इस घटना में चार लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पकड़िया निवासी भोला शर्मा की पत्नी रंजू देवी ने अपने आवेदन में बताया कि उनके दरवाजे पर मुन्ना अंसारी ने बकरी बांध दी थी। जब उन्होंने बकरी हटाने को कहा तो मुन्ना अंसारी के परिजन पुतुल अंसारी, पवन अंसारी व खुशी खातून लाठी-डंडे से लैस होकर आए और मारपीट शुरू कर दी। वहीं मुन्ना अंसारी ने भी भोला शर्मा व उनकी पत्नी रंजू देवी पर मारपीट करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर अकोढीगोला थाना कांड संख्या - 256/26, 257/26 दिनांक- 13/07/26 धारा - 126(2) /115(2)/ 109/ 352/3(5) BNS दर्ज करते हुए तत्काल कार्रवाई की। पुलिस ने दोनों कांडों से पकड़िया निवासी 1. मुन्ना अंसारी उर्फ शमीम अंसारी उम्र 42 वर्ष पिता अनुष अंसारी उर्फ मूनूस अंसारी और 2. भोला शर्मा उम्र 40 वर्ष पिता बैजनाथ शर्मा को विधिवत गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष राकेश गोसाई ने बताया कि मामले में आगे की जांच की जा रही है।

आज अकस करेगा रक्तदान शिविर का आयोजन

रक्तदान शिविर को लेकर रक्तवीरों में दिख रहा है उत्साह

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

डेहरी। रोहतास। प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी अभिनव कला संगम द्वारा डालमियानगर ड्रीम हाउस में 15 जुलाई को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। सोमवार की रात पाली रोड स्थित रघुकुल निवास में रक्तदान शिविर की सफलता को लेकर अभिनव कला संगम की बैठक किया गया। बैठक में अध्यक्ष कौशलेंद्र कुशवाहा ने कहा कि प्रत्येक वर्ष अभिनव कला संगम द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन होता रहा है।

इससे कई जिंदगियां बचती है। किसी को भी रक्त की आवश्यकता होने पर अभिनव कला संगम द्वारा निःशुल्क रक्त की व्यवस्था की जाती है। इससे बड़ा पुण्य का काम और नहीं हो सकता है। सालों भर अभिनव कला संगम द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। जिसमें रक्तदान शिविर भी एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। रक्तदान शिविर जमुहार स्थित एनएमसीएच के चिकित्सकों के टीम की देखरेख में होगा। निदेशक कमलेश कुमार ने कहा कि सभी सदस्य रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए अपने-अपने स्तर से प्रचार-प्रसार व रक्तवीरों की सूचित तैयार करें। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जहां एक और अभिनव कला संगम द्वारा विभिन्न कार्यक्रम किया जाता है, और दिसंबर में राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक महोत्सव समेत अन्य कार्यक्रम किए जाते हैं। ऐसे में रक्तदान शिविर को भी ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी तरह से सभी सदस्य प्रयास करेंगे। बैठक में कई अन्य सामाजिक मुद्दों और अभिनव कला संगम द्वारा होने वाले आगामी कई कार्यक्रमों पर चर्चा की गई।

संस्थापक जीवन प्रकाश द्वारा अगस्त में ऑल इंडिया डांस कंपटीशन करने का विचार रखा गया। जिस पर सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से सहमति जताई। इसके अलावा सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक गतिविधि जारी रखने का भी निर्णय लिया गया।

अन्य सदस्यों ने संस्थागत कई मुद्दों पर चर्चा की, और अपना-अपना विचार रखा। बैठक में महासचिव सिमल सिंह, संस्थापक सुमंत मिश्रा, कोषाध्यक्ष शिवजी गुप्ता, सचिव प्रो रणधीर सिन्हा , मीडिया प्रभारी इंद्र कुमार बाघा, उर्मिला देवी, संतोष समृद्धि, आलोक मिश्रा, विशाल सिंह, विनय कुशवाहा, शंभू गुप्ता, मुकुल मणि, संजय गुप्ता नीलू, समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे।

गुज़रूं सूर्य मंदिर परिसर में 11.99 लाख की लागत से बने छठ घाट का उद्घाटन, ग्रामीणों को मिली बड़ी सौगात

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

काराकाट (रोहतास)। प्रखंड क्षेत्र के दनवार पंचायत अंतर्गत गुज़रूं गांव स्थित सूर्य मंदिर परिसर में मंगलवार को नव निर्मित छठ घाट का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह एवं दनवार पंचायत की मुखिया चिंता देवी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी रही और उद्घाटन समारोह उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

बताया गया कि छठ घाट का निर्माण 11 लाख 99 हजार रुपये की लागत से कराया गया है। घाट का निर्माण आकर्षक एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया गया है, जिससे आगामी छठ महापर्व सहित अन्य धार्मिक आयोजनों में श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिलेगी। निर्माण कार्य तकनीकी सहायक प्रियंका कुमारी एवं अभिकर्ता बलिराम सिंह के नेतृत्व में पूरा कराया गया। उद्घाटन के बाद दनवार पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि जितेंद्र कुमार (भाई जी) ने प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह को अंगवस्त्र एवं बुके भेंटकर सम्मानित किया। वहीं, मुखिया चिंता देवी ने तकनीकी सहायक प्रियंका कुमारी को अंगवस्त्र एवं बुके देकर सम्मानित किया। मुखिया प्रतिनिधि जितेंद्र कुमार ने कहा कि गुज़रूं गांव में छठ घाट का निर्माण उनका लंबे समय से सपना था, जो आज साकार हो गया। उन्होंने बताया कि गांव की महिलाओं सहित ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग थी कि सूर्य मंदिर परिसर में एक सुसज्जित छठ घाट का निर्माण कराया जाए, ताकि छठ व्रतियों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक स्थान उपलब्ध हो सके। अब यह मांग पूरी होने से पूरे गांव में खुशी का माहौल है। कार्यक्रम में पंचायत समिति सदस्य राजेश राय, ऋषि राय, आनंद राय, तुलसी सिंह, उमेश सिंह, डॉ. श्याम जी सिंह, श्याम बिहारी सिंह, जगन्नाथ राय सहित दनवार पंचायत के बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने छठ घाट निर्माण के लिए जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

बकरी एवं भेड़ विकास योजना के चयनित 25 लाभुकों के बीच तीन-तीन बकरी का वितरण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कटिहार। प्राणपुर प्रखंड मुख्यालय प्रांगण स्थित पशु चिकित्सालय भवन के प्रांगण में मंगलवार को बकरी एवं भेड़ विकास योजना अंतर्गत 25 लाभुकों के बीच तीन-तीन बकरी का वितरण जिला पशुपालन पदाधिकारी प्रमोद कुमार मेहत्ता के द्वारा किया गया। वितरण समारोह को संबोधित करते हुए जिला पशुपालन पदाधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित उक्त योजना का उद्देश्य बकरी पालन को बढ़ोत्तरी करना है। उन्होंने कहा कि जिले के सभी प्रखंडों में चयनित लाभुकों के बीच बकरी का वितरण किया जाना है। प्राणपुर में चयनित कुल 46 लाभुकों के बीच बकरी का वितरण होना है। जिसमें मंगलवार को 25 लाभुकों के बीच वितरण किया गया। शेष 21 लाभुकों के बीच बुधवार को वितरण किया जाएगा।

इस मौके पर प्रखंड पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ मोनिका सिंह, नीरज कुमार मिश्रा सहित सभी कर्मी उपस्थित थे। बकरी पशुपालकों में हर्ष व्याप्त है।

मनिहारी:गंगा कटाव पर सांसद सख्त धुरियाही पहुंचकर लिया जायजा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कटिहार। जिले के मनिहारी प्रखंड अंतर्गत धुरियाही पंचायत के धुरियाही गांव में गंगा नदी से हो रहे भीषण कटाव का जायजा लेने शनिवार को सांसद तारिक अनवर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कटाव प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करने के साथ-साथ चल रहे कटाव निरोधी कार्यों की भी समीक्षा की। सांसद ने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की जानकारी ली तथा कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर तेज गति एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कराने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान सांसद तारिक अनवर ने कहा कि कटिहार जिला बाढ़ की दृष्टि से पूरे बिहार के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल है। हर वर्ष जिले के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ और गंगा कटाव से लोगों को भारी जान-माल का नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि कई बार केंद्र एवं राज्य सरकार से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए स्थायी समाधान की मांग की गई, लेकिन आज तक इसका ठोस और दीर्घकालिक समाधान नहीं हो सका है। सांसद ने कहा कि हर वर्ष बाढ़ से पहले सरकार व्यापक तैयारियों का दावा करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर वास्तविक स्थिति दावों से अलग नजर आती है। इसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ता है। उन्होंने कहा कि धुरियाही में चल रहे कटाव निरोधी कार्यों की गुणवत्ता भी पूरी तरह संतोषजनक नहीं दिख रही है। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं ताकि कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि बाढ़ और कटाव जैसी गंभीर समस्या का समाधान केवल अस्थायी उपायों से संभव नहीं है। इसके लिए वैज्ञानिक एवं स्थायी योजना बनाकर प्रभावी ढंग से कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि हर वर्ष लोगों को होने वाली तबाही से बचाया जा सके।

इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि सुनील कुमार यादव, दिलीप विश्वास, अवधेश मंडल, भोला प्रसाद यादव,संजय पांडे, बलराज यादव, सुबोध यादव सहित विभागीय अधिकारी एवं स्थानीय ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

ज्ञान कदम कदम पर बढ़ता है छलांग मारकर नहीं, आप नियमित क्लास करेंगे आपके ज्ञान में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी: डॉ कन्हैया सिंह

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज /रोहतास। ज्ञान कदम कदम पर बढ़ता है छलांग मारकर नहीं, आप नियमित क्लास करेंगे आपके ज्ञान में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी और ज्ञानमूलक समाज के निर्माण में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी, उक्त बातें आज अंजबित सिंग महाविद्यालय में बॉटनी विभाग में सत्र 26-30 स्नातक सेमेस्टर 1 के छात्रों के लिए, आयोजित उन्मुखी करण कार्यकर की अध्यक्षता करते हुए विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ कन्हैया सिंह ने कही डॉ सिंह ने कहा कि नियमित कॉलेज आने से बच्चे ज्यादा सीखते हैऔर पाठ्य सहगामी क्रियाओं में भाग लेने का मौका मिलता है। आज के सामाजिक परिवेश में ज्ञान ही शक्ति है। इसलिए सीखने सिखाने की प्रक्रिया में शिक्षक और छात्रों को बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो ओम प्रकाश राम में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी छात्र एवं छात्राएं नियमित रूप से क्लास आये और अनुशासन में रहकर ज्ञानार्जन करें। प्राचार्य ने कहा कि महाविद्यालय में पठन पाठन की सारी सुविधाएं उपलब्ध है छात्र क्लास के बाद भी पुस्तकालय में बैठ कर स्वयं अध्ययन कर सकते है। महाविद्यालय आने से आपका चहुमुखी विकास होगा। कार्यक्रम का संचालन करते हुए बॉटनी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ शशि भूषण ने छात्रों को CBCS कोर्स एवं पाठ्यक्रम से संबधित मूलभूत जानकारी छात्र छात्राओं को दिये। उन्होंने CBSC प्रणाली में क्रेडिट सिस्टम के बारे में भी बताया, इसके बाद छात्रों ने एक एक कर अपना परिचय दिया ।इस अवसर पर eco क्लब के माध्यम से छात्र छात्राओं के द्वारा स्वस्छ परिसर और स्वस्थ परिसर अभियान चलाया, जिसमें परिसर में प्लास्टिक बोतलों को एकत्र किया गया और उसे सही जगह डम्प किया गया। बच्चों को पर्यावरण संरक्षण संदेश के तहत एक एक पौधा गोद लेने के लिए कहा गया । इस कार्यक्रम में छात्र छात्राएं अतिउत्साहित दिखे । कार्यक्रम को सफल बनाने के प्रो फज़ल अहमद, डॉ रविकांत पाण्डे और प्रो सुकेश्वर सिंह की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही

संक्षिप्त समाचार

हादसे का शिकार मृतक के परिजनों से सांसद ने भेंटकर बंधाया ढांढस

अररिया। अररिया के भरगामा थाना क्षेत्र के सिरसिया कला हनुमानगंज में ट्रैक्टर पलटने से तीन महिला मजदूरों की मौत और कई लोगों के घायल होने पर सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने दुख व्यक्त किया।सांसद प्रदीप कुमार सिंह पोस्टमार्टम हाउस समेत गांव पहुंचकर मृतक के परिजनों से मुलाकात की और घटना को लेकर जानकारी लेते हुए घटना को लेकर गहरी संवेदना व्यक्त किया। सांसद ने अस्पताल में भर्ती घायल मजदूरों के इलाज की समुचित प्रबंध को लेकर डीएम समेत सीएस से बातचीत कर बेहतर मेडिकल सुविधा उपलब्ध करने को निर्देशित किया। सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने हादसे पर दुख व्यक्त किया और 11 साल के नाबालिग बालक के द्वारा ट्रैक्टर चलाने को लेकर सवाल खड़ा किया।उन्होंने प्रशासन से ट्रैक्टर मालिक के खिलाफ कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को समुचित मुआवजा दिए जाने की मांग की।उन्होंने घटना के पीछे लापरवाही को जिम्मेवार ठहराया। घटना को लेकर जानकारी देते हुए परिजनों ने नाबालिग छोटे बच्चे के द्वारा ट्रैक्टर चलाए जाने की जानकारी दी।ग्रामीणों न बताया कि वैतरणी नहर पर बने पुल पर ट्रैक्टर चढ़ाने के दौरान नाबालिग चालक ने अपना संतुलन खो दिया था और ट्रैक्टर को सीधे पानी से भरे गड्ढे में पलट दिया।ग्रामीणों ने सांसद से ट्रैक्टर मालिक के द्वारा नाबालिग से ट्रैक्टर चलवाने को लेकर ट्रैक्टर मालिक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उल्लेखनीय हो कि भरगामा के सिरसिया हनुमानगंज वार्ड संख्या 14 में अनियंत्रित ट्रैक्टर पानी से भरे गड्ढे में पलट गई थी।जिसमें तीन महिला मजदूरों की मौत हो गई। ट्रैक्टर के नीचे दबने से कई मजदूर घायल हो गए।जिसमें से दो की हालत अभी भी नाजुक है।महिला मजदूर धान की रोपनी के लिए खेत की ओर ट्रैक्टर पर सवार होकर जा रहे थे। मृतकों में सिरसिया कला वार्ड संख्या चार की मीरा देवी,नैया देवी और रंजू देवी शामिल है।सांसद ने हादसे के शिकार मृतक और घायल के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

ट्रैफिक व्यवस्था सुदृढ़ीकरण को लेकर एसडीएम ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ की मीटिंग

अररिया। फारबिसगंज अनुमंडल कार्यालय स्थित कार्यालय कक्ष में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने को लेकर एसडीएम अभय कुमार तिवारी ने अनुमंडल क्षेत्र के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ मंगलवार को विशेष बैठक की।बैठक में राम मनोहर लोहिया पथ के पास एवं रेलवे ढाला के पास किए गए बैरीकेडिंग एवं वन वे को सुचारू रूप से पालन कराना, प्रशासनिक तरीके से गतिविधियों को आगे बढ़ाना एवं नगर परिषद क्षेत्र फारबिसगंज के अलग अलग जगहों पर ट्रैफिक व्यवस्था को सुदृढ़ करना मुख्य मुद्दा रहा। अनुमंडल पदाधिकारी अभय कुमार तिवारी ने बैठक को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि कुछ लोगों की वजह से व्यवस्थाएं बिगड़ती है और इस पर प्रशासन की कड़ी नजर है। वन वे एवं बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है और जल्द ही ऐसी भी व्यवस्था अपनायी जाएगी जिससे फारबिसगंज के लोगों को जाम की समस्या से निजात मिल पायेगा।एसडीएम ने समाज के लोगों से भी ट्रैफिक व्यवस्था सुधार में प्रशासनिक गतिविधियों में सहयोग करने की अपील की। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी के अलावे अंचल पदाधिकारी, पंकज कुमार, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी राहुल कुमार, थानाध्यक्ष मनोज कुमार, नगर परिषद के नगर प्रबंधक शशि कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

सैलरी, ईपीएफ-ईएसआईसी भुगतान की मांग पर प्रदर्शन

भागलपुर। भागलपुर नगर निगम में कर संग्रहण (टैक्स कलेक्शन) का काम कर रही निजी कंपनी के कर्मचारियों और कर संग्रहकों का सब्र आखिरकार जवाब दे गया। कई महीनों से लंबित वेतन और ईपीएफ-ईएसआईसी का भुगतान नहीं होने से नाराज कर्मचारियों ने सोमवार को स्मार्ट सिटी भवन में तालाबंदी कर प्रदर्शन किया। तालाबंदी के साथ ही कर संग्रहकों ने मांगें पूरी होने तक कार्य बहिष्कार करते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर दी है, जिससे नगर निगम के राजस्व वसूली का काम पूरी तरह ठप होने की आशंका गहरा गई है। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का आरोप है कि वे पिछले कई महीनों से बिना वेतन के काम करने को मजबूर हैं। आम कर संग्रहकों का पिछले 9 से 10 महीनों का वेतन बकाया है, जबकि कुछ टीम लीडर्स को पिछले एक साल से मानदेय नहीं मिला है। इसके अलावा, मार्च 2023 या उसके बाद नियुक्त हुए कर्मचारियों के भविष्य निधि (PF) और ईएसआईसी (ESIC) खाते में अब तक लगभग 40 महीनों से एक भी रुपया जमा नहीं किया गया है। कर्मचारियों का कहना है कि वेतन न मिलने के कारण उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट हो गया है। निगम और कंपनी के बीच फंसे कर्मचारी कर्मचारी लीडर मोहम्मद असफाक दयाल ने बताया कि वे अपनी इस बदहाली को लेकर नगर आयुक्त से 3 बार लिखित आवेदन के माध्यम से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिला। नगर निगम प्रशासन का कहना है कि संबंधित निजी कंपनी की ओर से पूरे दस्तावेज (पेपर) सबमिट नहीं किए जाने के कारण पिछले 6 महीनों से कंपनी का कमीशन होल्ड (रोक) पर रखा गया है। वहीं दूसरी ओर, कंपनी इस कार्रवाई का आड़ लेकर सभी छोटे कर्मचारियों का वेतन दबाकर बैठी है। सिक्योरिटी मनी की वापसी की भी मांग प्रदर्शन के दौरान तहसीलदारों ने यह भी मुद्दा उठाया कि नौकरी के समय उनसे 35,000 का डिमांड ड्राफ्ट सिक्योरिटी मनी के रूप में जमा कराया गया था। यदि यह विवाद नहीं सुलझता और काम बंद होता है, तो उनकी यह सुरक्षा राशि भी तुरंत वापस की जानी चाहिए।

मंदिर से 24 किलो चांदी की चोरी

भागलपुर। भागलपुर में काली मंदिर से रविवार देर रात चोरी हुई। चोर मां काली की चांदी की प्रतिमा लेकर फरार हो गए। जिसका वजन 11 किलो था। इसके अलावा 8 किलो के 11 पीस चांदी के झाप और दो चांदी के मुकुट भी ले गए। दोनों मुकुट का वजन करीब 5 किलो था। चोरी करीब 24 किलो चांदी चुराकर ले गए। सोमवार की सुबह जब पुजारी पहुंचे तो उन्होंने मंदिर का ताला टूटा हुआ देखा। अंदर जाने पर मां काली की प्रतिमा और चांदी के आभूषण गायब मिले। घटना नाथनगर थाना क्षेत्र शाहपुर गांव की है।

रात करीब पौने 2 बजे मंदिर में पहुंचा चोर: घटना की सूचना मिलने के बाद मंदिर समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुटे। मंदिर में लगे सीसीटीवी की फुटेज में पूरी वारदात कैद हो गई है। फुटेज के अनुसार रात करीब 1:45 बजे एक संदिग्ध युवक मंदिर परिसर में आते दिख रहा है। पहले उसने मुख्य गेट का ताला तोड़ने की कोशिश की, लेकिन नहीं टूटने पर बालकनी के रास्ते मंदिर के अंदर घुस गया। इसके बाद उसने मां काली की प्रतिमा और चांदी के आभूषण चोरी किए और मौके से फरार हो गया।

सीसीटीवी में ऑटो भी दिखा: पास के एक मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में आरोपी भागता हुआ दिखाई दे रहा है। फुटेज में एक हरे रंग का सीएनजी ऑटो भी नजर आया है। आशंका जताई जा रही है कि चोर उसी वाहन से आया और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया।

डीआईयू-एफएसएल जांच के लिए पहुंची: घटना की सूचना मिलते ही नाथनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जांच शुरू कर दी। अपर थाना अध्यक्ष नईम अहमद ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआईयू, एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर चोरों की पहचान करने में जुटी है। ग्रामीण अशोक कुमार ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि मंदिर में चोरी से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जानी चाहिए।

एयरपोर्ट के आसपास बने 845 मकान मालिकों को नोटिस

भागलपुर। भागलपुर एयरपोर्ट के आसपास बने 845 मकान मालिकों को नगर निगम ने ऊंचाई मानकों पर नोटिस जारी किया है। जिसके बाद यहां रह रहे लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। निगम कार्यालय पहुंचकर हंगामा किया। करीब 10 मिनट तक जमकर नारेबाजी की। इस संबंध में नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्रशासन की ओर से मकानों की ऊंचाई को लेकर जो कार्रवाई की जा रही है, उससे सैकड़ों परिवारों के सामने बेघर होने का खतरा पैदा हो गया है। पिछले कई दशकों से एयरपोर्ट के आसपास के इलाके में रह रहे हैं।

27 मजदूरों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी, 3 महिलाओं की मौत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया। अररिया में मंगलवार सुबह ब्रेक फेल होने से मजदूरों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली पानी भरे गड्ढे में पलट गई। हादसे में 3 महिलाओं की मौत हो गई जबकि 24 मजदूर घायल हो गए। ट्रैक्टर ट्रॉली में कुल 27 मजदूर सवार थे, जिनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। सभी धान की रोपनी के लिए जा रहे थे। हादसा भरगामा प्रखंड के सिरसिया हनुमानगंज वार्ड संख्या-14 में हुआ। मृतक महिलाओं की पहचान मीरा देवी, नैना देवी और रंजू देवी के रूप में हुई है। सभी मृतकों की उम्र 35 से 40 साल के बीच थी।

ट्रैक्टर ट्रॉली के नीचे दब गईं महिलाएं: हादसे के वक्त मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि सुबह के करीब 8 बजे सभी मजदूर ट्रैक्टर ट्रॉली में बैठकर धान की रोपनी के लिए जा रहे थे। हनुमानगंज वार्ड के पास अचानक से ट्रैक्टर का बैलेंस बिगड़ा और वो गड्ढे में गिर गया। पानी में जाते ही 8 से 10 महिलाएं ट्रैक्टर ट्रॉली के नीचे दब गईं। 2 महिलाएं बहुत बुरी तरह दबी थीं। कुछ देर वो चिल्लाईं। थोड़ी देर बाद आवाज आनी बंद

हो गई। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। एक महिला को अस्पताल लाया गया। उसकी स्थिति गंभीर थी। इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। थोड़ी देर में ही गांव के लोग जुट गए। रेस्क्यू शुरू किया गया। एक-एक कर सभी महिलाओं को निकाला गया। पुलिस और एंबुलेंस की गाड़ियां भी आ गईं। घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भरगामा ले जाया गया।

मिट्टी निकालने से गड्ढा बन गया, बारिश का पानी भरा था: आसपास के लोगों ने बताया कि इस जगह से लोग मिट्टी खोदकर ले जा रहे थे। धीरे-धीरे यहां गहरा गड्ढा हो गया। हाल में हुई बारिश की वजह से गड्ढे में पानी भर गया। गड्ढा करीब 10 फीट गहरा है। हादसे वाली जगह पर टर्न है। ड्राइवर ने लोगों को बताया है कि गाड़ी का ब्रेक फेल हो गया था। जिसकी वजह से ये हादसा हुआ।

ट्रैक्टर पुराना था, नाबालिग गाड़ी चला रहा था: लोगों ने बताया कि ट्रैक्टर ट्रॉली करीब 10 साल पुरानी थी। उसकी हालत भी ठीक नहीं थी। ट्रैक्टर मालिक खट्टर राय का नाबालिग बेटा अंश राय गाड़ी चला रहा था। उसी के खेत में सभी मजदूर रोपनी करने जा रहे थे। उसे ठीक से गाड़ी चलानी भी नहीं आती थी। गांव से चलने से पहले भी लोगों ने उससे पूछा था कि गाड़ी चला लोगे ना। उसने कहा था कि वो गाड़ी चलाता रहता है। गाड़ी मालिक ने कहा था पास का मामला है वो लेकर चला जाएगा।

ट्रैक्टर ट्रॉली के मालिक से पूछताछ कर रही पुलिस: हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर भरगामा थाने की पुलिस पहुंची। भरगामा अंचला अधिकारी पूजा कुमारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि हादसा कैसे हुआ। ट्रैक्टर ट्रॉली के मालिक से भी पूछताछ की जा रही है।

ओवरलोड ट्रैक्टर ने युवक को रौंदा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में तेज रफ्तार मिट्टी लोडेड ट्रैक्टर ने एक युवक को रौंद दिया। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को 14 नंबर लत्तीपुर चौक पर रखकर रोड जाम कर दिया। पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग कर रहे हैं। घटना खरीक थाना क्षेत्र के जमालदीपुर गांव की है। मृतक की पहचान जमालदीपुर गांव निवासी गोकुल मंडल के पुत्र मंचन कुमार(26) के रूप में हुई है। मंचन कुमार सेना भर्ती के लिए तैयारी कर रहा था। रोज की तरह सुबह दौड़ की प्रैक्टिस के लिए घर से निकला था। गांव से दौड़ते हुए 14 नंबर रोड स्थित विश्वकर्मा चौक की ओर जा रहा था। इसी दौरान ओवरलोड ट्रैक्टर रौंदते हुए निकल गया।

सरकारी नौकरी की मांग: हादसे के तुरंत बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। ट्रैक्टर और ड्राइवर को पकड़ लिया। गंभीर रूप से घायल मंचन को तत्काल खरीक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही ग्रामीण सड़क पर उतर आए। बीच सड़क पर आगजनी कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक जिला प्रशासन के वरीय अधिकारी मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का लिखित आश्वासन नहीं देंगे, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

खेत की जुताई के दौरान किसान पर जानलेवा हमला

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर के शाहकुंड प्रखंड के खैरा मोड़ क्षेत्र में खेत की जुताई के दौरान एक किसान पर जानलेवा हमला किया गया है। घटना में गंभीर रूप से घायल किसान मोहम्मद अयूब का इलाज जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल भागलपुर में चल रहा है। उनकी स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। मोहम्मद अयूब अपने खेत में ट्रैक्टर से जुताई करा रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने वहां पहुंचकर उनसे विवाद शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपितों ने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से उन पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में अयूब गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। घटना के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए।

डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा इलाज: घटना की सूचना मिलने पर परिजन मो अयाज ने मौके पर पहुंचे और घायल किसान को उपचार के लिए पहले एक निजी अस्पताल ले गए। घायल के बेटे अयाज ने बताया कि निजी अस्पताल में इलाज का खर्च अधिक होने के कारण आर्थिक तंगी से जूझ रहे परिवार के लिए वहां इलाज कराना संभव नहीं था। इसके बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। घायल किसान के बेटे ने बताया कि

उनके पिता की किसी से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने हमला किया, वे रिश्ते में उनके दादा लगते हैं। बेटे का कहना है कि घटना के बाद न तो आरोपितों ने कोई मदद की और न ही गांव के अन्य लोगों ने परिवार की सहायता की। किसी तरह परिजन घायल किसान को अस्पताल तक लेकर पहुंचे। बेटे ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोगों में भी चर्चा का माहौल है। पुलिस से पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर तथ्य सामने लाने और दोषियों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई करने की मांग की जा रही है। वहीं, अस्पताल में डॉक्टरों की टीम घायल किसान की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

बौद्धिक दिव्यांगों को मिलेगी मुफ्त कानूनी सहायता

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया। अररिया सदर अस्पताल में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की 'मनो न्याय' योजना के तहत एक विधिक सहायता केंद्र का उद्घाटन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार अररिया, गुंजन पाण्डे ने इसका शुभारंभ किया। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य बौद्धिक दिव्यांगता और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे व्यक्तियों को निःशुल्क और सुलभ कानूनी सहायता प्रदान करना है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुंजन पाण्डे ने कहा कि समाज के कमजोर और वंचित वर्गों तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की प्राथमिकता है।

लाभार्थियों को निशुल्क मिलेगा मार्गदर्शन: उन्होंने बताया कि 'मनो न्याय' योजना विशेष रूप से बौद्धिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें समय पर कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई है। इस केंद्र के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को निशुल्क विधिक परामर्श, कानूनी सहायता और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। न्यायाधीश पाण्डे ने आगे कहा कि अक्सर जानकारी के अभाव में दिव्यांग और मानसिक रूप से विशेष आवश्यकता वाले लोग अपने अधिकारों से वंचित रह

जाते हैं। सदर अस्पताल परिसर में स्थापित यह विधिक सहायता केंद्र उनके लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा। इससे अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को भी कानूनी सहायता संबंधी जानकारी एक ही स्थान पर मिल सकेगी। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, अररिया के सचिव रोहित श्रीवास्तव, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी अमरेन्द्र प्रसाद, सदर अस्पताल के पदाधिकारी, चिकित्सक और अन्य कर्मी उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल को न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्याः एमसी_डब्ल्यूसी_हाईप्रेशरजेट_सीपी_26, दिनांक 06.07.2026, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर, पूर्व रेलवे, सियालदह, कक्ष सं. 42, प्रथम तल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित निविदा प्रारूप में "एकल पैकेट प्रणाली" के तहत पर्याप्त अनुभवी एवं वित्तीय संपन्न ख्यातिप्राप्त ठेकेदारों से मुहरबंद खुली निविदा आमंत्रित की जाती हैः **कार्य का नाम/विवरण**ः 1) पिट लाइन नंबर 4 के नए विस्तार और पिट नंबर 1, 2, 3 के शेष बढ़े हुए हिस्से के लिए हाई-प्रेशर वाटरिंग पाइपलाइन की आपूर्ति, स्थापना और आरंभ। 2) कम्प्रेस्ड एयर पाइपलाइन (300 मीटर) की आपूर्ति, स्थापना और आरंभ। **निविदा मूल्य :** रु. 60,06,194.10, **बयाना राशि :** रु. 1,20,100/-, **निविदा कागजात का मूल्य :** रु.5,000/-, **अनुबंध की अवधि :** 06 माह। **बोली प्रारंभ करने की तिथि :** दिनांक 14.07.2026, **निविदा के बंद होने की तिथि और समय :** दिनांक 28.07.2026 को 11.00 बजे। **निविदा के खुलने की तिथि और समय :** दिनांक 28.07.2026 को 11.00 बजे। ई-निविदा सूचना एवं कार्य के पात्रता मानदंड समेत निविदा कागजात **www.ireps.gov.in** (वेबसाइट यूआरएल) से देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

SDAH-133/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

वित्त रहित शिक्षकों का 10वां महाआंदोलन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया। बिहार कांग्रेस सेवादल के नेतृत्व में वित्त रहित शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को अररिया में राज्यव्यापी महाआंदोलन का 10वां चरण आयोजित किया गया। आंदोलन के दौरान वित्त रहित शिक्षा नीति को समाप्त करने, शिक्षण संस्थानों के समायोजन तथा शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को सम्मानजनक वेतनमान, सेवा सुरक्षा, पेंशन, कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग प्रमुखता से उठाई गई।

बड़ी संख्या में शिक्षक और कांग्रेस कार्यकर्ता हुए शामिल: धरना-प्रदर्शन में अररिया और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में वित्त रहित शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी, प्राचार्य, कांग्रेस कार्यकर्ता और शिक्षा प्रेमी शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों के सम्मान और शिक्षा नीति में बदलाव की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की गई।

कांग्रेस नेताओं ने सरकार से की मांगें पूरी करने की अपील: कार्यक्रम का नेतृत्व कांग्रेस सेवा दल के बिहार अध्यक्ष डॉ. संजय यादव ने किया। उन्होंने कहा कि वित्त रहित शिक्षकों की सभी मांगें पूरी तरह जायज हैं। वर्षों से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाले शिक्षकों के साथ अब और अन्याय नहीं होना चाहिए। बिहार प्रभारी मोहम्मद अफरोज खान ने कहा कि वित्त रहित शिक्षा नीति की समाप्ति केवल शिक्षकों का मुद्दा नहीं, बल्कि बिहार की उच्च शिक्षा और लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा विषय है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वित्त रहित शिक्षकों की आवाज संसद तक मजबूती से पहुंचाई जाएगी और उनकी मांगों को पूरा कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

आंदोलन को बताया शिक्षक सम्मान का अभियान: बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश महासचिव एवं अररिया नगर परिषद के वार्ड संख्या-20 के पार्षद आबिद हुसैन अंसारी ने कहा कि अरवल से शुरू हुआ यह आंदोलन अब पूरे बिहार में शिक्षक सम्मान का व्यापक अभियान बन चुका है। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में मिल रहा जनसमर्थन इस बात का प्रमाण है कि वित्त रहित शिक्षक समाज अपने अधिकारों के लिए पूरी तरह एकजुट है। सीमांचल कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष मौलाना गुलाम रब्बानी ने सरकार से वित्त रहित शिक्षा नीति को तत्काल समाप्त करने और वित्त रहित शिक्षण संस्थानों का समायोजन करने की मांग की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को नियमित सम्मानजनक वेतनमान, सेवा सुरक्षा, पेंशन, कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया ज्ञापन: धरना-प्रदर्शन के बाद आंदोलनकारियों ने पदयात्रा करते हुए जिला समाहरणालय पहुंचकर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वित्त रहित शिक्षा नीति समाप्त करने, वित्त रहित शिक्षण संस्थानों के समायोजन तथा शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को नियमित वेतनमान, पेंशन, कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा एवं सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की गई।

नशा मुक्ति एवं युवा जागरूकता सेमिनार का आयोजन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय के राम कुमारी अयोध्या विधि महाविद्यालय (आरकेए लॉ कॉलेज) में आज माया कौशल्या के देखरेख में नशा मुक्ति एवं युवा जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना और उन्हें स्वस्थ, संस्कारित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्रभारी हेड मास्टर मुकेश कुमार और संचालन सामाजिक कार्यकर्ता सुमित कुमार ने किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ अधिवक्ता इजुर रहमान, बार काउंसिल ऑफ बिहार के सदस्य संजीव कुमार छोटे बाबू एवं वरिष्ठ अधिवक्ता वीरेंद्र कुमार थे। इस दौरान माया कौशल्या की ओर से सभी अतिथियों का सम्मान अंगवस्त्र और पौधा भेंट कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वकील इजुर रहमान ने कहा कि नशा युवाओं के भविष्य के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन चुका है। जब कोई युवा नशे की चपेट में आता है तो उसका दुष्प्रभाव केवल उसके परिवार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र की प्रगति प्रभावित होती है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि नशे से दूर रहकर परिवार, समाज और देश को मजबूत बनाने में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाएं।

छात्र-छात्राओं को नशामुक्त जीवन की शपथ दिलाई: इस दौरान बार काउंसिल ऑफ बिहार के सदस्य संजीव कुमार 'छोटे बाबू' ने छात्र-छात्राओं को नशामुक्त जीवन की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि नशा केवल शराब, तंबाकू या अन्य मादक पदार्थों तक सीमित नहीं है। बल्कि दूसरों को परेशान करना, किसी की संपत्ति पर अनुचित कब्जा करना, धन-वैभव का झूठा प्रदर्शन करना तथा अनैतिक कार्यों में लिप्त होना भी एक प्रकार का मानसिक और सामाजिक नशा है। उन्होंने अपील की कि हर प्रकार की बुराई और नशे से खुद को दूर रखें और समाज में सकारात्मक बदलाव के वाहक बनें। वकील वीरेंद्र कुमार ने कहा कि सभी छात्र-छात्रा को यह संकल्प लेना चाहिए कि आजीवन किसी भी प्रकार का नशा नहीं करेंगे। न ही किसी अन्य को इसके लिए प्रेरित करेंगे। क्योंकि नशामुक्त युवा ही सशक्त समाज और समृद्ध राष्ट्र की नींव होते हैं। अतिथियों का स्वागत करते हुए विषय प्रवेश माया कौशल्या के सचिव रौशन कुमार ने कराया। उन्होंने कहा कि सालों से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, युवा सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में लगातार काम कर रहे हैं। नशामुक्त समाज का निर्माण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है।

अंगिका भाषा की उपेक्षा और उसके संरक्षण-संवर्धन को लेकर बैठक

भागलपुर। भागलपुर में अंगिका भाषा की उपेक्षा और उसके संरक्षण-संवर्धन को लेकर भाषा प्रेमियों ने राज्य सरकार से उचित अधिकार देने की मांग उठाई है। मंगलवार को बैठक में वक्ताओं ने कहा कि अंगिका बिहार की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन सालों से इसकी लगातार अनदेखी की जा रही है।

बैठक को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त शिक्षाविद नरेंद्र ने कहा कि अंगिका पुराने अंग महाजनपद की भाषा है। उन्होंने कहा कि बुद्ध काल में बिहार के तीन प्रमुख महाजनपद अंग, मगध और वज्जि थे। वर्तमान में भागलपुर प्रमंडल सहित व्यापक क्षेत्र में अंगिका बोली जाती है, इसके बावजूद इस भाषा को शिक्षा और सरकारी स्तर पर अपेक्षित महत्व नहीं मिल रहा है। स्कूलों में अंगिका की पढ़ाई की व्यवस्था नहीं: उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार सरकार लगातार अंगिका की उपेक्षा कर रही है। स्कूलों में अंगिका की पढ़ाई की व्यवस्था नहीं है और न ही शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है। विश्वविद्यालय स्तर पर स्नातक (बीए) के पाठ्यक्रम में अंगिका शामिल है, लेकिन इसके अनुरूप शिक्षकों की बहाली नहीं होने से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही है।

हावड़ा-नटेसर-हावड़ा श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन का बरबीघा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

यात्रियों की सुविधा के लिए, 03001/03002 **हावड़ा-नटेसर-हावड़ा श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन** पूर्व मध्य रेलवे के **बरबीघा** स्टेशन पर तत्काल प्रभाव से निम्नलिखित समयसूची के अनुसार अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेगी: 03001 **हावड़ा-नटेसर श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन: आगमन:** 09.08 बजे, **प्रस्थान:** 09.10 बजे। 03002 **नटेसर-हावड़ा श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन: आगमन:** 15.10 बजे, **प्रस्थान:** 15.12 बजे।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

पूर्व रेलवे

एनआईटी सं.: 170_2026-27, दिनांक 09.07.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 (**वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा** के क्षेत्रधिकार हेतु) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/ एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैः **कार्य का विवरण** : एईएन/लिलुआ के कार्यक्षेत्र में तारकेश्वर स्टेशन में रिटायरिंग रूम के निर्माण के साथ अन्य सहायक कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 2,30,22,294.65, **बयाना राशि:** रु. 4,60,500/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य। **समापन अवधि :** 06 (छह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 31.07.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

HWH-207/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

जनता दरबार में सबसे ज्यादा पेंशन के आये मामले

गड़हनी। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए आवेदन करने के बाद भी सैकड़ों आवेदक प्रखंड कार्यालय का चक्कर काट रहे हैं। बीस सूत्री कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में सबसे ज्यादा मामले पेंशन से जुड़े सामने आए है। कई आवेदकों ने बीस सूत्री सदस्य के समक्ष अपनी परेशानी रखी। लंबित आवेदनों का जल्द निष्पादन कराने की मांग की। बीस सूत्री सदस्य सह जदयू नेता इमरान अहमद उर्फ सोनू ने सभी आवेदकों का आधार, ऑनलाइन रिसीविंग लेकर कहा कि वे इन सभी मामलों को सामाजिक सुरक्षा कार्यालय में रिसीव कराकर जल्द निष्पादन करवाएंगे। बगवां निवासी आदित्य कुमार सिंह, बहादुरपुर निवासी नागा राय, गड़हनी निवासी गणेश प्रसाद केशरी सहित कई आवेदकों ने बताया कि वे करीब एक साल से पेंशन के लिए आवेदन कर कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन कार्यालय में कभी कोई कागजात लाने को कहा जाता है। कभी दूसरा दस्तावेज जमा करने को कहा जाता है। सभी कागजात जमा करने के बाद भी पेंशन शुरू नहीं हो रही है। हर बार मिलता है एक ही जवाब, जिला मुख्यालय भेज दिया गया। आवेदकों का कहना है कि जब वे आवेदन की स्थिति जानने कार्यालय पहुंचते हैं, तो जवाब मिलता है कि प्रखंड स्तर से सब कुछ ठीक कर जिला कार्यालय भेज दिया गया है। इसके बाद मामला कहां और क्यों लंबित है, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिलती। जानकारी दी भी नहीं जाती। ऐसे में आवेदक कभी कार्यालय, कभी जनता दरबार का चक्कर लगाने को मजबूर हैं। गड़हनी प्रखंड के बगवां, बराप व बलिगांव में लगे सहयोग शिविर में भी आवेदक अपनी गुहार लगा चुके हैं। लेकिन कहीं भी सुनवाई नहीं हुई। सैकड़ों आवेदन लंबित, लाभ के इंतजार में आवेदक स्थानीय लोगों के अनुसार प्रखंड क्षेत्र में सामाजिक सुरक्षा पेंशन के सैकड़ों आवेदन लंबित पड़े हैं। सवाल यह है कि जब प्रखंड स्तर से आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर जिला भेजी जा चुकी है, तो पात्र आवेदकों को महीनों और सालभर बाद भी पेंशन का लाभ क्यों नहीं मिल रहा है। बीडीओ से पूछने पर भी कहा जाता है कि ठीक है। दिखवाते हैं। फिर भी कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जाता। सोमवार को सामाजिक सुरक्षा कार्यालय बंद रहता है। कई आवेदक कार्यालय बंद देखकर घर लौट गए। आवेदकों ने लंबित मामलों की जांच कर जल्द पेंशन स्वीकृत कराने की मांग की है।

संदेश सीडीपीओ कार्यालय में बायोमेट्रिक की होगी जांच

आरा। संदेश प्रखंड के बाल विकास परियोजना कार्यालय में कुव्यवस्था की शिकायत लगातार विभाग को मिल रही है। शिकायत यह भी है कि वहां कार्यरत बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) अक्सर अनुपस्थित रहती हैं। इन कारणों के मद्देनजर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी कार्यालय संदेश के बाल विकास परियोजना कार्यालय में उपस्थिति-अनुपस्थिति की जांच के लिए बायोमेट्रिक सिस्टम की जांच कराएगा। इस बारे में पूछने पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने बताया कि बाल विकास परियोजना पदाधिकारी के वहां अनुपस्थित रहने की शिकायत मिली थी।

कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई

आरा। राजकीय गुरुनानक अभ्यासार्थ मध्य विद्यालय, मौलाबाग में 13 जुलाई 2026 को एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महिला थाना, भोजपुर की टीम ने शिरकत की। छात्र-छात्राओं को अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। कानूनी अधिकारों व सशक्तिकरण की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को महिला सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। बच्चों व महिलाओं से संबंधित विभिन्न कानूनी अधिकारों की जानकारी भी दी गई। इससे वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें। आवश्यकता पड़ने पर उनका उपयोग भी कर सकें। बढ़ते डिजिटल युग के खतरों को देखते हुए पुलिस टीम ने छात्रों को साइबर अपराधों से बचाव के गुर सिखाए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करते समय बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई। इंटरनेट के सकारात्मक, जिम्मेदार उपयोग के लिए छात्रों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में पुलिस टीम ने किसी भी आपात स्थिति या साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत सहायता प्राप्त करने को पुलिस हेल्पलाइन व साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 का उपयोग करने की सलाह दी। अधिकारियों ने कहा वे स्वयं जागरूक बनें।

जर्जर स्कूल भवनों में नहीं बैठेंगे बच्चे

आरा। भोजपुर जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले नौनिहालों की सुरक्षा को लेकर शिक्षा विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ. मानवेंद्र कुमार राय ने जिले के सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों (बीईओ) और अवर विद्यालय निरीक्षकों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने प्रखंड अंतर्गत आने वाले अत्यधिक जर्जर विद्यालय भवनों और वर्ग कक्षों की सूची मांगी है। जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, सभी अधिकारियों को दो दिनों के भीतर अपने-अपने क्षेत्रों के जर्जर स्कूलों का भौतिक निरीक्षण करना होगा। उन्हें पूरी रिपोर्ट और सूची जिला कार्यालय को निश्चित रूप से उपलब्ध करानी होगी। जिला शिक्षा पदाधिकारी मानवेंद्र कुमार राय ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि जिन विद्यालयों के भवन पूर्णतः जर्जर स्थिति में हैं, वहां किसी भी परिस्थिति में कक्षाएं संचालित नहीं की जाएंगी। जिन विद्यालयों के एक या एक से अधिक वर्ग कक्ष अत्यधिक जर्जर हैं, वहां भी शिक्षण कार्य नहीं होगा। ऐसे कक्ष शिक्षण कार्य के लिए बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं हैं। सुरक्षा के लिहाज से अत्यधिक जर्जर भवन वाले स्कूलों को तत्काल प्रभाव से नजदीकी चालू, सुरक्षित विद्यालय भवनों में शिफ्ट किया जाएगा। इसके अलावा, जिन स्कूलों के कुछ ही कमरे जर्जर हैं, वहां बच्चों का संचालन उसी विद्यालय के अन्य सुरक्षित कमरों में कराने के निर्देश दिए गए हैं। शिक्षा विभाग ने फॉर्मेट में मांगी पूरी जानकारी विभाग द्वारा जारी प्रपत्र के अनुसार, अधिकारियों को स्कूल का नाम, यू-डायस कोड, पंचायत, भवन की वास्तविक स्थिति (पूर्णतः जर्जर या आंशिक) और जर्जर वर्ग कक्षों की संख्या देनी होगी। उन्हें वर्तमान वैकल्पिक व्यवस्था की जानकारी भी देनी होगी। भवन के उपयोग हेतु सुरक्षित या असुरक्षित होने संबंधी स्पष्ट टिप्पणी भी देनी होगी। इसके अलावा, जर्जर भवन या वर्ग कक्ष की स्पष्ट रंगीन फोटो संलग्न करनी होगी। संबंधित प्रधानाध्यापक का नाम और मोबाइल नंबर भी रिपोर्ट में संलग्न करना अनिवार्य किया गया है। डीईओ ने चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है। इस कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला समन्वय समिति की बैठक में डीएम ने इटाढ़ी सीओ से मांगा जवाब

बक्सर। सोमवार को डीएम साहिला ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सभाकक्ष में जिला समन्वय समिति की बैठक की। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा की गई। डीएम ने अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में इटाढ़ी अंचल के सीओ के अनुपस्थित रहने पर डीएम ने कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार आयोजित होने वाले सहयोग शिविर की तैयारियों की समीक्षा की गई। विशेष कार्य पदाधिकारी को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही सहयोग पोर्टल पर लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन करने को कहा गया। डीएम ने बक्सर नगर परिषद क्षेत्र में गोलंबर के समीप नाला और सड़क निर्माण के लिए एनएचएआई को संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर कार्य कराने का निर्देश दिया। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान गुरुकुल विद्यापीठ निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने हेतु जिला शिक्षा पदाधिकारी को विकास शाखा से समन्वय करने को कहा गया। बैठक में डिग्री कॉलेज के छात्र-छात्राओं के आवागमन के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी को बस उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्धारित मार्गों का रूट चार्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया। कॉलेज के उद्घाटन से पूर्व सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश भी दिए गए। समीक्षा के दौरान छात्राओं के नामांकन की प्रगति संतोषजनक नहीं मिलने पर डीएम ने इसमें तेजी लाने को कहा। सभी पीएम श्री विद्यालयों का जिला स्तरीय अधिकारियों से नियमित निरीक्षण कराने का निर्देश दिया गया। शिक्षक-अभिभावक बैठक में वरीय अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। प्रत्येक निरीक्षण के दौरान कम से कम एक कक्षा लेने और विद्यार्थियों से संवाद करने का निर्देश दिया गया।

पूर्वी रेलवे गुमटी खोलने के लिए अनिश्चितकालीन धरना

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर में पूर्वी रेलवे गुमटी को दोबारा खोलने की मांग को लेकर सोमवार से अनिश्चितकालीन धरना शुरू हो गया है। जिला दलित अति पिछड़ा स्वाभिमान संघर्ष मोर्चा के जिला संयोजक सरोज राजभर ने बंद पूर्वी रेलवे गुमटी के समीप यह धरना शुरू किया। इस दौरान संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद रहे, जिन्होंने प्रशासन और रेलवे के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द समाधान की मांग की। धरने को संबोधित करते हुए सरोज राजभर ने बताया कि संगठन ने 6 जुलाई को ही जिलाधिकारी, स्टेशन अधीक्षक, मंडल रेल प्रबंधक दानापुर और अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर को प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन की सूचना दे दी थी। उस समय जिला प्रशासन और रेलवे प्रशासन ने समस्या के समाधान के लिए चार से पांच दिनों का समय मांगा था, जिसके बाद संगठन ने अपना आंदोलन स्थगित कर दिया था।

गुमटी नहीं खोलने पर अनिश्चितकालीन धरना किया शुरूः राजभर ने आरोप लगाया कि प्रशासन द्वारा मांगी गई समय-सीमा समाप्त होने के बावजूद पूर्वी रेलवे गुमटी को नहीं खोला गया। लगभग एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी कोई ठोस पहल न होने पर संगठन ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सोमवार से अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही गुमटी नहीं खोली गई, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा और रेल चक्का जाम जैसे बड़े आंदोलन का भी निर्णय लिया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और रेलवे प्रशासन की होगी।

हजारों लोगों को हो रही परेशानीः उन्होंने कहा कि पूर्वी रेलवे गुमटी बंद होने से प्रतिदिन हजारों लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं, मरीजों, बुजुर्गों, व्यवसायियों और आम नागरिकों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे उनका समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहा है। राजभर ने प्रशासन और रेलवे अधिकारियों से जनहित को प्राथमिकता देते हुए तत्काल पूर्वी रेलवे गुमटी खोलने की मांग की, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके और आंदोलन समाप्त हो सके। धरने को राम चीज प्रजापति, कृष्णावती देवी, रमाकांत चंद्रवंशी, राम इकबाल ठाकुर, मुन्ना ओझा, अजीत सिंह, लाल बिहारी, सुनीता देवी, राष्ट्रपति राय, अजीत कुमार, सिपाही, बीरबल रजक और गुड्डु शर्मा सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि जब तक पूर्वी रेलवे गुमटी नहीं खोली जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

सामान्य से 53.66% कम हुई बारिश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। जिले में कमजोर मानसून ने खरीफ फसल की रीढ़ माने जाने वाले धान की रोपनी की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। आषाढ़ बीतने को है और सावन सिर पर है, लेकिन आसमान में उमड़-घुमड़ रहे बादल बक्सर के किसानों को सिर्फ तरसा कर निकल जा रहे हैं। हालत यह है कि जुलाई का आधा महीना बीतने को है और जिले में लक्ष्य के मुकाबले महज 7.76 प्रतिशत हिस्से में ही धान की रोपनी हो सकी है। खेतों में बिचड़ा (पौध) तैयार होकर बूढ़ा हो रहा है, लेकिन पानी की कमी से किसान धान रोपने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। जिला कृषि विभाग से प्राप्त आंकड़े के अनुसार इस बार मानसून किसानों से रूठा हुआ है। जिले में जुलाई महीने का सामान्य वर्षापात 277.20 एमएम है। वहीं, 13 जुलाई तक नियमानुसार 116.25 एमएम बारिश हो जानी चाहिए थी। इसके विपरीत जिले में अब तक महज 53.86 एमएम बारिश ही रिकॉर्ड की गई है। यह आंकड़ा सामान्य से 53.66 प्रतिशत कम है। जिले के किसान आज भी अच्छी बारिश के लिए आकाश की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं। पंपसेटों का सहारा ले रहे किसान कृषि वैज्ञानिक डॉ राम केवल के मुताबिक धान का बिचड़ा 21 से 25 दिनों के भीतर रोपे जाने पर पैदावार अच्छी होती है। इससे ज्यादा दिन होने पर बिचड़ा बूढ़ा होने लगता है, जिससे कल्ले कम फूटते हैं और उत्पादन गिर जाता है। बक्सर के किसान अब बिचड़े को बचाने और जैसे-तैसे रोपनी करने के लिए डीजल व बिजली आधारित पंपसेटों का सहारा ले रहे हैं, जिससे खेती की लागत बढ़ सकती है।

छात्रों ने किया बिहार व पटना संग्रहालय का शैक्षणिक भ्रमण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। बच्चों में व्यावहारिक और गतिविधि-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्नीपथ फाउंडेशन के प्रमुख कार्यक्रम "शिक्षा सेतु" के अंतर्गत एक विशेष शैक्षणिक भ्रमण का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत चयनित विद्यार्थियों को राजधानी पटना स्थित बिहार संग्रहालय (बिहार म्यूजियम) एवं पटना संग्रहालय का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। संस्था का यह प्रयास मुख्य रूप से एक्सपीरिएंशियल लर्निंग (व्यावहारिक ज्ञान), एक्टिविटी-बेस्ड लर्निंग (गतिविधि-आधारित शिक्षा) और पीयर लर्निंग (सहपाठियों संग सीखना) के माध्यम से विद्यालयी शिक्षा में मौजूद लर्निंग गैप को कम कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना है। इस शैक्षणिक भ्रमण में रेज़िडेंशियल सेंट्रल पब्लिक स्कूल (बाबुरा एवं गजराजगंज शाखा) तथा रेज़िडेंशियल प्रतियोगिता पब्लिक स्कूल (कोइलवर) के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

उत्पाद विभाग की गाड़ी से 3 छात्राएं घायल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर के चौसा क्षेत्र में सोमवार रात उत्पाद विभाग की एक गाड़ी की टक्कर से तीन किशोरियां घायल हो गईं। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तीनों घायल लड़कियों को चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के दौरान कविता पांडेय के एक हाथ में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई, जबकि दो अन्य युवतियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह घटना चौसा स्थित संतोषी मां मंदिर के पास हुई। मुफस्सिल थाना क्षेत्र की स्नेहा पांडेय (15), कविता पांडेय (18) और प्रतिज्ञा पांडेय (16) सोमवार रात चौसा दुर्गा मंदिर से बाजार होते हुए अपने घर लौट रही थीं।

टक्कर से गाड़ी का साइड मिरर टूटकर गिराः इसी दौरान बक्सर की ओर जा रही उत्पाद विभाग की तेज रफ्तार अनियंत्रित गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी का साइड मिरर टूटकर सड़क पर गिर गया और तीनों युवतियां घायल होकर सड़क पर गिर पड़ीं। घायल प्रतिज्ञा पांडेय के पिता महेंद्र पांडेय ने आरोप लगाया कि गाड़ी चालक ने दुर्घटना के बाद रुककर घायलों की मदद करने के बजाय मौके से भाग जाना उचित समझा। उन्होंने बताया कि हादसे में एक लड़की का हाथ और दूसरी का पैर टूट गया है। स्थानीय लोगों ने गाड़ी की पहचान कर ली है।

उत्पाद विभाग की गाड़ी से दूसरी बड़ी घटनाः इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में उत्पाद विभाग के प्रति नाराजगी देखी गई। लोगों का कहना है कि चौसा चेक पोस्ट पर तैनात उत्पाद विभाग की गाड़ी से जुड़ी यह एक महीने के भीतर दूसरी बड़ी दुर्घटना है। आरोप है कि इससे पहले भी तस्करों का पीछा करते समय इसी गाड़ी की टक्कर से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसमें अशोक साह का हाथ फ्रैक्चर हो गया था। परिजनों का आरोप है कि उस समय भी पीड़ित पक्ष पर मामला दर्ज नहीं कराने का दबाव बनाया गया था। इस संबंध में उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आया है। उन्होंने कहा कि संबंधित प्रभारी से पूरे मामले की जानकारी ली गई है। प्रथम दृष्टया लापरवाही सामने आने पर चालक को ड्यूटी से हटा दिया गया है। मामले की जांच कराई जा रही है तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूलों में 30 सितंबर तक 'एक पेड़ मां के नाम-3.0' अभियान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। शिक्षा विभाग के निर्देश पर जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में 30 सितंबर तक 'एक पेड़ मां के नाम-3.0' अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत विद्यार्थियों को पौधरोपण के साथ पर्यावरण संरक्षण, जल बचत, ऊर्जा संरक्षण और स्वच्छ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया जाएगा। बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य परियोजना निदेशक नवीन कुमार ने इस संबंध में सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बक्सर के सभी विद्यालयों को अभियान का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। अभियान के तहत विद्यालय परिसर, घर और सार्वजनिक स्थलों पर पौधरोपण कराया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि केवल पौधे लगाना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी विद्यार्थियों को सौंपी जाएगी। इससे बच्चों में प्रकृति के प्रति लगाव और पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित होगी। विद्यालयों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उन्हें जीवित रखने के लिए विशेष प्रयास करने को कहा गया है। अभियान के दौरान विद्यालयों में जल संरक्षण के लिए वाटर ऑडिट, पानी के रिसाव की जांच, जागरूकता रैली तथा जल बचाने से संबंधित गतिविधियां आयोजित होंगी।

भरत तिवारी एनकाउंटर, जज से बोला भाई- पुलिसकर्मी को फांसी हो

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर के बिलौटी गांव में 17 जून को हुए भरत भूषण तिवारी के एनकाउंटर मामले की न्यायिक जांच जारी है। मंगलवार को ग्रामीण ललिता देवी और भरत तिवारी के भाई चंदन न्यायिक जांच आयोग कार्यालय पहुंचे। जहां आयोग के अध्यक्ष हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज विनोद कुमार सिन्हा के सामने अपना पक्ष रखा। भाई चंदन ने कहा है कि मैंने जज को बताया है कि सरेंडर करने के बाद भी पुलिस ने मेरे भाई भरत को गोली मार दी। मैंने कहा है कि जल्द से पुलिस वालों को गिरफ्तार करके उन्हें फांसी दी जाए। अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ज्वाइनिया गांव की विस्थापित ग्रामीण महिल प्रत्यक्षदर्शी ललिता देवी ने कहा है कि मैंने जज से कहा है कि पुलिसकर्मी ने भरत तिवारी की हत्या की है। मैंने अपनी आंख के सामने मर्डर होते हुए देखा था। पिस्टल फेंकने के बाद पीछे से तीन गोली मारी गई थी। मैंने जज से कहा है कि इंसाफ मिलना चाहिए। भरत तिवारी हमारे लिए भगवान था। वो हमारी मदद करता था।

घटनाक्रम की पूरी कड़ी जोड़ रहा आयोगः इस मामले में अब तक कई परिजनों, ग्रामीणों और अन्य संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। मंगलवार को भी गवाहों से घटना के समय की परिस्थितियों, पुलिस कार्रवाई और घटनास्थल से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी ली गई। आयोग क्रमवार सभी पक्षों की बात सुनकर घटनाक्रम की पूरी कड़ी जोड़ने में जुटा है, ताकि जांच निष्पक्ष और तथ्यों के आधार पर पूरी की जा सके।

सुरक्षा के कड़े इंतजामः सुनवाई को लेकर आयोग कार्यालय परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। आयोग कार्यालय में प्रवेश करने वाले सभी लोगों की निगरानी की गई और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा।

वाहन चोर गिरोह का खुलासा, तीन अरेस्ट

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले की जगदीशपुर थाना पुलिस ने वाहन चोर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिल बरामद की है। जांच में यह सामने आया कि आरोपी चोरी की बाइकों पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर इस्तेमाल करते थे, ताकि पुलिस की नजर से बच सके। प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तियर थाना क्षेत्र के अंगरुआ गांव निवासी मोहित कुमार, जगदीशपुर के बथान निवासी पंकज कुमार और जयप्रकाश कुमार के रूप में हुई है। तीनों से पूछताछ के आधार पर पुलिस गिरोह के नेटवर्क और चोरी की अन्य वारदातों की भी जांच कर रही है।

घेराबंदी कर टीम ने पकड़ाः एसपी राज ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बिहिया की ओर से चोरी की मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्ध युवक नयका टोला, जगदीशपुर की ओर आने वाले हैं। सूचना का सत्यापन करने के बाद पुलिस ने नयका टोला ओवरब्रिज के पास वाहन जांच अभियान शुरू किया। इसी दौरान बिहिया की ओर से आ रही एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोकने का प्रयास किया गया।

असंतुलित उर्वरकों से घट रही मिट्टी की उर्वरा शक्ति

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। कृषि विज्ञान केंद्र, लालगंज, बक्सर में सोमवार को खाद-बीज (उपादान) विक्रेताओं के लिए समेकित पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर 15 दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के निर्देशन में आयोजित विशेष प्रशिक्षण 29 जुलाई 2026 तक चलेगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विक्रेताओं को खाद एवं उर्वरकों की तकनीकी जानकारी देना है, ताकि वे किसानों को सही सलाह दे सकें और मिट्टी व पानी को प्रदूषण से बचाया जा सके। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला कृषि पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार और कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक सह प्रमुख डॉ देवकरन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए डॉ देवकरन ने कहा कि बढ़ती आबादी और घटते खेतों के बीच प्राकृतिक संसाधनों का दोहन बढ़ा है। अज्ञानतावश खेतों में रसायनों और उर्वरकों का अंधाधुंध प्रयोग हो रहा है, जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति घट रही है। इसे टिकाऊ बनाए रखने के लिए पौधों के पोषक तत्वों का एकीकृत प्रबंधन और संतुलित प्रयोग बेहद जरूरी है। पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ रामकेवल ने बताया कि इस 15 दिवसीय प्रशिक्षण में बक्सर, सिमरी, डुमराव, राजपुर, चक्की, ब्रह्मपुर और चौसा आदि प्रखंडों से कुल 40 लोग भाग ले रहे हैं, जिनमें 6 महिलाएं भी शामिल हैं। प्रशिक्षण के दौरान कुल 42 सैद्धांतिक और 8 प्रयोगात्मक व्याख्यान होंगे। इसमें कृषि विज्ञान केंद्र, आईसीएआर-आरसीईआर पटना और वीर कुंवर सिंह कृषि महाविद्यालय, डुमरांव के अनुभवी वैज्ञानिक जानकारी देंगे। इसके साथ ही प्रतिभागियों का कौशल विकास और क्षेत्र भ्रमण भी कराया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ रामकेवल ने और धन्यवाद ज्ञापन हरिगोविंद ने दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में केविके के रवि चटर्जी, राकेश मणि, आरिफ परवेज, सरफराज अहमद खान और राजेश कुमार राय आदि ने सक्रिय सहयोग दिया। विक्रेताओं को पोषक तत्वों की जानकारी होना आवश्यक जिला कृषि पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की सही जानकारी सिर्फ किसानों को ही नहीं, बल्कि जिले के सभी उपादान विक्रेताओं को भी होनी चाहिए। जब विक्रेता जागरूक होंगे, तो किसान समय पर सही और संतुलित मात्रा में खाद का प्रयोग करेंगे। इससे किसानों की लागत घटेगी, उपज बढ़ेगी और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होगी। केंद्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ हरिगोविंद ने प्रतिभागियों को जैविक व प्राकृतिक खेती के माध्यम से मृदा (मिट्टी) स्वास्थ्य सुधारने के तरीके बताए। उन्होंने हरी खाद और जैव उर्वरक के प्रयोग पर विशेष बल दिया।

संक्षिप्त समाचार

महिला होमगार्ड जवान से मारपीट मामले में ट्रेनर गिरफ्तार, लव मैरिज के बाद साथ रहने से की मना

हाजीपुर। वैशाली के गोरौल थाना क्षेत्र में महिला होमगार्ड जवान के साथ मारपीट और उसे बंधक बनाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने मुख्य आरोपी फिजिकल ट्रेनर सुबोध पासवान को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में यह सामने आया कि आरोपी सुबोध पासवान महिला होमगार्ड जवान से शादी किए हुए था। लेकिन होमगार्ड जवान उसके साथ नहीं रहना चाह रही थी। इसलिए आरोपी उसे जबरन अपने घर ले गया था। महुआ एसडीपीओ संजीव कुमार ने बताया कि 3 दिन पहले गोरौल थाना और डायल 112 को सूचना मिली थी कि सुबोध पासवान एक महिला को जबरदस्ती अपने घर में बंधक बनाकर रखे हुए है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लड़की को रेस्क्यू कर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। बाद में पीड़िता का बयान दर्ज कर केस दर्ज किया गया। महिला होमगार्ड जवान ने थाने में दी गई प्राथमिकी में बताया कि 10 जुलाई की शाम वह अपनी बहन के साथ बेलवर बाजार से सब्जी लेकर साइकिल से घर लौट रही थी। मछु पासवान के घर के पास अंधेरे में सुबोध कुमार और टुनटुन पासवान पिता गनौर महतो पहले से खड़े थे। आरोप है कि दोनों ने उसका बाल पकड़कर साइकिल सहित नीचे गिरा दिया। सुबोध ने पीठ पर जोर से मारा और साइकिल उठाकर उस पर दे मारी। बीच-बचाव करने आए दादा जी को भी सुबोध ने धक्का देकर गिरा दिया और धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि इसके बाद मछु पासवान, बृजकिशोर पासवान पिता ननपत पासवान, सुबोध की पत्नी और मां अकली देवी भी आ गईं। सभी ने मिलकर उसे मारते-पीटते और बाल पकड़कर घसीटते हुए अपने घर ले गए। घर के पास वह बेहोश हो गई। होश आने पर वह सुबोध के घर में थी। इसी बीच उसकी बहन ने परिजनों को बुलाया और मां ने डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस के पहुंचने पर उसकी जान बच सकी। पीड़िता को पहले पीएचसी गोरौल ले जाया गया, हालत गंभीर होने पर उसे सदर अस्पताल रेफर किया गया। रविवार को उसने थाने में जाकर बयान दर्ज कराया। बयान और जांच में यह बात भी सामने आई है कि सुबोध पासवान पहले से शादीशुदा है। इसके बावजूद वह पीड़िता से प्रेम विवाह किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बाबा रामदेव के खिलाफ मुजफ्फरपुर कोर्ट में परिवाद, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप

मुजफ्फरपुर। योग गुरु बाबा रामदेव उर्फ रामकृष्ण यादव के खिलाफ मुजफ्फरपुर व्यवहार न्यायालय में एक परिवाद दायर किया गया है। यह परिवाद हक-ए-हिंदुस्तान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तमन्ना हाशमी ने दायर किया है। परिवाद में आरोप लगाया गया है कि 13 जुलाई 2026 की रात बाबा रामदेव का एक बयान टीवी पर प्रसारित हुआ था। इस बयान में उन्होंने कहा था कि मुसलमानों का मूल भी हिंदुओं से है और सबका बाप एक है। परिवादी तमन्ना हाशमी का आरोप है कि इस बयान से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और समाज में धार्मिक उन्माद फैलने की आशंका है। इस परिवाद में बाबा रामदेव उर्फ रामकृष्ण यादव को आरोपी बनाया गया है। परिवादी ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 299 और 302 के तहत कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने न्यायालय से मामले का संज्ञान लेने और विधिसम्मत कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। यह परिवाद भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 212 के तहत दायर किया गया है। न्यायालय ने परिवाद स्वीकार कर लिया है और मामले की अगली सुनवाई 21 जुलाई को निर्धारित की है।

नेपाल में बारिश से उफान पर बागमती, कटरा पीपा पुल डूबा, 22 पंचायतों का संपर्क प्रभावित

मुजफ्फरपुर। नेपाल में लगातार हो रही बारिश का असर अब मुजफ्फरपुर में साफ दिखने लगा है। बागमती नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे औराई को कटरा प्रखंड से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण कटरा पीपा पुल पूरी तरह डूब गया है। पुल के डूबने से कटरा और आसपास की 16 से 22 पंचायतों के हजारों लोगों का प्रखंड मुख्यालय से संपर्क प्रभावित हो गया है। अब लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए 15 से 40 किलोमीटर तक अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। जल संसाधन विभाग के अनुसार सोमवार रात 8 बजे तक बागमती नदी का जलस्तर प्रति घंटे करीब 10 सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रहा था। मंगलवार सुबह तक नदी का जलस्तर खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच गया। विभाग ने आशंका जताई है कि अगर यही स्थिति बनी रही तो नदी खतरे का निशान पार कर सकती है, जिससे कटरा प्रखंड के निचले इलाकों और कई गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश करने की संभावना बढ़ जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि पीपा पुल बंद होने से सबसे अधिक परेशानी छात्रों, मरीजों और रोजमर्रा के काम से आने-जाने वाले लोगों को हो रही है। यह पुल क्षेत्र के हजारों लोगों के लिए आवागमन का प्रमुख साधन है। इधर, जिले में मानसून भी पूरी तरह सक्रिय है। सोमवार को दिनभर बादलों और धूप की आंख-मिचौनी के बीच उमस बनी रही। देर शाम मौसम ने अचानक करवट ली और तेज हवा के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। किसानों के लिए भी यह बारिश फायदेमंद मानी जा रही है, क्योंकि धान समेत खरीफ फसलों के लिए पर्याप्त नमी मिल रही है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में जिले में 14.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। मानसून ट्रफ और चक्रवाती परिसंचरण के सक्रिय रहने के कारण अगले 24 घंटे के दौरान जिले में कई स्थानों पर झमाझम बारिश, मेघ गर्जन, वज्रपात और 65 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने तथा अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने की अपील की है।

थाने के बाहर पति-पत्नी और साले के बीच मारपीट, एक-दूसरे को चप्पल और घूंसे से मारा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के मोतीपुर थाना के बाहर पति-पत्नी और साले के बीच मारपीट हो गई। जिसका वीडियो भी सामने आया है। देखा जा सकता है कि महिला अपने पति को चप्पल से पीटती नजर आ रही है। दोनों पक्षों से धक्का-मुक्की हो रही। घूंसे भी चल रहे हैं। जानकारी के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पहले से पारिवारिक विवाद चल रहा है और मामला फैमिली कोर्ट में विचाराधीन है। इसी विवाद को लेकर सोमवार को मोतीपुर थाना के सामने दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए, जिसके बाद विवाद मारपीट में बदल गया। महिला के भाई विनोद मिश्रा, निवासी माहवाल (मोतीपुर), ने बताया कि करीब 10 साल पहले बहन राजकुमारी की शादी करजा थाना क्षेत्र के बड़कागांव निवासी अनिल तिवारी से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से अनिल शराब के नशे में पत्नी के साथ अक्सर मारपीट करता था। एक बार उसकी हत्या की कोशिश भी की गई थी, लेकिन आसपास के लोगों ने बचा लिया। इसके बाद बहन को मायके लाकर रखा गया। विनोद मिश्रा का आरोप है कि अनिल तिवारी कई बार चोरी-छिपे उनकी बहन को ले जाने की कोशिश करता था। कभी घर के पीछे से पहुंचता तो कभी अन्य लोगों को भेजकर धमकी दिलवाता था। बीती रात भी वह घर पहुंचा और जान से मारने की धमकी दी। सोमवार को उसने फोन कर मोतीपुर थाना के पास बुलाया। इसके बाद वे लोग डायल-112 पुलिस टीम की मौजूदगी में वहां पहुंचे। बातचीत के दौरान अनिल ने कथित रूप से हाथापाई शुरू कर दी, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट हो गई। इधर, मोतीपुर थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। दोनों पक्षों के बीच पहले से फैमिली कोर्ट में विवाद चल रहा है। उसी मामले को लेकर थाना के बाहर कहासुनी के बाद मारपीट हुई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

70वीं बीपीएससी के 225 सफल अभ्यर्थियों का सम्मान, अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने जनसेवा और ईमानदारी का दिया संदेश

♦ बोले— बीपीएससी सिर्फ परीक्षा नहीं, समाज सेवा का माध्यम; संविधान के मूल्यों और जनहित को सर्वोपरि रखने का किया आह्वान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। बिहार विधान सभा के विस्तारित भवन स्थित 300 क्षमता वाले सभागार में सशक्त भारत मंच द्वारा आयोजित 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा में सफल 225 अभ्यर्थियों के सम्मान समारोह में बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों को सम्मानित करते हुए उन्हें जनसेवा, ईमानदारी और संवैधानिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। अपने संबोधन में डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बीपीएससी की परीक्षा केवल एक प्रतियोगी परीक्षा नहीं, बल्कि समाज और राज्य की सेवा का द्वार है। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, आत्मविश्वास और धैर्य के बल पर मिली यह सफलता लाखों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। अब चयनित अभ्यर्थी ऐसे दायित्वपूर्ण पदों पर कार्य करेंगे, जहां उनके प्रत्येक निर्णय का प्रभाव समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा। इसलिए उनका चरित्र, ईमानदारी, संवेदनशीलता और कार्यकुशलता ही उनकी सबसे बड़ी पहचान होगी।

उन्होंने सभी नवचयनित अधिकारियों से संविधान के मूल्यों, विधि के शासन और जनहित को सर्वोपरि रखने का आग्रह करते हुए कहा कि संविधान न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का मार्ग दिखाता है। एक लोकसेवक का पहला दायित्व इन आदर्शों को व्यवहार में उतारना है।

उन्होंने कहा कि प्रशासन केवल नियमों का पालन कराने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास को मजबूत करने की जिम्मेदारी भी है। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की पंक्ति— "मानव जब जोर लगाता है, पत्थर पानी बन जाता है"— का उल्लेख करते हुए डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि सभी अधिकारी वर्ष 2047 तक विकसित भारत और विकसित बिहार के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि बिहार आज विकास, सुशासन, आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है और इस परिवर्तन यात्रा में युवा अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि किसी अधिकारी की सबसे बड़ी शक्ति उसका पद नहीं, बल्कि उसकी निष्पक्षता, ईमानदारी और जनसेवा का भाव होता है। प्रशासन का अंतिम उद्देश्य आम नागरिक के जीवन को सरल, सुरक्षित और सम्मानजनक बनाना होना चाहिए।

समारोह को संबोधित करते हुए बिहार विधान परिषद के उपसभापति डॉ. रामवचन राय ने चयनित अभ्यर्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उच्च नैतिक मूल्यों के साथ सेवा करने की प्रेरणा दी। पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने कहा कि कर्तव्य का सम्यक निर्वहन ही एक लोकसेवक का धर्म है। उन्होंने अभ्यर्थियों से देश की आजादी की शताब्दी तक विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

बिहार विधान सभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव ने अपने संबोधन में कहा कि कर्म को पूजा मानते हुए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सदैव सेवक की भावना से कार्य करना ही एक सच्चे लोकसेवक की पहचान है। इस अवसर पर पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, बिहार विधान परिषद के उपसभापति डॉ. रामवचन राय, बिहार विधान सभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव, सशक्त भारत मंच के राष्ट्रीय संयोजक निपुण आलमबायन सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महायोगी गुरु गोरक्षनाथ स्मृति अंतरराष्ट्रीय संस्कृत शिक्षण एवं संभाषण शिविर का भव्य शुभारंभ

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। बिहार संस्कृत संजीवन समाज, पटना के तत्वावधान में 'आधुनिको भव, संस्कृतं वद' अभियान के अंतर्गत आयोजित महायोगी गुरु गोरक्षनाथ स्मृति दस दिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय संस्कृत शिक्षण एवं संभाषण शिविर का मंगलवार को संस्कृतमय वातावरण में भव्य शुभारंभ हुआ। यह संस्था द्वारा आयोजित लगातार 46वां संस्कृत शिक्षण एवं संभाषण शिविर है, जिसमें देश-विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के प्राचार्यों, आचार्यों, शिक्षकों और संस्कृत अनुरागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अभियान के प्रधान संरक्षक एवं पूर्व गृह सचिव डॉ. अनिल कुमार सिंह ने कहा कि महायोगी गुरु

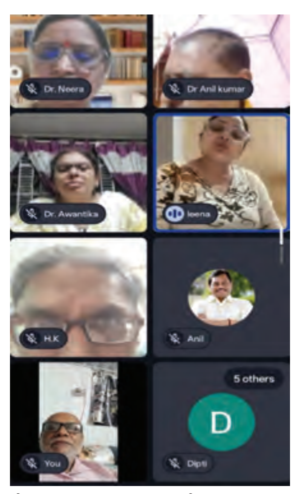

गोरक्षनाथ नाथ संप्रदाय के संस्थापक, महान हठयोगी, सनातन संस्कृति के संरक्षक तथा मानवीय संवेदनाओं को महत्व देने वाले महान संत थे। उन्होंने कहा कि गोरक्षनाथ का जीवन और दर्शन आज भी समाज को नई दिशा प्रदान करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए 'आधुनिको भव, संस्कृतं वद' अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार संस्कृत संजीवन समाज, पटना के महासचिव डॉ. मुकेश कुमार ओझा ने कहा कि महायोगी गोरक्षनाथ ने अपने ग्रंथों में योग के माध्यम से निरोग जीवन का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरक्षनाथ के साहित्य और विचारों का अध्ययन वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक है तथा समाज को उनके संदेशों को आत्मसात करना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बी.डी. महाविद्यालय के पालि विभागाध्यक्ष प्रो. एच. के. सिंह सहित विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिल कुमार चौबे, डॉ. अवंतिका कुमारी, डॉ. दीप्ति कुमारी, डॉ. नीरा कुमारी, अभियान के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उग्र नारायण झा, डॉ. लीना चौहान, डॉ. रागनी कुमारी,

'आधुनिको भव, संस्कृतं वद' अभियान के तहत दस दिवसीय ऑनलाइन शिविर शुरू, देश-विदेश के शिक्षाविदों और संस्कृत प्रेमियों की सहभागिता

तारा विश्वकर्मा, देवेश प्रकाश, डॉ. विश्वजीत रुद्रपाल, दयानी शारदेय, डॉ. डिम्पल, बीजेन्द्र सिंह विष्ट, उमा हेनोते एवं वंदना पटेरिया सहित अन्य वक्ताओं ने महायोगी गुरु गोरक्षनाथ के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए संस्कृत भाषा के संरक्षण और प्रचार-प्रसार पर बल दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंगलाचरण से हुआ, जिसे उग्र नारायण झा ने प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. लीना चौहान ने किया, जबकि डॉ. नीरा कुमारी ने ऐक्य मंत्र का वाचन कर कार्यक्रम का समापन कराया।

बांकीपुर उपचुनाव- तेजप्रताप की कैंडिडेट वीणा मानवी का नॉमिनेशन रद्द

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना की बांकीपुर सीट पर तेजप्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल (JJD) की उम्मीदवार वीणा मानवी का नामांकन रद्द हो गया है। जिला निर्वाचन कार्यालय के मुताबिक, वीणा मानवी के नामांकन में 10 प्रस्तावक चाहिए थे, लेकिन सिर्फ 9 प्रस्तावक ही पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि प्रस्तावकों की निर्धारित संख्या पूरी नहीं होने के कारण उनका नामांकन रद्द किया गया।

इसके अलावा उनके कई दस्तावेजों में भी त्रुटियां पाई गई हैं। वीणा मानवी का नामांकन रद्द होने की जानकारी मिलते ही तेजप्रताप यादव पटना कलेक्ट्रेट पहुंचे हैं। बता दें कि बांकीपुर सीट पर उपचुनाव के लिए कुल 57 लोगों ने नामांकन किया था। इनमें निर्दलीय उम्मीदवार प्रिय किन्नर समेत 18 उम्मीदवारों के

नामांकन रद्द कर दिए गए हैं। वहीं, RJD की रेखा कुमारी गुप्ता समेत अब तक 39 लोगों का नॉमिनेशन एक्सेप्ट हुआ है।

सोमवार को नामांकन दाखिल करने के बाद पटना पुलिस ने उन्हें धोखाधड़ी के एक पुराने मामले में गिरफ्तार किया था। हालांकि, बाद में उन्हें कोर्ट से जमानत मिल गई। वीणा मानवी के खिलाफ 2009 में एक परिवाद दायर किया गया था, जिसके आधार पर उनके खिलाफ वारंट जारी हुआ था।

उप चुनाव की आचार संहिता के बीच 2.80 लाख जब्त

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर आचार संहिता लगा है। इस बीच एक ओला गाड़ी से 2.80 लाख रुपए बरामद हुए हैं। पुलिस सोमवार रात वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान श्रीकृष्णापुरी थाना क्षेत्र के शिवपुरी चेक पोस्ट के पास एक संदिग्ध गाड़ी दिखी। कार रोक कर तलाशी ली गई तो बैग से कैश मिले। गाड़ी में मौजूद शख्स से पूछताछ की गई, लेकिन उसने संतोष जनक जवाब नहीं दिया। जिसके बाद कैश को जब्त कर लिया गया।

पाटलिपुत्र CO की मौजूदगी में कार्रवाई: पाटलिपुत्र के अंचलाधिकारी अनुज कुमार ने कैश को श्रीकृष्णापुरी थाने के हवाले किया है। आवेदन के मुताबिक गाड़ी में मौजूद शख्स ने पूछताछ के दौरान बताया कि उसका नाम दिनेश वर्मा

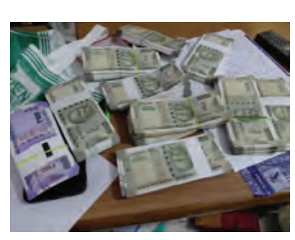

(26) है और छत्तीसगढ़ का रहने वाला है। पटना में रेंट एग्रीमेंट के लिए रुपए लेकर आया था। जिससे एग्रीमेंट हुआ था, जब उसे बुलाया गया तो वो शख्स नहीं आया। इसके बाद रुपए जब्त कर लिए गए। दिनेश अभी दानापुर आदमपुर के संचार नगर में ठहरा है। पटना सेंट्रल एसपी ममता कल्याणी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि वाहन चेकिंग के दौरान 280000 रुपए कैश बरामद किए गए हैं। फिलहाल संतोष जनक जवाब नहीं देने के चलते रुपए जप्त कर लिए गए हैं। छानबीन जारी है।

'शराब के धंधे में हिस्सेदारी चाहता था बंटी यादव'

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना में 6 जुलाई को हुए बंटी यादव अपहरण और हत्या मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रौशन कुमार और अजीत कुमार साहनी के रूप में हुई है। सेंट्रल SP ममता कल्याणी ने बताया कि रौशन और अजीत अन्य आरोपियों के साथ वारदात में शामिल थे। दोनों की गिरफ्तारी के दौरान उनके पास से 3 मोबाइल फोन और 28 हजार रुपए नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस अब तक रोहित, बजरंगी और ऑटो चालक रवि उर्फ चंदू को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। मुख्य आरोपी रवीश रवीश कुमार उर्फ बीसी अब भी फरार है। वहीं, गिरफ्तार रोहित ने अपना जुर्म कबूल किया है। पूछताछ में रोहित ने बताया कि रवीश का संबंध मोनी किन्नर के साथ था। किन्नर के साथ रवीश यूपी से ट्रेन के जरिए पटना में शराब बेचता था। पुलिस के

मुताबिक, मृतक बंटी भी शराब के अवैध कारोबार में अपनी हिस्सेदारी की मांग कर रहा था।

किन्नर से विवाद के बाद बंटी की हुई थी पिटाई-अपहरण: वहीं आरोपी रोहित ने कबूलनामे में बताया, "शराब पीने के बाद झगड़ा शुरू हुआ था। शंकर, सूरज, अजीत और रवीश उर्फ बीसी मिलकर बंटी को दौड़ाते और धमकाते हुए स्टेशन के पास चाय की दुकान तक ले गए। वहां फिर विवाद हुआ। मैं भी उनके पीछे-पीछे दौड़ा था। मैं शराब नहीं पीता, लेकिन उनके साथ मौजूद था। वे लोग बंटी के साथ मारपीट कर रहे थे। इसी दौरान रवीश किसी किन्नर को मैसेज कर रहा था। उसी

❒ आरोपी का कबूलनामा- किन्नर मोनी से विवाद के बाद मारपीट-अपहरण, मुख्य आरोपी रवीश अब भी फरार

किन्नर से बंटी का शराब के धंधे को लेकर विवाद हुआ था। बाद में सभी लोग बंटी को चाय की दुकान से धक्का देकर टाटा पार्क ले गए। वहां ऑटो (नंबर-5666) में रवीश और अजीत ने बंटी को धक्का देकर बैठाया और अपने साथ ले गए।"

अवैध करोबार की कमाई में हिस्सा की मांग को लेकर था विवाद: इस अवैध कारोबार को लेकर इनलोगों के बीच आये दिन झगड़ा झंझट होते रहता था। बंटी यादव अवैध करोबार से हुई कमाई में हिस्सा की मांग की जाती थी, इसी कारण से दोनों में विवाद था। इसी विवाद को लेकर घटना के दिन 1. शंकर कुमार 2. रौशन कुमार, 3. रोहित कुमार, 4. सोनू, 5. मोनी किन्नर, 6. सुरज, 7. बजरंगी कुमार, 8. रवि कुमार सभी मिलकर साजीश के तहत बंटी कुमार का अपहरण कर मारपीट कर हत्या कर दी गई और शव को अथमलगोला थाना क्षेत्र अन्तर्गत मोकामा फोर लेन के बगल में खेत में बालू से ढक दिये।

बता दें कि 6 जुलाई को बंटी का पटना जंक्शन के पास स्थित टाटा पार्क के समीप से अपहरण कर लिया गया था। अपहरण के 5 दिन बाद (11 जुलाई) को उसका शव पटना से करीब 60Km दूर अथमलगोला में मिला। शव की हालत बेहद खराब थी। चेहरा बुरी तरह कुचला हुआ था, जिससे आंख और नाक की पहचान करना मुश्किल था। बायां हाथ सुरक्षित था, लेकिन दाहिने हाथ में केवल हड्डियां बची थीं। पूरे शरीर पर चोट के गहरे निशान थे और शव गलना शुरू हो चुका था।

कला केवल मनोरंजन नहीं, मनुष्य होने का संस्कार है : सिद्धेश्वर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। चित्रकला, फोटोग्राफी और संगीत—ये तीनों केवल कला की विधाएँ नहीं, बल्कि मनुष्य की संवेदनाओं के जीवंत दस्तावेज़ हैं। चित्रकला वहाँ रंग भरती है, जहाँ शब्द मौन हो जाते हैं। फोटोग्राफी समय के उन क्षणों को सहेज लेती है, जो एक बार बीत जाने के बाद कभी लौटकर नहीं आते। संगीत वह अदृश्य शक्ति है, जो भाषा, जाति, धर्म और सीमाओं से ऊपर उठकर सीधे हृदय से संवाद करता है। यही कारण है कि किसी भी सभ्य समाज की सांस्कृतिक पहचान उसकी कला-संपदा से होती है। कला के प्रति हमारी दृष्टि जितनी गहरी होती जाती है, उतना ही स्पष्ट होता है कि कला केवल दृश्य या शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि अनुभवों, संवेदनाओं और चेतना का विस्तार है। विशेषतः अमूर्त कला (Abstract Art) विश्व की सबसे प्रचलित और प्रासंगिक कलाधाराओं में से एक मानी जाती है, क्योंकि वह स्थापित सीमाओं को तोड़कर सीधे दर्शक के अंतर्मन से संवाद करती है।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं चर्चित चित्रकार सिद्धेश्वर का मानना है कि प्रत्येक कलाकृति का शीर्षक होना आवश्यक नहीं है। उनके अनुसार, शीर्षक किसी रचना को एक निश्चित दायरे में बाँध देता है, जबकि कला का स्वभाव विस्तार और मुक्त अभिव्यक्ति है, बंधन नहीं। यह विचार मानव जीवन से भी जुड़ता है। जैसे एक नवजात शिशु जन्म के समय किसी नाम या पहचान से बँधा नहीं होता और अनंत संभावनाओं का प्रतीक होता है, किंतु नामकरण के साथ उसकी पहचान एक सीमित दायरे में परिभाषित होने लगती है।

इसी संदर्भ में यूट्यूब चैनल पर प्रसारित साप्ताहिक साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम *"सिद्धेश्वर की डायरी"* का 604वाँ एपिसोड *'कला और कलाकार'* विषय पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ कवि एवं चित्रकार सिद्धेश्वर ने कहा कि अमूर्तता ही कला को व्यापक अर्थों और संभावनाओं से जोड़ती है। सिद्धेश्वर की कलाकृतियाँ दर्शकों को अपनी-अपनी दृष्टि से अर्थ ग्रहण करने की स्वतंत्रता देती हैं, जो अमूर्त कला की सबसे बड़ी विशेषता है।

कार्यक्रम के आरंभ में एपिसोड के संयोजक सिद्धेश्वर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अमूर्तता ही कला और कलाकार— दोनों को विस्तार प्रदान करती है।

अमूर्त कला किसी एक अर्थ, विचार या व्याख्या तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह कलाकार की निजी संवेदना के साथ-साथ सामाजिक और वैश्विक चेतना की भी अभिव्यक्ति बन जाती है। मुख्य अतिथि डॉ. शरद नारायण खरे एवं प्रभारी डॉ. नीलम खरे ने कहा कि संगीत और कला जीवन के अभिन्न अंग हैं। सिद्धेश्वर ने यह आयोजन कर नए और पुराने रचनाकारों को एक सशक्त मंच प्रदान किया है, इसलिए वे बधाई के पात्र हैं। सभी कलाकारों और रचनाकारों की प्रस्तुतियाँ अपने-अपने स्तर पर उत्कृष्ट, प्रभावशाली और विशिष्ट रहीं। प्रत्येक प्रस्तुति में कोई-न-कोई अनूठी प्रतिभा स्पष्ट रूप से दिखाई दी। फिर भी सपना चंद्रा, गीता चौबे 'गूंज', अनुभूति गुप्ता, रशीद गौरी, निर्मल कुमार दे, डॉ. शंकर प्रसाद, आस्था दीपाली तथा डॉ. आरती कुमारी की प्रस्तुतियों ने विशेष रूप से प्रभावित किया। उनकी कृतियाँ सचमुच अद्भुत, अविस्मरणीय और सराहनीय रहीं। मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि हमारी इस कला-यात्रा से निरंतर नए-नए रचनाकार और कलाकार जुड़ रहे हैं तथा अपनी प्रतिभा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा रहे हैं। आप सभी इसी उत्साह, समर्पण और सृजनशीलता के साथ अपनी कला-यात्रा को आगे भी निरंतर जारी रखें। यही हमारी हार्दिक शुभकामना है। सिद्धेश्वर की अध्यक्षता में आयोजित संगीत एवं चित्रकला संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ. शरद नारायण खरे तथा प्रभारी डॉ. नीलम खरे थे। इनके अतिरिक्त अपनी प्रस्तुति देने वाले अन्य रचनाकार एवं कलाकार थे—डॉ. आरती कुमारी, स्वाति बरनवाल, आस्था दीपाली, अनुभूति गुप्ता, सिद्धेश्वर, निर्मल कुमार दे, सपना चंद्रा, अनिता रश्मि, डॉ. शंकर प्रसाद, रशीद गौरी, अनीता मिश्रा 'सिद्धि', राज प्रिया रानी, मुरारी मधुकर, इरा जौहरी, निलेश अयाची, इंदु उपाध्याय, आलोक चोपड़ा, गजानन पांडेय, अमीर धर, नंदकुमार आदित्य, सुरेंद्र कुमार अरोड़ा, गीता चौबे 'गूंज' तथा ऋचा वर्मा। कार्यक्रम के अंत में सिद्धेश्वर ने अपनी शायरी प्रस्तुत करते हुए कहा—"तुम इश्क़ के बागवाँ हो, जंगल नहीं, भीतर दहकता हुआ दावानल नहीं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

रांची के श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में 274वें अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की ओर से संचालित श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में मंगलवार को संत शिरोमणि डॉ. स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में 274वें श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान श्री राधा-कृष्ण के दर्शन-पूजन कर महाप्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर श्री राधा रानी का विशेष रूप से आकर्षक आभूषणों और रंग-बिरंगे पुष्पों से भव्य श्रृंगार किया गया। दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न कर भगवान को महाप्रसाद का भोग अर्पित किया। पूजा के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच मसालेदार वेजिटेबल खिचड़ी, लीची जूस और आलू चिप्स का प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर परिसर में लगभग दो हजार श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित भजन संध्या में ट्रस्ट के भजन गायकों ने श्रीकृष्ण भक्ति से ओत-प्रोत भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी। भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे और पूरा मंदिर परिसर "राधे-कृष्ण" तथा "श्याम" के जयघोष से भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक महाआरती के साथ हुआ। ट्रस्ट के प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि दिनभर में पांच हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान श्री राधा-कृष्ण के दर्शन किए। उन्होंने कहा कि मंदिर में प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक सभी श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क वेजिटेबल खिचड़ी महाप्रसाद का वितरण किया जाता है। इस अवसर पर श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के पदाधिकारी, सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

CPA झारखण्ड शाखा की बैठक, 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भागीदारी पर चर्चा

रांची! झारखण्ड विधानसभा में आज राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (CPA), झारखण्ड शाखा की कार्यकारिणी समिति की बैठक अध्यक्ष सह सभापति रबीन्द्र नाथ महतो की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 13 से 19 सितम्बर 2026 तक दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में आयोजित होने वाले 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में झारखण्ड से जाने वाले प्रतिनिधिमंडल को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अध्यक्ष ने बताया कि सम्मेलन का आधिकारिक विषय "Strengthening International Law and Parliamentary Democracy in a Changing Global Order: The Commonwealth's Leadership" रखा गया है। इसमें संसदीय लोकतंत्र, विधि का शासन, संवैधानिक मूल्य और वैश्विक सहयोग जैसे विषयों पर विचार होगा। बैठक में विधायक मथुरा प्रसाद महतो, दशरथ गागराई, प्रकाश राम, डॉ. नीरा यादव, ममता देवी तथा विधानसभा सचिवालय के प्रभारी सचिव रंजीत कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

गोपनीय दस्तावेज लीक मामला : अदालत ने स्वास्थ्य विभाग के कर्मी शंभू सिंह को आरोपित बनाने की दी अनुमति

रांची। विधायक सरयू राय पर गोपनीय दस्तावेज लीक करने के आरोप से जुड़े मामले में एमपी/एमएलए की विशेष अदालत ने स्वास्थ्य विभाग के कर्मी शंभू सिंह को आरोपित बनाए जाने की अनुमति दे दी है। विशेष न्यायाधीश सार्थक शर्मा की अदालत ने शंभू सिंह के खिलाफ समन जारी करने का भी निर्देश दिया है। मामले में उसकी अदालत में उपस्थिति के लिए पांच अगस्त की तिथि निर्धारित की गई है। मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 319 के तहत शंभू सिंह को अतिरिक्त आरोपित बनाने की याचिका पर अदालत ने अपना आदेश सुनाया। अभियोजन ने अदालत को बताया कि मामले में अब तक दर्ज चार गवाहों के बयान में यह बात सामने आई है कि गोपनीय दस्तावेज की तस्वीर शंभू सिंह ने खींची थी। अभियोजन का तर्क था कि मामले के सभी तथ्यों को सामने लाने के लिए उसे भी आरोपित बनाया जाना आवश्यक है। अब तक अनुसंधान पदाधिकारी सहित 12 गवाहों की गवाही पूरी हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि मई 2022 में स्वास्थ्य विभाग के तत्कालीन अवर सचिव की शिकायत पर डोरंडा थाना में विधायक सरयू राय के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। आरोप था कि स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की संचिका के गोपनीय पन्नों की कथित चोरी कर उन्हें सार्वजनिक किया गया। बाद में एमपी/एमएलए की विशेष अदालत ने इस मामले में दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेते हुए ट्रायल शुरू किया। गौरतलब है कि विधायक सरयू राय ने कथित गोपनीय दस्तावेजों के आधार पर एक प्रेसवार्ता कर कोरोना काल में कोविड प्रोत्साहन राशि के दुरुपयोग का आरोप लगाया था। उन्होंने तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता पर पद के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा था कि उन्होंने स्वयं सहित स्वास्थ्य विभाग के लगभग 60 कर्मचारियों को कोविड प्रोत्साहन राशि का भुगतान कराया। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से सरयू राय के खिलाफ डोरंडा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। फिलहाल इस मामले का ट्रायल विशेष अदालत में जारी है।

जगन्नाथपुर रथयात्रा की तैयारियों का DC मंजूनाथ भजन्त्री ने किया निरीक्षण, सुरक्षा और साफ-सफाई पर दिया जोर

रांची! आगामी जगन्नाथपुर रथयात्रा एवं मेले के सफल आयोजन को लेकर जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने आज अधिकारियों के साथ रथयात्रा मार्ग और मौसीबाड़ी परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान DC ने निर्देश दिए कि पूरे रथयात्रा मार्ग पर कंकड़ और अवरोध न हों, समुचित समतलीकरण और साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। मार्ग को अतिक्रमण मुक्त रखा जाए और ऊपर से गुजर रहे बिजली के तारों को हटाकर वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। उन्होंने मंदिर परिसर में प्लास्टिक उपयोग न करने की अपील भी की। मौसीबाड़ी परिसर में टेंट और अन्य मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वरीय पुलिस अधीक्षक श्री राकेश रंजन ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सभी पुलिस वॉच टावर को कार्यशील रखने और पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने को कहा। साथ ही डिवाइडर पर दुकानें नहीं लगने देने के निर्देश दिए ताकि यातायात और भीड़ नियंत्रण प्रभावित न हो। निरीक्षण में SSP, पुलिस अधीक्षक नगर, SDO सदर, ADM विधि-व्यवस्था और मंदिर समिति के सदस्य भी उपस्थित थे।

जेपीएससी 14वीं सिविल सेवा परीक्षा परिणाम पर विवाद, अभ्यर्थियों ने आयोग कार्यालय का किया घेराव

एजेंसी। रांची

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा का परिणाम जारी होने के बाद विवाद गहरा गया है। परिणाम में अनियमितता और पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाते हुए मंगलवार को बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) छात्र संघ के नेतृत्व में बापू वाटिका से जेपीएससी कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला। इसके बाद आयोग कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया और परिणाम रद्द कर निष्पक्ष जांच की मांग की। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने आयोग और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि परीक्षा परिणाम आधी रात को जारी किया गया, जिससे पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं। उनका कहना है कि परिणाम संबंधी दस्तावेज पर किसी सक्षम अधिकारी के हस्ताक्षर नहीं हैं और आयोग ने कट-ऑफ अंक भी सार्वजनिक नहीं किए हैं। उन्होंने आयोग परिसर की रात की सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने की भी मांग की। अभ्यर्थियों ने सोशल मीडिया पर वायरल एक ओएमआर शीट का हवाला देते हुए दावा किया कि एक अभ्यर्थी के एक प्रश्नपत्र में 45 में 45 तथा दूसरे में 97 उत्तर सही होने का उल्लेख है, जो संदेह पैदा करता है। उन्होंने इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की। साथ ही आरोप लगाया कि चयन प्रक्रिया में बाहरी राज्यों के अभ्यर्थियों को कथित रूप से पैसे और 'सेटिंग' के जरिए लाभ पहुंचाया गया, जबकि झारखंड के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय हुआ है। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थी राहुल कुमार ने कहा कि आयोग ने परिणाम जारी करने में निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और संवैधानिक प्रावधानों का पालन नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि परिणाम पर आयोग के अध्यक्ष अथवा सक्षम सदस्यों के हस्ताक्षर नहीं हैं। इसके अलावा परीक्षा की उत्तर कुंजी चार बार जारी किया जाना भी आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थिति को देखते हुए जेपीएससी कार्यालय के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो लालपुर चौक से रातू रोड तक सड़क जाम कर आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से हस्तक्षेप की मांग करते हुए परीक्षा परिणाम की निष्पक्ष जांच, चयन प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा कथित अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच कराने की अपील की। हालांकि, अभ्यर्थियों द्वारा लगाए गए आरोपों पर झारखंड लोक सेवा आयोग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

झारखंड के पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक का निधन, राजनीतिक हलकों में शोक की लहर

एजेंसी। रांची

झारखंड के पूर्व मंत्री, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्य की राजनीति के अनुभवी चेहरों में शामिल मन्नान मल्लिक का मंगलवार की सुबह निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। उन्होंने रांची के बरियातू स्थित एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से अस्वस्थ थे और उनका इलाज चल रहा था। मन्नान मल्लिक के निधन की सूचना मिलते ही धनबाद समेत पूरे झारखंड और बिहार कांग्रेस में शोक की लहर दौड़ गई। कांग्रेस नेताओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों तथा उनके समर्थकों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे राज्य की राजनीति और सार्वजनिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार, शुभचिंतकों और समर्थकों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। इस बीच, बेरमो विधायक कुमार जयमंगल की पत्नी एवं धनबाद लोकसभा सीट से कांग्रेस की पूर्व प्रत्याशी अनुपमा सिंह ने भी सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मन्नान मल्लिक को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लिखा कि झारखंड के पूर्व मंत्री एवं धनबाद के पूर्व विधायक, हमारे अभिभावक और मार्गदर्शक आदरणीय मन्नान मल्लिक साहब के निधन का समाचार अत्यंत मर्माहत करने वाला है। लोग उन्हें एक सरल, सहज, मिलनसार और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने वाले जननेता के रूप में याद कर रहे हैं। धनबाद की राजनीति में उनका विशेष प्रभाव रहा और उन्होंने लंबे समय तक कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके राजनीतिक अनुभव और संगठनात्मक क्षमता का लाभ पार्टी को वर्षों तक मिलता रहा।

मानव तस्करी और लापता बच्चों पर प्रभावी एसओपी बनेगी, झारखंड पुलिस ने जिलों से मांगी विस्तृत रिपोर्ट

एजेंसी। रांची

मानव तस्करी और लापता बच्चों के मामलों की रोकथाम तथा जांच प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से झारखंड पुलिस ने सभी जिलों से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने राज्य के सभी वरीय पुलिस अधीक्षकों (एसएसपी) और पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को पत्र जारी कर आवश्यक सूचनाएं एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। सीआईडी की ओर से जारी पत्र के अनुसार, 25 जुलाई 2026 को नई दिल्ली में ईस्टर्न जोन की जोनल कंसल्टेशन बैठक आयोजित होगी। यह बैठक उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर गठित समिति की ओर से बुलाई जा रही है, जिसका उद्देश्य मानव तस्करी और लापता बच्चों के मामलों में पूरे देश के लिए एक समान मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करना है। इस सिलसिले में सीआईडी ने सभी जिलों से मानव तस्करी विरोधी इकाई (एएचटीयू) की वर्तमान स्थिति से संबंधित विस्तृत जानकारी मांगी है। जिलों को यूनिट में तैनात निरीक्षकों, अवर निरीक्षकों (एसआई) और कांस्टेबलों की संख्या, वर्ष 2024, वर्ष 2025 तथा मई 2026 तक दर्ज मानव तस्करी के मामलों का ब्योरा और बरामद किए गए बच्चों की संख्या उपलब्ध कराने को कहा गया है। इसके अलावा जिलों से मानव तस्करी की रोकथाम के लिए अपनाई गई नवाचारपूर्ण पहल, प्रभावी कार्यप्रणालियां, एएचटीयू को और सुदृढ़ बनाने के सुझाव तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों की जानकारी भी मांगी गई है। सीआईडी का मानना है कि जिलों से प्राप्त सुझाव और आंकड़े राष्ट्रीय स्तर पर तैयार की जाने वाली एसओपी को अधिक प्रभावी और व्यावहारिक बनाने में सहायक होंगे, जिससे मानव तस्करी और लापता बच्चों के मामलों में त्वरित कार्रवाई, बेहतर समन्वय और पीड़ितों के शीघ्र बचाव एवं पुनर्वास की दिशा में एक समान व्यवस्था विकसित की जा सके।

जज उत्तम आनंद हत्याकांड : दोषियों की उम्रकैद बरकरार, हाई कोर्ट ने खारिज की आपराधिक अपील

एजेंसी। रांची

झारखंड उच्च न्यायालय ने बहुचर्चित जज उत्तम आनंद हत्याकांड में दोषी ठहराए गए राहुल वर्मा और लखन वर्मा की आपराधिक अपील खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने धनबाद की सीबीआई विशेष अदालत द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा को बरकरार रखते हुए कहा कि यह घटना न्यायपालिका पर सीधा हमला थी। दोनों दोषियों ने धनबाद स्थित सीबीआई की विशेष अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में आपराधिक अपील दायर की थी। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने सीबीआई कोर्ट से निचली अदालत का रिकॉर्ड (लोअर कोर्ट रिकॉर्ड-एलसीआर) तलब किया था। रिकॉर्ड के अवलोकन और दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद खंडपीठ ने अपील खारिज कर दी। दोषियों की ओर से अधिवक्ता सब्यसाची ने पक्ष रखा। उल्लेखनीय है कि 28 जुलाई 2021 की सुबह धनबाद में मॉर्निंग वॉक पर निकले अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) उत्तम आनंद को एक ऑटो ने टक्कर मार दी थी। इस घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच सीबीआई को सौंपी गई थी और स्पीडी ट्रायल के तहत सुनवाई पूरी की गई। धनबाद की सीबीआई विशेष अदालत ने 28 जुलाई 2022 को ऑटो चालक लखन वर्मा और उसके साथी राहुल वर्मा को हत्या का दोषी ठहराया था। इसके बाद 6 अगस्त 2022 को अदालत ने दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही प्रत्येक पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। अदालत ने स्पष्ट किया था कि दोनों दोषी अंतिम सांस तक जेल में रहेंगे। यह फैसला सीबीआई के विशेष न्यायाधीश रजनीकांत पाठक ने सुनाया था। दोनों दोषियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 201 (अपराध के साक्ष्य मिटाने) और 34 (समान आशय से अपराध करना) के तहत आरोप तय किए गए थे। अब झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा उनकी अपील खारिज किए जाने के साथ ही निचली अदालत का फैसला यथावत कायम रहेगा।

झारखंड के रामगढ़ में 24 घंटे में सर्वाधिक 80.5 मिमी वर्षा, 18 जुलाई तक बारिश और वज्रपात का अलर्ट

एजेंसी। रांची

झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान रामगढ़ जिले में सर्वाधिक 80.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जबकि राज्य के अन्य कई जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश हुई। मौसम विभाग ने आगामी 18 जुलाई तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश, आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, 18 जुलाई तक राज्य के अधिकांश जिलों में गरज के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है। विभाग ने यह भी बताया कि 15 से 17 जुलाई के बीच राज्य के कई इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए निचले इलाकों में जलभराव और आकाशीय बिजली की घटनाओं को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य का सर्वाधिक तापमान जमशेदपुर में 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान रांची के नामकुम में 23 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मंगलवार सुबह रांची और आसपास के क्षेत्रों में बादल छाए रहे, जिससे वातावरण में उमस बनी रही। हालांकि दोपहर बाद हल्की बूंदाबांदी होने से मौसम सुहावना हो गया और लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। राजधानी रांची में मंगलवार को अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, जमशेदपुर में अधिकतम 36.2 और न्यूनतम 26.7 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 35.2 और न्यूनतम 27.2 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 36.1 और न्यूनतम 27.2 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 33.5 और न्यूनतम 26.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

फुटपाथ दुकानदारों का नगर निगम कार्यालय पर प्रदर्शन, अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में सड़कों पर उतरे

एजेंसी। रांची

नगर निगम की विजिलेंस टीम की ओर से फुटपाथ दुकानदारों के खिलाफ चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में मंगलवार को बड़ी संख्या में दुकानदार सड़कों पर उतर आए। दुकानदारों ने नगर निगम कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया और अभियान पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। इस दौरान नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। प्रदर्शनकारी दुकानदारों का कहना था कि नगर निगम की लगातार कार्रवाई से हजारों परिवारों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। वे फुटपाथ पर दुकान लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं और बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी इसी आय से चलता है। ऐसे में बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के दुकानें हटाना उनके साथ अन्याय है। दुकानदारों ने आरोप लगाया कि नगर निगम बिना लिखित नोटिस दिए केवल मौखिक आदेश के आधार पर दुकानें हटवा रहा है, जबकि नियमों के अनुसार किसी भी कार्रवाई से पहले 30 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि सभी प्रभावित दुकानदारों को नियमानुसार नोटिस जारी करने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाए। प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि पिछले नौ वर्षों से फुटपाथ दुकानदारों का सर्वे नहीं कराया गया है, जबकि पिछले पांच वर्षों से टाउन वेंडिंग कमेटी (टीवीसी) का चुनाव भी लंबित है। उनका कहना है कि प्रशासनिक लापरवाही का खामियाजा छोटे दुकानदारों को भुगतना पड़ रहा है। दुकानदारों ने नगर निगम पर उच्च न्यायालय के निर्देशों की भावना के विपरीत कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए अतिक्रमण हटाओ अभियान पर रोक लगाने, लंबित सर्वे शीघ्र पूरा कराने तथा टाउन वेंडिंग कमेटी का चुनाव कराने की मांग की। इधर, फुटपाथ दुकानदारों के प्रदर्शन और जेपीएससी अभ्यर्थियों के धरने के कारण मंगलवार को रांची की यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित रही। कचहरी चौक सहित शहर के कई प्रमुख मार्गों पर घंटों तक लंबा जाम लगा रहा। कचहरी रोड, रेडियम रोड, जेल रोड, रातू रोड, अल्बर्ट एक्का चौक और लालपुर से कचहरी चौक तक वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। यातायात बाधित होने से कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं और आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्कूलों की छुट्टी के समय कई स्कूल बसें भी जाम में फंस गईं। स्थिति को सामान्य करने के लिए ट्रैफिक पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी, जिसके बाद धीरे-धीरे यातायात सुचारु हो सका।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गढ़वा
E-mail - eercdgarhwa-jhr@nic.in

अति आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **PR 383730 Road (26-27).D** से पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गढ़वा अंतर्गत प्रकाशित निविदा, जिसका निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– पथ/गढ़वा/559/2026–27 (गै0यो0) दिनांक 01.07.2026 के क्रम सं0 3 में उल्लेखित कार्य **''भंडरिया–टिहरी भाया बड़गड़ पथ के 14वें कि0मी0 में 650.00 मी0 का डायवर्सन सड़क का निर्माण कार्य''** को योजना मद अंतर्गत विभाग द्वारा स्वीकृति प्रदान होने के फलस्वरूप स्थगित किया जाता है। अन्य सभी यथावत् रहेगा।

कार्यपालक अभियंता,
प0नि0वि0, पथ प्रमण्डल, गढ़वा।

PR 384953 (Road) 26-27 (D)

पूर्व मंत्री मन्नान मलिक को कांग्रेस मुख्यालय में दी गई श्रद्धांजलि, नेताओं ने बताया जनसेवा को समर्पित जननेता

एजेंसी। रांची

झारखंड के पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मन्नान मलिक के पार्थिव शरीर को मंगलवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय लाया गया, जहां ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पार्टी की ओर से उनके पार्थिव शरीर पर कांग्रेस का झंडा ओढ़ाकर सम्मानपूर्वक अंतिम विदाई दी गई। श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि मन्नान मलिक का निधन कांग्रेस परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि मलिक ने अपना पूरा सार्वजनिक जीवन जनसेवा, सामाजिक सद्भाव और कांग्रेस की विचारधारा के प्रति समर्पित किया। वे सादगीपूर्ण, मिलनसार और संघर्षशील जननेता थे, जिन्होंने हमेशा समाज के कमजोर और वंचित वर्गों की आवाज बुलंद की। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि मन्नान मलिक के निधन से पार्टी ने एक अनुभवी, समर्पित और कर्मठ नेता को खो दिया है। उनका सार्वजनिक जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने कहा कि मन्नान मलिक का जीवन सादगी, सेवा और जनहित के प्रति समर्पण का प्रतीक था। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति तथा परिजनों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। श्रद्धांजलि देने वालों में रविंद्र सिंह, प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष रामा खलखो, महानगर अध्यक्ष कुमार राजा, राजीव रंजन प्रसाद, सोनल शांति, उज्ज्वल तिवारी, अख्तर अली, मदन महतो, नीतू देवी सहित अनेक नेता और कार्यकर्ता शामिल रहे। कांग्रेस मुख्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मन्नान मलिक के पार्थिव शरीर को विधानसभा ले जाया गया। इसके पश्चात कांके रोड स्थित उनके आवास 'शौरभ कुंज अपार्टमेंट' में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया, जहां पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा, सतीश पॉल मुंजनी, राजीव रंजन प्रसाद, अख्तर अली, राजेश सिन्हा सन्नी सहित अनेक नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

झारखण्ड सरकार
वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग
वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल, गढ़वा।

आम नीलामी सूचना

सर्व साधारण को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल के अंतर्गत राज्यसात वाहनों (जहाँ है, जिस स्थिति में है) की बिक्री दिनांक–29.07.2026 के पूर्वाहन 11:00 बजे से गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल के प्रमण्डलीय कार्यालय, गढ़वा में आम नीलामी द्वारा की जायेगी। यदि नीलामी तिथि को किसी कारणवश अवकाश या बंदी घोषित होता है तो उसके अगले कार्य दिवस को नीलामी की तिथि तय मानी जायेगी। किसी भी व्यक्ति को यह आपत्ति हो कि आम नीलामी सूचना में उल्लेखित वाहनों के संबंध में सुनवाई किसी न्यायालय में विचाराधीन है तो वे संबंधित मामले में अपना दावा स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से साक्ष्य हेतु दस्तावेज के साथ कार्यालय अवधि में गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल के प्रमण्डलीय कार्यालय में दिनांक–28.07.2026 के अपराह्न 05:00 बजे तक या उसके पूर्व समर्पित कर सकते हैं। यदि उक्त तिथि तक उल्लेखित राज्यसात वाहनों पर कोई दावा गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल के प्रमण्डलीय कार्यालय में समर्पित नहीं किया जाता है तो यह समझा जायेगा कि उक्त राज्यसात वाहनों की आम नीलामी द्वारा बिक्री करने पर किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति नहीं है। नीलामी हेतु राज्यसात वाहनों की सूची, क्रमानुसार विवरणी निम्नवत् है तथा नीलामी हेतु आवश्यक शर्तें सहित नीलामी हेतु राज्यसात वाहनों की सूची, क्रमानुसार विवरणी गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल के प्रमण्डलीय कार्यालय; गढ़वा जिला के Official वेबसाईट https://garhwa.nic.in/ तथा झारखण्ड राज्य, वन विभाग के Official वेबसाईट https://forest.jharkhand.gov.in/ पर उपलब्ध है :–

क्र0 सं0	वाहन का प्रकार	निबंधन संख्या/ इंजन संख्या/ चेचिस संख्या	वाहन जहाँ स्थित है।	जमा की जाने वाली अग्रधन की राशि (Gate Money) (रूपये में)
1	2	3	4	5
1	महिन्द्रा ट्रैक्टर ट्रॉली सहित, रंग–लाल, मॉडल B275DI	Engine No. - PES3A85D320RS2924 / Serial No. - 86220786	वन प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर, भवनाथपुर	20,000.00
2	महिन्द्रा 275 DI ट्रैक्टर	Engine No. – 3040912R4, Chassis No. – 3064228R4	वन प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर, नगर	20,000.00

वन प्रमण्डल पदाधिकारी
गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल।

PR 384875 (Forest, Environment and Climate Changes) 26-27 (D)

चुनावी हलफनामा: पीके के पास 198 करोड़ रुपये की पारिवारिक संपत्ति, 5.77 करोड़ के बैंक लोन

पटना, एजेंसी। जन सुराज के संस्थापक और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने चुनावी हलफनामे में अपनी संपत्ति और आय से जुड़ी कई अहम जानकारियां सार्वजनिक की हैं। हलफनामे के अनुसार, 49 वर्षीय प्रशांत किशोर और उनकी पत्नी जाह्नवी दास की कुल संपत्ति करीब 198 करोड़ रुपये है। इसमें प्रशांत किशोर के पास लगभग 96 करोड़ रुपये, जबकि उनकी पत्नी के पास करीब 112 करोड़ रुपये की संपत्ति दर्ज है।

हलफनामे के मुताबिक, प्रशांत किशोर ने बैंक से 5.77 करोड़ रुपये का कर्ज भी लिया है। उनकी 22.19 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और करीब 73 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। वहीं उनकी पत्नी के पास लगभग 89 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और करीब 12 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति दर्ज है। दस्तावेजों के अनुसार, जाह्नवी दास ने प्रशांत किशोर को 41 लाख रुपये दिए हैं। इसके अलावा प्रशांत किशोर ने अपनी कंपनी वेधा वेंचर्स को 8.31 करोड़ रुपये का ऋण भी दिया है।

गुवाहाटी से नोएडा और दिल्ली तक संपत्ति: प्रशांत किशोर और उनकी पत्नी के पास देश के कई शहरों में अचल संपत्तियां हैं। उनकी पत्नी, जो पेशे से डॉक्टर हैं, के पास गुवाहाटी में दो फ्लैट, एक बंगले में एक-तिहाई हिस्सेदारी और नोएडा में भी संपत्ति है। वहीं प्रशांत किशोर के पास गाजियाबाद में दो फ्लैट, दो अन्य फ्लैटों में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी, पटना के पाटलिपुत्र कॉलोनी, दिल्ली के वसंत विहार में प्लॉट तथा बक्सर और पैतृक गांव में भी संपत्ति है।

शिक्षा और कानूनी मामले: हलफनामे के अनुसार, प्रशांत किशोर ने लखनऊ विश्वविद्यालय से बीबीए किया है। इसके बाद उन्होंने,ष्ट्स्ढ्ढ, हैदराबाद से मास्टर्स इन हेल्थकेयर मैनेजमेंट की डिग्री हासिल की। साथ ही उन्होंने फ्रेंच भाषा का कोर्स भी किया है। उनके खिलाफ 8 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें मानहानि, सरकारी कार्य में बाधा और धोखाधड़ी जैसे आरोप शामिल हैं। हालांकि, हलफनामे के अनुसार, किसी भी मामले में अभी तक आरोप तय (चार्ज फ्रेम) नहीं हुए हैं।

हलफनामे में यह भी बताया गया है कि प्रशांत किशोर की कंपनी वेधा वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 में जन सुराज को 85 करोड़ रुपये का चंदा दिया। इसके अलावा जन सुराज फाउंडेशन को 50 लाख रुपये और जॉय ऑफ गिविंग संस्था को वित्त वर्ष 2023-24 में 2.75 करोड़ रुपये का योगदान दिया गया।

नामांकन के दौरान परिवार भी रहा साथ

नामांकन दाखिल करने के दौरान प्रशांत किशोर बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ स्काउट एंड गाइड मैदान से कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस दौरान उनकी पत्नी जाह्नवी दास, बेटे क्षितिज और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। नामांकन के बाद उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ मेरा नामांकन नहीं है, बल्कि बिहार के बदलते राजनीतिक भविष्य का नामांकन है। यह बेहतर बिहार की उम्मीद और आपराधिक प्रवृत्ति की राजनीति को खत्म करने का संकल्प है।'

भामरागढ़ में चारपाई और नाव के सहारे अस्पताल पहुंचा गंभीर मरीज

गड़चिरोली, एजेंसी। गड़चिरोली जिले के आखिरी छोर पर बसी भामरागढ़ तहसील में आज भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। जिसके कारण तहसील के दुर्गम परिसर के नागरिकों को जानलेवा सफर करना पड़ रहा है। ऐसा एक मामला तीन दिन पहले लाहेरी परिसर में सामने आया। जहां गंभीर रूप से बीमार मरीज को चारपाई पर रखकर नदी तक ले जाना पड़ा और वहां से नाव से अस्पताल तक पहुंचाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लाहेरी ग्राम पंचायत (ग्रापं) अंतर्गत आने वाले बंगाडी गांव निवासी संतोष जेट्टी (29) नामक व्यक्ति को मूत्रमार्ग बंद होने के कारण पीड़ा हो रही थी। गंभीर संसर्ग होने के कारण उसकी हालत चिंताजनक हो रही थी। जिससे उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाना जरूरी हो गया था।

सोनम वांगचुक के अनशन को उद्धव का साथ, बोले- '20 जुलाई को दिल्ली प्रदर्शन में शामिल हों सभी सांसद'

मुंबई, एजेंसी। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए दिल्ली के जंतर-मंतर पर आमरण अनशन पर बैठे हैं. सोमवार को उनके अनशन का 16वां दिन था. इस बीच, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वांगचुक के आंदोलन को अपना समर्थन देने का एलान किया. सभी राजनीतिक दलों व

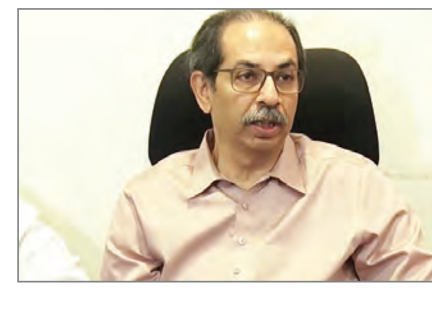

सांसदों से 20 जुलाई को दिल्ली में होने वाले विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की. सोनम वांगचुक से बात की थी. मैंने उनसे आमरण अनशन न करने का अनुरोध किया था और उनसे कहा था कि इस सरकार को ऐसी बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता. उन्होंने जवाब दिया, 'मेरे साथ जो होना है होने दीजिए, देश की भलाई सबसे पहले होनी चाहिए.' जो व्यक्ति देश की खातिर अपनी जान की भी परवाह नहीं करता, उसके सामने इंसान निशब्द रह जाता है.' ठाकरे ने आरोप लगाया कि जहां कई छात्र आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठा चुके हैं, वहीं केंद्र सरकार ने इस गंभीर मुद्दे को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है. नीट पेपर लीक घोटाले के कारण देश भर के छात्रों में भारी गुस्सा और असंतोष है. उन्होंने कहा- 'सरकार को युवाओं के भविष्य की कोई चिंता नहीं है. उसकी दिलचस्पी विपक्षी दलों को तोड़ने में ज्यादा है. देश का भविष्य दांव पर लगा है, फिर भी सरकार के पास इस पर ध्यान देने का समय नहीं है. सोनम वांगचुक जैसे बुद्धिमान व्यक्ति का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन इसके बजाय उन्हें देशद्रोही साबित करने की कोशिशें की जा रही हैं. अनशन के 16 दिन बीत जाने के बाद भी केंद्र सरकार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया है.' दिल्ली में 20 जुलाई को होने वाले प्रदर्शन का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा, 'यह केवल एक व्यक्ति की लड़ाई नहीं है. यह देश भर के लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा मामला है. इसलिए, सभी दलों के सांसदों को इस प्रदर्शन में भाग लेना चाहिए. यदि भाजपा सांसदों में थोड़ी भी इंसानियत बची है, तो उन्हें भी इस आंदोलन में शामिल होना चाहिए.' उद्धव ठाकरे ने कहा, 'अभिजीत दिपके देश के युवाओं की आवाज को बुलंद कर रहे हैं. इस बात की आशंका है कि कुछ शरारती तत्व आंदोलन को बदनाम करने के लिए 20 जुलाई के प्रदर्शन से पहले हिंसा भड़का सकते हैं.

सक्षिप्त समाचार

श्रावण में मंदिर जाने वालों पर हेलिकॉप्टर से हर सोमवार बरसाएंगे फूल

कोलकाता, एजेंसी। श्रावण के महीने में मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं पर हेलिकॉप्टर से फूल बरसाने की तैयारी है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने यह ऐलान किया है। खास बात है कि राज्य में सालाना रथ यात्रा की तैयारियां जारी हैं, जिसे लेकर सीएम शुभेंदु ने सचिवालय में बैठक की थी। यात्रा 16 जुलाई को निकाली जाएगी। इस दौरान उन्होंने शिव भक्तों के लिए कई तरह की घोषणाएं की हैं। सोमवार को मुख्यमंत्री ने ऐलान किया है कि हर सोमवार को शिव मंदिर पर जल चढ़ाने वालों पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराई जाएगी। हालांकि, यह प्रक्रिया मौसम की स्थिति पर निर्भर होगी और श्रावण के पूरे महीने चलेगी। श्रावण मास 30 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगा। इसके अलावा उन्होंने सेवा केंद्र स्थापित करने का भी ऐलान किया है। उन्होंने घोषणा की, 'सरकार शेउराफुली से तारकेश्वर तक हर पांच किमी पर सेवा केंद्र स्थापित कर रही है। श्रावण मेला के रास्ते पर निश्चित दूरियों पर सेवा केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे, ताकि जल लेकर जा रहे लोगों को भी सुविधाएं मिल सकें।' उन्होंने कहा, 'हम तारकेश्वर धाम में 15 करोड़ रुपये के विकास कार्य कर रहे हैं।' अधिकारी ने कहा कि सरकार ने तीन बड़े तीर्थस्थल केंद्र बनाए हैं। इनमें तारकेश्वर, जलपेश मंदिर और भूटान सीमा के पास जयंती क्षेत्र का मंदिर शामिल है। इन जगहों पर श्रद्धालुओं को विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि पुलिस सहायता कैंप, स्वास्थ्य सेवाएं, पीने का पानी, ओआरएस और आराम करने की सुविधा भी मिलेगी। सीएम ने यह भी ऐलान किया है कि पश्चिम बंगाल सरकार इस साल 16 जुलाई को होने वाले रथ यात्रा उत्सव से पहले राज्य की 60 रथ यात्रा समितियों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगी। उन्होंने कहा, 'कोलकाता में हर साल कई रथ यात्रा समारोह आयोजित किए जाते हैं। लेकिन पिछली सरकार केवल पुलिसकर्मियों की तैनाती करके अपनी जिम्मेदारी पूरी कर देती थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर हमारी सरकार ने इस वर्ष की रथ यात्रा में सक्रिय रूप से भाग लेने का निर्णय लिया है। सरकार ने 60 प्रतिष्ठित रथ यात्रा समितियों को पांच-पांच लाख रुपये का अनुदान देने का फैसला किया है। साथ ही, राज्य भर में लगने वाले 75 पारंपरिक रथ यात्रा मेलों में श्रद्धालुओं की सहायता के लिए सेवा केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे।' अधिकारी ने कहा, 'दूसरे राज्यों में मैंने देखा है कि सरकारें ऐसी धार्मिक परंपराओं का सक्रिय रूप से समर्थन करती हैं। पश्चिम बंगाल को सालों से ऐसा समर्थन नहीं मिला। यह सरकार वह समर्थन देगी।'

कार में बंद हो जाने से दम घुटा, छह साल के लड़के की मौत

तंजावुर, एजेंसी। तमिलनाडु के तंजावुर जिले के ओराथनाडू में एक छह साल के बच्चे की कार में बंद होने के बाद दम घुटने से मौत हो गई. मृतक थमन, धनपाल का बेटा था और नॉर्थ नाथम गांव के पंचायत यूनियन प्राइमरी स्कूल में क्लास वन का स्टूडेंट था. रविवार को वह अपने बड़े चचेरे भाई प्रवीण कुमार के साथ ट्रिप पर गया था. जब वे दोनों सुबह करीब 10 बजे घर लौटे, तो प्रवीण ने कार पार्क करके लॉक कर दी, और थमन को अंदर छोड़ दिया. डरे हुए थमन ने कार के अंदर से मदद के लिए चिल्लाया, लेकिन खिड़कियां बंद होने की वजह से कोई भी उसकी आवाज नहीं सुन सका और मदद के लिए नहीं आ सका. थमन को कार में ही छोड़ दिया गया था, लेकिन उसके परिवार और रिश्तेदारों ने आस-पास के इलाकों में घंटों तक उसे ढूंढा. बाद में, शाम करीब 7 बजे, जब थमन के परिवार और रिश्तेदारों ने कार खोली, तब तक थमन की सांसें थम गईं थीं. सूचना मिलने पर, ओराथनाडू पुलिस ने बच्चे का शव बरामद किया और उसे पोस्टमार्टम के लिए ओराथनाडू सरकारी अस्पताल भेज दिया.

राम मंदिर दान चोरी के मद्देनजर कर्नाटक ने मंदिर चढ़ावा की सुरक्षा के लिए एसओपी जारी किया

बेंगलुरु, एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर में हाल ही में हुई घटना समेत मंदिर के दानपात्रों से चोरी की खबरों के बाद, कर्नाटक सरकार ने मुजराई डिपार्टमेंट के तहत आने वाले मंदिरों में हुंडी कलेक्शन और दान की सुरक्षा और पारदर्शिता को मजबूत करने के लिए एक पूरा स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (स्ह्रक्क) जारी किया है.

धार्मिक बंदोबस्ती विभाग ने कहा कि यह फैसला देश भर से मिली रिपोर्टों के बाद लिया गया है, जिसमें मंदिर की हुंडियों से चोरी, उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता और उसके अधिकार क्षेत्र में आने वाले मंदिरों में दान की गिनती और हिसाब-किताब के दौरान गड़बड़ी के मामले सामने आए हैं. विभाग ने सभी डिप्टी कमिश्नर, सब-डिविजनल ऑफिसर, तहसीलदार, असिस्टेंट कमिश्नर, मुजराई तहसीलदार, एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, खानदानी ट्रस्टी, एडमिनिस्ट्रेटर और दूसरे संबंधित अधिकारियों को मंदिर की संपत्ति की सुरक्षा के लिए सावधानी बरतने के उपाय सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है.

नई गाइडलाइंस के तहत मंदिरों को भक्तों को दिखने वाली खास जगहों पर डोनेशन बॉक्स लगाने होंगे और पूरी सिक्योरिटी पक्की करनी होगी. हुंडियों को चारों तरफ से कवर करने वाले सीसीटीवी वेब कैमरे जरूरी कर दिए गए हैं, जिनकी फुटेज सर्वर पर स्टोर की जाएगी. फीड्स को डिस्ट्रिक्ट-लेवल मुजराई ऑफिस में मॉनिटर किया जाएगा, जबकि पूरे राज्य में सर्विलांस के लिए डिपार्टमेंट हेडक्वार्टर में एक सेंट्रल सर्वर भी बनाया जाएगा.

सरकार ने मंदिरों को छेड़छाड़ रोकने के लिए पुराने सीसीटीवी सिस्टम को वेब कैमरे से बदलने का निर्देश दिया है. इसमें कहा गया है कि चोरी के कुछ मामलों में कपूर जलाने से निकले धुएं और कार्बन जमा होने से सीसीटीवी कैमरे खराब हो गए थे या बेअसर हो गए थे. लाइव सीसीटीवी फीड्स को डेडिकेटेड मॉनिटरिंग डैशबोर्ड के जरिए डिप्टी कमिश्नर, सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस और लोकल पुलिस स्टेशनों के ऑफिस के साथ भी इंटीग्रेट किया जाना चाहिए.

कैशलेस डोनेशन को बढ़ावा देने और भीड़ वाले त्योहारों के दौरान जेबकतरी जैसी

घटनाओं को कम करने के लिए, मंदिरों को क्यूआर कोड, यूपीआई, भीम और दूसरी सुरक्षित डिजिटल पेमेंट सुविधाएं लगाने का निर्देश दिया गया है. क्यूआर कोड सिर्फ हुंडियों के पास ही लगाए जाने चाहिए और आईएफएससी कोड सहित पूरी बैंक डिटेल्स दिखानी चाहिए. ट्रांसपेरेंसी, सही ऑडिट ट्रेल्स और बेहतर फाइनेंशियल मैनेजमेंट पक्का करने के लिए डिजिटल पेमेंट सिस्टम को मंदिर के अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर के साथ भी इंटीग्रेट किया जाना चाहिए. कुछ मंदिरों में नकली या बिना इजाजत वाले कोड लगाए जाने की रिपोर्ट मिलने के बाद डिपार्टमेंट ने क्यूआर कोड के गलत इस्तेमाल के खिलाफ चेतावनी दी है. मंदिर अधिकारियों को समय-समय पर ऑफिशियल क्यूआर कोड की जांच करने और उन्हें खराब होने या बदलने से बचाने का निर्देश दिया गया है.

एसओपी में हुंडी काउंटिंग के लिए सख्त नियम बनाए गए हैं. रेवेन्यू अधिकारियों को हर काउंटिंग प्रोसेस में जरूरी तौर पर हिस्सा लेना होगा, और काउंटिंग का शेड्यूल पहले से तय होना चाहिए. जिन मंदिरों को ज़्यादा डोनेशन मिलता है, उन्हें हर हफ़्ते एक बार हुंडी काउंटिंग करनी होगी, जबकि दूसरे मंदिरों को हर 15 दिन में एक बार ऐसा करना होगा. काउंटिंग प्रोसेस संबंधित तहसीलदार की सीधी देखरेख में होनी चाहिए. डोनेशन से मिले सोने, चांदी और दूसरी कीमती चीज़ों की वैल्यू उसी दिन लगाई जानी चाहिए और सही देखरेख में ज़िले या सब-ट्रेजरी में जमा कर दी जानी चाहिए. सरकार ने गिनती के प्रोसेस में हिस्सा लेने वाले अधिकारियों और स्टाफ की पहचान वेरिफ़ाई करने के लिए फ़ेशियल रिकग्निशन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल भी जरूरी कर दिया है. गिनती की जगह में आने वाले हर व्यक्ति को अंदर जाने से पहले अपने पास मौजूद कैश बताना होगा. हुंडी गिनने का पूरा प्रोसेस, डोनेशन बॉक्स खोलने से शुरू होकर बैंक को कैश देने तक, तारीख और समय की मुहर के साथ वीडियो पर रिकॉर्ड किया जाना चाहिए.

पारडी क्षेत्र में बनेगी आधुनिक सब्जी मंडी और स्पोर्ट्स क्लब

नागपुर में नितिन गडकरी का बड़ा ऐलान

नागपुर, एजेंसी। नागपुर जिले में केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि शहर में आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ-साथ पारडी क्षेत्र में बनने वाले फ्लाईओवर के अलावा स्थानीय व्यापारियों के लिए आधुनिक सब्जी मंडी तथा स्पोर्ट्स क्लब का निर्माण भी जल्द ही किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट की कुल लागत 150 करोड़ रुपये होगी जिसमें से 40 करोड़ रुपये का योगदान राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा दिया जाएगा। आरओबी, अंडरब्रिज और सब-वे के लोकार्पण समारोह में बतौर अध्यक्ष बोल रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, राज्य मंत्री आशीष जायसवाल, विधायक कृष्णा खोपड़े, चरण सिंह ठाकुर, महापौर नीता ठाकरे, स्टैंडिंग चेयरमैन शिवानी दाणी, महारेल के महाप्रबंधक राजेशकुमार जायसवाल, दयाशंकर तिवारी, नगरसेवक तथा नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। गडकरी ने कहा कि पूर्व नागपुर में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास हुआ है तथा कचरे से सीएनजी उत्पादन की परियोजना भी शुरू की जा रही है। महारेल द्वारा राज्यभर में अनेक आधारभूत परियोजनाओं

का कार्य तेजी से किया जा रहा है। साथ ही मेट्रो परियोजना के कारण नागपुर की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और प्रतिष्ठा बढ़ी है। सीएम ने कहा कि नागपुर में सड़क एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्र में विकास कार्य होने से सर्वांगीण विकास को गति मिली है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक संस्थाएं आई है। सुविधाएं विकसित हुई हैं तथा रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। इससे शहर का सामाजिक और आर्थिक विकास हो रहा है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि भगवान संभवनाथ चौक से डिप्टी सिग्नल मार्ग तक बने रेलवे ओवरब्रिज का नाम पूर्व उपमहापौर 'बाहरीनबाई सोनबोईर' के नाम पर रखा जाएगा। इस अवसर पर विधायक कृष्णा खोपडे ने पूर्व नागपुर विधानसभा क्षेत्र में हुए विविध विकास कार्यों की जानकारी दी। महारेल के महाप्रबंधक जायसवाल ने बताया कि राज्य में अमरावती, सातारा, नाशिक, सांगली, नागपुर और चंद्रपुर जिलों में कुल 3 रोड ओवरब्रिज, 4 सब-वे और 1 अंडरब्रिज का निर्माण पूरा किया गया है।

जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर बड़ा हादसा, आपस में टकराईं अमरनाथ यात्रा की 4 गाड़ियां, 18 श्रद्धालु घायल

रामबन, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में सोमवार को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अमरनाथ यात्रा काफिले से जुड़ा एक सड़क हादसा हो गया। चंदरकोट स्थित लंगर पॉइंट के पास चार वाहनों की टक्कर में 18 श्रद्धालु घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, हादसे की शुरुआत उस समय हुई जब काफिले में शामिल एक एसआरटीसी बस दूसरी एसआरटीसी बस से टकरा गई। इसके बाद दूसरी बस एक कार से जा भिड़ी और कार आगे चल रही एक निजी बस से टकरा गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे तथा सभी घायलों को तत्काल रामबन जिला अस्पताल पहुंचाया गया। प्रशासन के मुताबिक सभी घायलों की हालत स्थिर है और उन्हें मामूली चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने सभी 18 घायल तीर्थयात्रियों को इलाज के लिए तुरंत रामबन के ज़िला अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों ने बताया कि सभी को मामूली चोटें आई हैं और उनकी हालत स्थिर है। इस घटना में अब तक 10 घायलों की पहचान उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और पंजाब के श्रद्धालुओं के रूप में हुई है, जबकि अन्य आठ की पहचान की प्रक्रिया जारी है। आपको बता दें की हादसे के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अभी तक 10 घायलों की पहचान हुई है।

पंजाब: हाई कोर्ट का आदेश, कर्मचारियों की मांग फिर भी अधर में लटका डीए!

जालंधर, एजेंसी। पंजाब सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का महंगाई भत्ता का मुद्दा लगातार गरमाता जा रहा है। लाखों कर्मचारी लंबे समय से रुके हुए डीए एरियर और बढ़ोतरी का इंतजार कर रहे हैं। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले के बाद कर्मचारियों को उम्मीद जगी थी कि सरकार जल्द राहत देगी, लेकिन अब तक भुगतान नहीं हुआ है। कर्मचारियों का आरोप है कि जब राज्य में तैनात आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को बढ़ा हुआ डीए मिल रहा है, तो फिर नियमित कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को इससे क्यों वंचित रखा जा रहा है। फरवरी 2026 में आए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले के बाद उम्मीद जगी थी कि राज्य के 7.5 लाख से अधिक परिवारों को राहत मिलेगी।

लेकिन अदालत के आदेश के कई महीने बाद भी कर्मचारियों को बकाया महंगाई भत्ता नहीं मिला है, जिससे उनमें नाराजगी बढ़ती जा रही है। सरकारी कर्मचारियों का कहना है कि महंगाई भत्ता केवल वेतन का हिस्सा नहीं, बल्कि बढ़ती महंगाई से राहत देने वाला अहम सहारा है। इसी राशि से बच्चों की पढ़ाई, घर का राशन, बुजुर्गों की दवाइयां और बैंक की ईएमआई जैसे जरूरी खर्च पूरे होते हैं। ऐसे में डीए में देरी का सीधा असर परिवार के मासिक बजट पर पड़ता है। फरवरी 2026 में पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने अपने अहम फैसले में कहा था कि महंगाई भत्ता और महंगाई राहत कर्मचारियों का कानूनी अधिकार है, कोई सरकारी अनुग्रह नहीं। अदालत ने स्पष्ट किया कि सरकार वित्तीय संकट या खाली खजाने का हवाला देकर इसे अनिश्चितकाल तक नहीं रोक सकती। हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को लंबित डीए जारी करने और देरी के लिए ब्याज देने का भी निर्देश दिया था। बाद में अदालत ने इस फैसले पर रोक लगाने से भी इनकार कर दिया। आर्थिक स्थिति, बढ़ते कर्ज और पेंशन के बोझ का हवाला देकर डीए जारी करने में देरी का कारण बता रही है।

चुनावी बिसात बिछाने लगी भाजपा, घर-घर दस्तक देने की तैयारी, कार्यकर्ताओं को मिला बड़ा टास्क

लखनउ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश भाजपा में संगठन का गठन होने के साथ ही पार्टी अब हर मतदाता तक पहुँचने की कोशिश में है। घर-घर मतदाताओं तक पहुंचने के लिए पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में इसके लिए

आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन मंत्री धर्मपाल ने पार्टी के पदाधिकारियों से निरंतर प्रवास और ईमानदारी से बूथ सत्यापन करने के सम्बन्ध में निर्देश दिए हैं।

वहीं इमानदारी से बूथ सत्यापन की बात कहने को लेकर सियासत के जानकार कहते हैं कि अध्यक्ष और संगठन मंत्री की यह सक्रियता पार्टी के माईक्रो मैनेजमेंट को जहां दर्शाती है वहीं पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के ठंडे पड़े उत्साह की चिंता भी जाहिर होती है। जिसको भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के हालिया राजधानी लखनऊ के रोड शो से लगाया जा सकता है। जिसमें आम कार्यकर्ता की जगह टिकटार्थी ज्यादा देखने को मिले थे।

कार्यकर्ता चुनाव का वास्तविक योद्धा: फ़िलहाल की तैयारियों में बीजेपी अपने अभियानों में पार्टी कार्यकर्ताओं और सदस्यों की सक्रिय भागीदारी पर विशेष फोकस रख रही है। और इसके लिए उसने अपने कार्यकर्ताओं और सदस्यों को इमानदारी का पाठ भी बैठक में पढ़ा दिया। चुनावी तैयारियों को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का कहना है कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका सशक्त बूथ संगठन है और बूथ पर काम करने वाला हर कार्यकर्ता चुनाव का वास्तविक योद्धा है।

साथ ही हर पदाधिकारी की जिम्मेदारी का बोध कराते हुए उन्होंने निर्देश भी दिए और कहा कि वह बूथ तक लगातार प्रवास, संवाद और संगठन की गतिविधियों को गति प्रदान करे। भविष्य का खाका खींचते हुए उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारियों को संगठन के तय अभियानों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी।

जबकि प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल ने बूथ को केन्द्रित करते हुए नियमित प्रवास कर बूथों को सक्रिय करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक प्रवास जरूरी हैं। प्रदेश पदाधिकारी जिलों में, जिला पदाधिकारी मंडल में और मंडल के पदाधिकारी बूथों का सत्यापन करें। सत्यापन की पूरी रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय को जरूर भेजी जाए। सभी विधानसभाओं में बूथ सम्मेलन किए जाएंगे। इसमें बूथ के पदाधिकारियों के अलावा पूर्व पदाधिकारियों, लाभार्थियों और समाज के प्रमुख लोगों को बुलाया जाए।

फिलहाल प्रदेश भाजपा सूबे के प्रत्येक मतदाता तक पहुंचने के लिए खाका तैयार करने में जुटी है। इस क्रम में वह पहले अपने 2.5 करोड़ प्राथमिक सदस्यों की बूथवार लिस्ट तैयार कर रही है जिनके माध्यम से वह घर-घर हर वोटर तक पहुंच सकेगी।

विचार-मंथन

संपादकीय

जांच होती है, रिपोर्ट आती है, फिर हादसे क्यों नहीं रुकते?

आजकल कई इमारतों में सुरक्षा के आधुनिक इंतजाम के नाम पर 'डिजिटल दरवाजे' लगा दिए जाते हैं, जो हादसे की स्थिति में काम करना बंद कर देते हैं और उसमें लोग फंस कर मारे जाते हैं। आग और धुएं से घिरी एक बहुमंजिला इमारत तथा बचाव अभियान का प्रतीकात्मक दृश्य, जो भवन सुरक्षा, प्रशासनिक लापरवाही और हादसों में जवाबदेही के मुद्दे को दर्शाता है।आमतौर पर किसी हादसे के बाद उसके कारणों पर बात होती है। सरकार मामले की तह तक पहुंचने के लिए जांच एजेंसी गठित करती है। मगर उसके बाद शायद ही कभी कारणों के तमाम पहलुओं के आधार पर हादसों से निपटने के लिए कोई व्यापक कार्ययोजना बनती है और उसे एक नियमन की तरह देखा जाता है।लगभग सभी दुर्घटनाओं और उनकी जांच रिपोर्ट को एक खास घटना के दायरे में समेट कर देखा जाता है। जबकि सबसे जरूरी यह होना चाहिए कि किसी हादसे के बाद उसके कारणों को ध्यान में रख कर भविष्य के लिए ऐसे इंतजाम किए जाएं, ताकि वैसा दोबारा न हो। एक अहम पहलू यह भी है कि हमारे यहां हादसों के बाद संवेदना जाहिर करने से लेकर सवाल उठाने तक में तो कमी नहीं की जाती, लेकिन उससे बचाव के पूर्व-इंतजामों को लेकर शायद ही कभी गंभीरता दिखाई जाती है। यही वजह है कि एहतियाती उपायों की अनदेखी आखिर किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बनती है और उसमें जानमाल की क्षति होती है।कुछ समय पहले दिल्ली और लखनऊ की दो अलग-अलग घटनाओं ने इस मसले पर सरकारी महकमों की उदासीनता और लापरवाही की एक अघोषित तौर पर चलती रहने वाली उस 'व्यवस्था' को उजागर किया, जो ऐसे हादसों की मूल वजह है। दरअसल, दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में एक इमारत में लगी आग में फंसने के बाद जहां इक्कीस लोगों की जान चली गई, वहीं लखनऊ के एक कोचिंग संस्थान में इसी तरह की घटना में पंद्रह विद्यार्थियों की मौत हो गई।निश्चित तौर पर इसके लिए उन इमारतों के प्रबंधन की जवाबदेही बनती है, लेकिन सवाल है कि जिन लापरवाहियों या खामियों की वजह से वे भयावह हादसे हुए, उनकी जांच करने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी थी? कायदे से इसके लिए उन सरकारी महकमों और अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, जिनका दायित्व है कि वे समय-समय पर इमारतों में अग्निशमन से लेकर बचाव इंतजामों की जांच करें।गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और लखनऊ में आग लगने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए गुरुवार को नगर निकायों को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि समय-समय पर दिए गए निर्देशों का पालन न करने वाले शीर्ष अधिकारी अब व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। अदालत की यह टिप्पणी बेहद अहम है कि हादसों के बाद सिर्फ भवन निर्माताओं को गिरफ्तार किया जाता है, जबकि घटना वाले क्षेत्र के अधिकारियों को छोड़ दिया जाता है।यह छिपा नहीं है कि किसी इमारत में आग लगने की वजह से अगर लोग मारे जाते हैं, तो उसकी मुख्य वजह बचाव के इंतजामों को ताक पर रख देना होता है। मसलन, अचानक आग लगने की स्थिति में उसे बुझाने या उससे बचने के लिए वैकल्पिक निकास की ठोस व्यवस्था न होना लोगों की जान जाने की सबसे बड़ी वजह होती है। आजकल कई इमारतों में सुरक्षा के आधुनिक इंतजाम के नाम पर 'डिजिटल दरवाजे' लगा दिए जाते हैं, जो हादसे की स्थिति में काम करना बंद कर देते हैं और उसमें लोग फंस कर मारे जाते हैं।सवाल है कि अग्निशमन से लेकर बचाव के तमाम उपायों को सख्ती से लागू कराना किसकी जिम्मेदारी है। इसलिए यह बिल्कुल उचित सवाल है कि केवल इमारतों के मालिकों या प्रबंधकों को कठघरे में खड़ा करना काफी नहीं है, बल्कि हादसे की मुख्य जड़ यानी संबंधित महकमे और शीर्ष अधिकारियों की लापरवाही और अनदेखी का इलाज करना जरूरी है।

अमेरिका में यह देखने में आया है कि जितने समय में कांग्रेस (अमेरिकी संसद) एक सुनवाई करती है, उतने समय में नया 'एआई' मॉडल आ जाता है। ध्यान रहे कि वर्ष 2030 तक अत्याधुनिक एआई मॉडल विकसित करने के लिए आवश्यक विशाल डाटा सेंटर केवल वर्जीनिया या कैलिफोर्निया तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि अमेरिका के अधिकांश क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर सर्वर फार्म के रूप में स्थापित हो चुके होंगे।

किस ओर जा रही है दुनिया, कौन करेगा इस एआई का इस्तेमाल?

(रहीस सिंह)

सनक और अधिनायकत्व के वर्तमान दौर में जब छोटे देश जमींदोज किए जा रहे हों, दुनिया तमाशा देख रही हो और शांति के सिरे पूरी तरह बिखर चुके हों, जिन्हें जोड़ने वाला वैश्विक नेतृत्व भी नदारद हो, तब सवाल यह है कि तेजी से बढ़ते एआई का असली यूजर कौन होगा और उसका मकसद क्या होगा? यह वाकई डराने वाला है। पिछले कुछ दिनों से दुनियाभर के प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर आ रही रिपोर्टों, स्टोरियों और स्तंभों में एक अलग दुनिया दिख रही है। अमेरिका के कई हिस्सों के लोग तकनीक, बाजार और राज्य की व्यवस्था से परे अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं, लेकिन बाजार के खिलाड़ी इस प्रतिरोध को 'हिलबिली अपराइजिंग' कहकर मजाक उड़ाते दिख रहे हैं। क्या इन विशेषताओं के झरोखों में 18वीं-19वीं सदी का वह इतिहास नहीं दिख रहा, जिसने एक तरफ दुनिया को औद्योगिक क्रांति और उपनिवेशवाद दिया था, वहीं दूसरी तरफ 'सोशल कॉन्ट्रैक्ट' से लेकर 'दास कैपिटल' के जरिये एक ऐसा वर्ग खड़ा कर दिया था, जिसने नई व्यवस्था और नए इतिहास को जन्म दिया? क्या इतिहास अब स्वयं को दोहराने की ओर बढ़ रहा है? या उससे भी अधिक जटिल समय से हमारा सामना होने वाला है? पिछले दिनों प्यू रिसर्च सेंटर का एक सर्वे आया, जिसमें मुख्य रूप से पांच बातें अधिक प्रभावित करने वाली लगीं। पहली, 24 देशों में किए गए सर्वे में अमेरिकी सबसे अधिक निराशावादी दिखे। उनका मानना है कि 'एआई' के प्रभाव सकारात्मक के मुकाबले नकारात्मक अधिक होंगे। दूसरी, अमेरिका में 'एआई' पर बहस अब केवल तकनीकी मुद्दा नहीं रह गई, बल्कि एक राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक मुद्दा बन चुकी है। तीसरी, अमेरिकियों का कहना है कि 'एआई' पहले 'व्हाइट कॉलर' नौकरियां खत्म करेगा, फिर 'ब्लू कॉलर' नौकरियों को। चौथी, यदि इसके कारण दौलत कुछ कंपनियों के हाथ में सिमट गई और बाकी लोग बेरोजगार हुए, तो लोकतंत्र टिक नहीं पाएगा। पांचवीं, 'एआई' लोगों को और भी अकेला बना देगा। इससे 'ट्रांसह्यूमनिज्म' का खतरा भी है, क्योंकि इसके जरिये इन्सान अपनी जैविक सीमाओं से आगे निकल सकता है। सवाल यह है कि अमेरिकियों का यह डर क्या जायज है? शेष दुनिया उतनी चिंतित क्यों नहीं, जितना कि अमेरिका? प्रश्न यह कि क्या इस तरह की चुनौतियों का निक्षेपण करने के लिए आज कोई देश, कोई नेता अथवा सरकार है, जो दैवीय राजत्व से नीचे उतरकर सामाजिक अनुबंधों के सहारे आगे बढ़ने का साहस करे? क्या राज्य और उनकी सरकारें इस संदर्भ में कोई व्यवस्था बना सकती हैं? शायद नहीं। दरअसल, यह छद्म वैश्वीकरण और छद्म उदारवाद का दौर है, जिसे हम बनावटीपन के साथ नवविश्ववाद और नवउदारवाद का नाम दे सकते हैं। यहां विशुद्ध (प्योर) कुछ भी नहीं है, सब हाइब्रिड है। सर्वत्र कौन जीतेगा या कौन हारेगा, की विषाक्तता भरी राजनीति का प्रभाव है, जो समृद्ध साझे अनुभवों, विरासतों और हितों से बहुत दूर खड़ी है। फिर तो जो प्रतिस्पर्धा, संघर्ष या युद्ध दिख रहे हैं, उनकी अगुआई ड्रोन, रासायनिक या जैविक हमले ही करेंगे और इन सबके पीछे खड़ी हो सकती है एआई जैसी अदृश्य शक्ति। क्या तब भी हम सोच सकते हैं कि दुनिया किसी नियम आधारित व्यवस्था से चलेगी? या उस व्यक्ति, देश अथवा बाजार की इकाई से, जिसके पास ताकत नहीं, बल्कि एआई होगा? वैसे नियम आधारित व्यवस्था को तो हम गाजा, कीव और तेहरान के कब्रिस्तानों में दफन होते हुए देख ही चुके हैं। इसलिए, उससे कोई उम्मीद रखना बेकार है। अब चिंता यह है कि नई व्यवस्था और ताकत में मनुष्य कहां खड़ा होगा, क्योंकि लोगों के मस्तिष्कों में अब यह सवाल तैरने लगा है कि जब नौकरियों को बड़े पैमाने पर 'एआई' खा रहा होगा, जब दुनिया भर के डाटा सेंटर लोगों के हिस्से का पानी पी रहे होंगे और फिर जो भ्रम फैलाया जा रहा होगा, वह पहले किसे तोड़ेगा? समाज को या राज्य को अथवा मनुष्य को? पता नहीं, परंतु शिकार मनुष्यता ही होगी, यह तय है। जो भी हो, दुनिया वैश्वीकरण के उस झूठे इश्तिहार के सहारे चलेगी, जो 1990 के दशक में दिमागों के साथ खेल रहा था या फिर उस भ्रम के साथ, जहां कुछ देश संरक्षणवाद और राष्ट्रवाद के नाम पर अधिनायकवाद को बढ़ाते हुए वैश्विक टकरावों को हवा दे रहे होंगे? लोग भावी बदलावों के बीच अपने लिए एक भरोसा चाहते हैं। परंतु, यह भरोसा दिलाएगा कौन? बाजार, राजनीति या तकनीक? बाजार का चरित्र पहले से ही अदृश्य शक्तियों के हाथ में है, उससे उम्मीद करना बेमानी होगी। अब तो राजनीति का चरित्र भी बाजार तय करने लगा है। और रही बात तकनीक की, तो वह भी बाजार के हाथ में जा चुकी है। तब बचा कौन? एक बात और, 'एआई' बहुत तेजी से बदल रहा है, इसलिए इसे पकड़ पाना मुश्किल है। राजनीति इसके मुकाबले फिसड्डी है। अमेरिका में यह देखने में आया है कि जितने समय में कांग्रेस (अमेरिकी संसद) एक सुनवाई करती है, उतने समय में नया 'एआई' मॉडल आ जाता है। ध्यान रहे कि वर्ष 2030 तक अत्याधुनिक एआई मॉडल विकसित करने के लिए आवश्यक विशाल डाटा सेंटर केवल वर्जीनिया या कैलिफोर्निया तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि अमेरिका के अधिकांश क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर सर्वर फार्म के रूप में स्थापित हो चुके होंगे। जैसे-सिलिकॉन हार्टलैंड यानी मिशिगन, विस्कॉन्सिन और ओहियो तथा इससे भी आगे बढ़कर दक्षिणी राज्यों, विशेषकर लुसियाना, मिसीसिपी और टेक्सास तक। अमेजन, गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट और ओरेकल जैसी कंपनियां मिलकर लगभग 750 अरब डॉलर का निवेश कर रही हैं, जबकि अन्य कंपनियां भी अरबों डॉलर लगा रही हैं। एक अनुमान के अनुसार, 2026 से 2030 के बीच दुनियाभर में एआई डाटा सेंटरों पर लगभग तीस खरब डॉलर खर्च होने वाले हैं। इन सेंटरों में खपत होने वाली बिजली करीब 12 गीगावाट के स्तर से इस दशक के अंत में पांच गुना हो जाएगी। तब तो अमेरिकियों का डरना स्वाभाविक है। वे जनरेटरों और कूलिंग सिस्टम के गूंजते शोर और इनकी ओर मुड़ती पानी की धाराओं से डर रहे हैं। फिलहाल, इस समय में जो चिंताएं उभरती दिख रही हैं, वे निराधार तो नहीं हैं। विचार कीजिए कि जब एक नेता किसी दूसरे संप्रभु देश के चुने राष्ट्रपति को इसलिए उठा ले जा सकता है, क्योंकि उसे उस देश का तेल चाहिए। वही नेता एक अन्य देश पर इसलिए हमला कर दे, क्योंकि उसका दोस्त ऐसा चाहता है। छोटे देश जमींदोज कर दिए जाएं और दुनिया तमाशा देखती रहे। यह क्या है? सदी के सबसे खतरनाक कदमों की दस्तक या कुछ और, जो यह बताती है कि सनक, अधिनायकत्व और पोस्ट ट्रुथ के दशकों में शांति के सिरे पूरी तरह बिखर चुके हैं और उन्हें जोड़ने वाला वैश्विक नेतृत्व नदारद है। फिर एआई का असली उपयोगकर्ता कौन होगा।

नक्सलवाद के बाद घुसपैठ पर निर्णायक प्रहार, अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा के अगले चरण का बिगुल फूंका

(नीरज कुमार दुबे)

नई दिल्ली में आयोजित सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने सीमा सुरक्षा के लिए सरकार की नई और व्यापक रणनीति सामने रखी। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सीमा सुरक्षा के समग्र दृष्टिकोण को संस्थागत स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। देश को नक्सल आतंक की जकड़ से बाहर निकालने और जम्मू-कश्मीर तथा पूर्वोत्तर में आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा के अगले चरण का बिगुल फूंक दिया है। इस बार निशाने पर केवल घुसपैठ नहीं, बल्कि घुसपैठ के जरिये सीमावर्ती इलाकों में बदलता जनसंख्या संतुलन, तस्करी, मादक पदार्थों का जाल, कट्टरपंथ, ड्रोन खतरे, संगठित अपराध और सीमा पार से संचालित छद्म युद्ध की पूरी रणनीति है। अमित शाह ने स्पष्ट संकेत दिया है कि देश को घुसपैठिया मुक्त बनाने और सीमाओं को अभेद्य सुरक्षा कवच देने का व्यापक अभियान अब सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अमित शाह का मानना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अस्वाभाविक जनसंख्या परिवर्तन केवल स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और सामरिक संतुलन से जुड़ा हुआ प्रश्न है, ऐसे में यह अभियान वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के भारत की सुरक्षा का भी मजबूत आधार बनेगा। हम आपको बता दें कि नई दिल्ली में आयोजित सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने सीमा सुरक्षा के लिए सरकार की नई और व्यापक रणनीति सामने रखी। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सीमा सुरक्षा के समग्र दृष्टिकोण को संस्थागत स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब केवल भूमि सीमाओं तक ही नहीं, बल्कि आने वाले समय में तटीय सीमाओं की सुरक्षा के लिए भी इसी प्रकार का समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। सम्मेलन में सीमा सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों, उनके समाधान और भविष्य की नीति तैयार करने पर व्यापक विचार विमर्श किया गया। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सीमा सुरक्षा व्यवस्था अब केवल चौकियों और गश्त तक सीमित नहीं रहेगी। सरकार सीमा सुरक्षा बलों, राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, केंद्र सरकार के संबंधित विभागों और सीमावर्ती क्षेत्रों के स्थानीय नागरिकों को साथ जोड़कर चार स्तरीय सुरक्षा तंत्र तैयार कर रही है। यही चतुष्कोणीय सुरक्षा व्यवस्था भविष्य में भारत की सीमाओं को अभेद्य बनाने का सबसे मजबूत आधार बनेगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षित सीमा, समृद्ध सीमावर्ती क्षेत्र और सतर्क समाज मिलकर ही राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। गृह मंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि भारत की लगभग पंद्रह हजार किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा अठारह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरती है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6152

		4				6		1
		7	2				8	
		9	3					2
			1					9
6	2	1	5		9	4	7	3
5					4			
4					3	5		
	3				2	8		
1		6				3		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6151

5	8	9	6	1	7	3	4	2
2	4	1	3	5	9	8	6	7
3	7	6	8	4	2	9	5	1
4	9	2	7	6	8	1	3	5
6	3	8	1	2	5	7	9	4
7	1	5	9	3	4	6	2	8
8	2	3	4	9	1	5	7	6
9	5	7	2	8	6	4	1	3
1	6	4	5	7	3	2	8	9

आज का राशिफल

मेष
आज सोच-समझकर बजट और अधूरे कामों में प्रगति होगी। आपके आर्थिक मामले ठीक बने हुए हैं। आज बिना सोचे-समझे पैसे खर्च करने से पूरी तरह बचें। बुध देव की स्थिति के कारण धन के मिलने में कुछ देरी या लेन-देन में थोड़ी उलझन आने का डर रहेगा। बजट को व्यवस्थित रखने के लिए आज का दिन बहुत अनुकूल है।

वृष
आज अचानक सामने आए कुछ जरूरी खर्चों के कारण आज आपको एक सही बजट बनाकर चलना होगा। जब तक बहुत जरूरी न हो, किसी से भी नया कर्ज लेने से पूरी तरह बचें। लंबे समय के आर्थिक लक्ष्यों को दोबारा देखने से आपका भरोसा बढ़ेगा। आज कार्यस्थल की कई मुश्किलों को दूर करने में मददगार साबित होगी।

कर्क
आज धन और निवेश को लेकर सलाहकारों या साझेदारों के साथ होने वाली चर्चा में थोड़ी सावधानी रखें। बुध देव की उल्टी चाल से बातचीत में कुछ उलझन आने का डर रहेगा, इसलिए हर एक बात को पहले ही पूरी तरह साफ कर लें। दफ्तर की साझेदारियों और व्यावसायिक चर्चाओं पर आज आपको थोड़ा अधिक ध्यान देने की जरूरत है।

सिंह
आज पैसों को लेकर अपनाया गया आपका सीधा दृष्टिकोण आज आपको फालतू के तनाव से दूर रखेगा। भावनाओं में आकर धन खर्च करने से बचें और केवल जरूरी चीजों पर ही ध्यान दें। आज की गई छोटी सी बचत भी भविष्य में आपके बहुत काम आएगी। तरक्की की रफ्तार भले ही थोड़ी धीमी लगे, लेकिन अपने बड़े लक्ष्यों पर पूरा ध्यान टिका कर रखें। लगातार की गई।

मिथुन
आज पूरे नियम के साथ की गई मेहनत से आपकी आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे अच्छा सुधार आएगा। जोखिम भरे निवेशों में हाथ डालने से पूरी तरह बचें। दूर की सोच रखकर बनाई गई योजनाएं आपके मन को बहुत शांति देंगी। अपने हुनर को और बेहतर करने से आपके भविष्य को बहुत मजबूती मिलेगी।

कन्या
आज आर्थिक कागजातों की जांच और पूरी एकाग्रता। आज साझे धन या परिवार की संपत्ति से जुड़े मामलों में आज बहुत ही ध्यान से चलने की जरूरत है। किसी भी पेपर पर आगे बढ़ने से पहले उसे आदि से अंत तक अच्छे से पढ़ लें।

तुला
आज लंबे समय की आर्थिक उन्नति को पूरा सहारा दे रहे हैं। दूर की सोच रखकर बनाई गई बचत की योजनाएं आज बहुत ही सफल रहेंगी। भावनाओं में आकर फालतू की चीजें खरीदने से बचें और अपनी आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने पर ध्यान दें। कार्यक्षेत्र में आपकी लगन पर आज बड़े अधिकारियों की नजर रहेगी।

वृश्चिक
आज सुख-सुविधा या रहन-सहन की चीजों पर आपके खर्चे थोड़े बढ़ सकते हैं, इसलिए अपने खर्चों की योजना बहुत ही सोच-समझकर बनाएं। दिखावे की महंगी खरीदारी से पूरी तरह दूर रहें। आज पैसों को लेकर अपनाया गया आपका नियम आपको भविष्य के तनाव से दूर रखेगा। दफ्तर में आपकी पहचान और नई सोच को बहुत सुंदर सहयोग मिलेगा।

मकर
आज अपने पैसों को व्यवस्थित करने और पुराने टैक्स या बैंकिंग से जुड़े कामों को दोबारा देखने के लिए बहुत अच्छा दिन है। बिना पूरी जानकारी के कहीं भी धन लगाने का फैसला न लें। सोची-समझी प्लानिंग ही आपकी आर्थिक स्थिति को सुरक्षित रखेगी।मुश्किलों को हल करने का आपका तरीका आज कार्यस्थल पर आपकी साख को और मजबूत करेगा।

कुंभ
आज पुराने संपर्कों या पहले किए गए निवेशों के माध्यम से कुछ अच्छे आर्थिक लाभ मिल सकते हैं। सामाजिक आयोजनों या मनोरंजन पर जरूरत से ज्यादा धन खर्च करने से बचें। अकेले काम करने के बजाय सहकर्मियों के साथ मिलकर किए गए कार्यों से बहुत सुंदर परिणाम मिलेंगे। पुराने अधूरे पड़े प्रोजेक्ट्स पर दोबारा काम शुरू करना आज फायदेमंद साबित हो सकता है।

धनु
आज आर्थिक मामलों में धीरे-धीरे अच्छा सुधार देखने को मिलेगा। आपके भीतर अपनी आमदनी को और बेहतर करने की लगन को बनाए रखेंगे। बिना सही लिखा-पढ़ी के किसी को भी धन उधार देने से पूरी तरह बचें। आपका सीधा और साफ तरीका आज बड़े अधिकारियों को प्रभावित करेगा। बिजनेस करने वाले लोग अपने पुराने क्लाइंट्स से फिर जुड़ सकते हैं।

मीन
आज आर्थिक मामलों को लेकर आपकी समझ अच्छी बनी रहेगी। बुध देव की उल्टी चाल को देखते हुए तुरंत लाभ दिखाने वाले जोखिम भरे निवेशों से पूरी तरह दूर रहें। कोई भी नया वादा करने से पहले हर एक छोटी बारीकी को अच्छे से जांच लें। आपकी बातचीत करने की कला ही आज आपकी सबसे बड़ी ताकत बनी रहेगी।

वर्ग पहेली 6152

1	2	3		4		5	
6			■		■		■
7		■	8		9		10
11		12		■		■	
■	13		■	14		15	
16	■	17			■	18	
19	20	■	■	21			■
■	22				■	23	

संकेत: बाएं से दाएं

1. ये भारत के प्रथम राष्टपति थे जो निर्विरोध चुने गए थे (कार्यकाल 25 जुलाई 1977 से 25 जुलाई 1982 तक) (8)
6. रिश्तें में कुछ होना, सटना (3)
7. गान, गीत, वर्णन (2)
8. अवसरवादी (5)
11. रंगमंच का परदा (4)
13. बांग्लादेश की प्रचलित मुद्रा, चांदी का एक पुराना सिक्का (2)
14. मासिक वेतन, तनख्वाह (4)
17. धर्म के अनुकुल, उचित जायज, ग्रहण अथवा भोग करने योग्य (3)
18. वह प्राणी जो पुरूष जाति का हो, मर्द (2)
19. जिसका प्रचलन हो, प्रवाहित (2)
21. काले रंग का पक्षी जो बसंत ऋतु में अक्सर मधुर ध्वनि में बोलता है, चातक (3)
22. मंदगति मंद बुद्धिवाला (4)
23. अपना, स्वत्व, निज का (2)

ऊपर से नीचे

1. नीलापनयुक्त भूरे रंग की गाय के आकार का वन्य पशु (4)
2. प्रेम संबंध को यह भी कहत है (5)
3. वर्जित, निषेध (2)
4. जीवन निर्वाह का साधन, रोजी (3)
5. उस्तरा को यह कहते है (3)
8. अवसर, घटना स्थल (2)
9. तीन घंटे का समय, याम (3)
10. गले में पहनने का हार (4)
12. मुस्लिमों के विवाह की रीति (3)
14. मुखिया, सरदार (4)
15. किसी की प्रतिष्ठा, इज्जत या मान की हानि (4)
16. किसी अपराध आदि के बदले दिया गया दंड, कारावास (2)
20. चलिचित्र की लंबाई का मापदंड (2)

वर्ग पहेली 6151 का हल

अ	मे	रि	का	■	सिं	गा	र
ति	रा	हा	■	■	ह	ल	क
थि	■	ई	जा	द	■	■	म
■	चा	■	त	फा	व	त	■
अ	चा	न	क	■	जी	त	ना
सी	■	क	र्म	■	र	■	ग
म	वा	सी	■	ज्या	■	जी	वा
■	दा	र	म	दा	र	■	र

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

‘गौतम गंभीर के कुछ पसंदीदा खिलाड़ी, उन्हें ही वह खिलाना चाहते’

भारतीय क्रिकेटर का हेड कोच पर निशाना, वैभव के लिए भी कही यह बात

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम का प्रदर्शन टी20 क्रिकेट में पिछले 15 दिनों में बेहद शर्मनाक रहा है। आयरलैंड में 2–0 से हार और फिर इंग्लैंड दौरे पर 4–0 से सीरीज हारने के बाद हेड कोच गौतम गंभीर और टीम मैनेजमेंट पर कई सवाल उठ रहे हैं। इसी कड़ी में भारत के टेस्ट क्रिकेटर हनुमा विहारी ने कोच गंभीर पर निशाना साधा है। उन्होंने साफतौर पर कहा है कि गौतम गंभीर के कुछ पसंदीदा खिलाड़ी टीम में हैं जिन्हें टीम में

जरूर लिया जाता है और खिलाया जाता है। कुछ महीनों पहले हर्षित राणा के नाम पर बहुत विवाद हुआ था लेकिन उन्होंने अपने प्रदर्शन से छाप छोड़ी है। वहीं अब वाशिंगटन सुंदर, शिवम दुबे और सूर्यांश शेडगे व रवि बिश्नोई का सेलेक्शन सवालों के घेरे में है। यह सवाल उठाए हैं विहारी ने अपने यूट्यूब चैनल पर बोलते हुए। उन्होंने जमकर भारतीय हेड कोच को लताड़ा है और कई बातें बोली हैं। उन्होंने यह तक कहा है कि जो गंभीर के पसंदीदा खिलाड़ी हैं वह टीम के लिए किसी काम के नहीं हैं।

हनुमा विहारी का गंभीर पर हमला

हनुमान विहारी ने हेड कोच पर हमला करते हुए कहा, ‘गौतम गंभीर के कुछ पसंदीदा खिलाड़ी हैं और वह (गंभीर) उन्हें ही टीम में लेना चाहते हैं और उन्हें ही खिलाना चाहते हैं। मुझे नहीं दिखता है कि यह खिलाड़ी टीम के किसी काम आ रहे हैं। मुझे नहीं समझ आ रहा है कि कुछ खिलाड़ी क्यों हैं टीम में। दुबे (शिवम) गेंदबाजी नहीं करते, फील्डिंग कर नहीं पाते और बैटिंग में भी अच्छा फॉर्म नहीं है। शेडगे (सूर्यांश) ने भी अपनी बैटिंग व बॉलिंग से कुछ खास नहीं किया। मुझे यह भी नहीं समझ आता कि वाशिंगटन सुंदर अभी तक टीम में क्यों हैं। उनका पिछले सालों में टीम के लिए कुछ भी योगदान नहीं रहा है।’ राहुल द्रविड़ इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच बनने के दावेदार, ये दिग्गज भी रेस में शामिल उन्होंने इसके बाद प्लेइंग 11 में लगातार बदलाव करने और कॉम्बिनेशन को छेड़ने का मुद्दा भी उठाया। वह बोले, ‘स्पिनर्स भारत की दिक्कत थे, चाहें वरुण चक्रवर्ती हों या अक्षर पटेल। इस दौरे पर रवि बिश्नोई को क्यों ले गए? समस्या टीम के स्क्वाड और प्लेइंग 11 के चयन में है। आपने आयरलैंड में सैमन को खिलाया, फिर सूर्यवंशी को ले आए।

लॉर्ड्स में बेटियों का जलवा

इंग्लैंड में अजेय अभियान जारी: अब महिलाओं के WTC का समय

नई दिल्ली। होम ऑफ क्रिकेट पर भारत की बेटियों ने कमाल कर दिया। महिला क्रिकेट की शुरुआत 1934 में हुई थी। 92 साल लग गए क्रिकेट के मक्का यानी लॉर्ड्स में पहले महिला टेस्ट मैच को देखने के लिए। इस ऐतिहासिक मैच में आमने-सामने थीं भारत और इंग्लैंड की महिला टीमें। भारतीय टीम ने इतिहास रचते हुए मेजबान इंग्लैंड टीम को 270 रन से हराया। इस जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड में अपना टेस्ट क्रिकेट का अजेय क्रम भी जारी रखा है। अब उसके बाद यही सवाल है कि क्या अब महिलाओं के ड्ढ्रञ्ज (विश्व टेस्ट चैंपियनशिप) का समय आ चुका है? लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर पहला टेस्ट मैच 1884 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की पुरुष टीमों के बीच हुआ था। 142 साल के इंतजार के बाद अब महिला क्रिकेट टीमों ने भी इस मैदान पर ऐतिहासिक टेस्ट मैच खेला। भारतीय महिला टीम ने नवंबर 2025 में वनडे वर्ल्ड कप जीतते हुए इतिहास रचा था। अब इस टीम ने टेस्ट क्रिकेट की दुनिया में भी इतिहास रच दिया है।

भारतीय टीम ने लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए ऐतिहासिक टेस्ट मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस शानदार जीत के बाद अब आवाज उठने लगी हैं, महिलाओं के ड्ढ्रञ्ज को लेकर। मगर एक चौंकाने वाली बात यह है कि महिला क्रिकेट में सिर्फ तीन देशों ने ही टेस्ट क्रिकेट खेला है। न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका जैसी शानदार टीमों ने अब तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है। भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के अलावा किसी भी देश की महिला टीम टेस्ट मैच नहीं खेली है।

इंग्लैंड में एक भी टेस्ट मैच नहीं हारी भारतीय महिला टीम

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का रेड बॉल क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन पिछले कुछ समय से लगातार जारी है। लॉर्ड्स में मिली इस ऐतिहासिक जीत का यह पल पिछले कुछ दिनों में भारत के शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है। पिछले 11 टेस्ट मैचों में इंग्लैंड की सरजमीं पर भारतीय टीम ने सात जीत हासिल की हैं, जबकि तीन मैच ड्रॉ रहे हैं और सिर्फ एक में उसे हार मिली है। इंग्लैंड में भारतीय महिला टीम का यह 11वां टेस्ट मैच था। वह इंग्लैंड में इस फॉर्मेट में अब भी अजेय है।

अब महिलाओं के WTC का समय...

ऐसे में सवाल यही है कि क्या यह महिलाओं के ड्ढ्रञ्ज का सही समय है? या फिर अब उससे पहले महिलाओं के टेस्ट क्रिकेट को आगे बढ़ाने का वक्त आ चुका है। एक तरफ वनडे, टी20 में महिला क्रिकेट पुरुष क्रिकेट की बराबरी कर रहा है। यहां तक की दुनियाभर की कई टी20 लीग में महिलाओं के भी संस्करण होने लगे हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के विश्व चैंपियन कोच और अपने समय में 11 हजार से ज्यादा फर्स्ट क्लास रन बनाने वाले अमोल मजूमदार ने भी इस पर प्रकाश डाला है। भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद अमोल से महिलाओं से ड्ढ्रञ्ज को लेकर एक खास प्रश्न किया गया। उन्होंने इस जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफतौर पर कहा कि अगर महिलाओं का ड्ढ्रञ्ज होता है तो इससे अच्छा कुछ नहीं हो सकता। ‘बिल्कुल हमें खुशी होगी अगर ऐसा हुआ मैंने हमेशा टेस्ट क्रिकेट को क्रिकेट का अल्टीमेट फॉर्मेट माना है। सिर्फ लीडरशिप ग्रुप ही नहीं जो नई खिलाड़ी भी आ रही हैं, सभी ने टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता दी है।

जय शाह के कार्यकाल में होगी शुरुआत?

भारत में महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने का सबसे ज्यादा श्रेयस मौजूदा आईसीसी चेयरमैन और बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह को जाता है। चाहें पुरुष क्रिकेट के समान सैलरी हो, या भारत में महिला प्रीमियर लीग की शुरुआत हो, या फिर बतौर आईसीसी चेयरमैन महिला वनडे वर्ल्ड कप की प्राइज मनी पुरुष वर्ल्ड कप से ज्यादा हो, यह सभी क्रांतिकारी फैसले जय शाह के नेतृत्व में हुए हैं। भारत ही नहीं आज पूरी दुनिया में अगर महिला क्रिकेट की नई पहचान स्थापित हो रही है तो उसमें जय शाह का अहम योगदान है। यही कारण है कि उनके मौजूदा बतौर आईसीसी चेयरमैन के कार्यकाल में महिलाओं के ड्ढ्रञ्ज करवाने की मांग तेज हो रही है। इससे ना सिर्फ महिला क्रिकेट को बढ़ावा मिलेगा। बल्कि आने वाली युवा जनरेशन के दिमाग में टेस्ट क्रिकेट का महत्व भी बढ़ेगा। आज के टी20 यानी फटाफट क्रिकेट के इस युग में अगर रेड बॉल क्रिकेट आगे बढ़ता है तो क्रिकेट को एक नया जन्म मिल जाएगा।

क्रांति-यास्तिका के नाम ऑनर बोर्ड पर दर्ज

नई दिल्ली। आखिरकार वह हो ही गया! एक बहुत ही खास मौके पर भारत की एक शानदार जीत! लॉर्ड्स को अपना पहला महिला टेस्ट मैच होस्ट करने में 142 साल लग गए और भारतीय महिला टीम ने इस ऐतिहासिक मैदान पर इंग्लैंड की महिला टीम को 270 रनों से हराकर इस मौके को यादगार बना दिया। हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम हर मामले में इंग्लैंड से बेहतर साबित हुई। चाहे वह बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी हो या क्षेत्ररक्षण। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इतिहास रच दिया

है। होम ऑफ क्रिकेट पर खेले गए पहले महिला टेस्ट मैच में भारतीय महिलाओं ने इतिहास रचा और मेजबान इंग्लैंड को करारी शिकस्त दी। भारत के लिए इस मैच में यास्तिका भाटिया ने शतक लगाया और क्रांति गौड़ ने पांच विकेट लेकर अपना नाम ऑनर बोर्ड पर दर्ज करवाया। दोनों महिला क्रिकेट में यहां ऑनर बोर्ड पर नाम दर्ज करवाने वाली पहली महिला क्रिकेटर्स हैं। लॉर्ड्स में खेले गए पहले महिला टेस्ट मैच में भारत का दबदबा ऐसा रहा मानो वह हमेशा से यहीं खेलते आया हो। भारतीय महिला टीम ने इस ऐतिहासिक टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 270 रनों से हराकर अपना नाम इतिहास के पन्नों पर अमर कर दिया है। इस मैच में यास्तिका भाटिया दूसरी पारी में 113 रन बनाकर स्टार बनीं, लेकिन स्मृति मंधाना 153 रन (83,70) बनाकर इस मैच की टॉप स्कोरर रहीं।

रेड बॉल क्रिकेट में महिलाओं का दबदबा

रेड–बॉल क्रिकेट में भारत का दबदबा कायम है। जीत का यह पल पिछले कुछ दिनों में भारत के शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है। पिछले 11 टेस्ट मैचों में टीम ने सात जीत हासिल की हैं, तीन मैच ड्रॉ रहे हैं और सिर्फ एक में हार मिली है। इंग्लैंड में भारतीय महिला टीम का यह 11वां टेस्ट मैच था। वह इंग्लैंड में इस फॉर्मेट में अब भी अजेय है।

इस मैच में क्या-क्या हुआ?

इस मैच में भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए 285 रन भारतीय टीम ने बनाए थे। स्मृति मंधाना ने 83 रन की पारी खेली थी। जवाब में इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 170 रन बनाकर सिमट गई।

● जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट

सिंधू की शानदार शुरुआत

मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ आसानी से जीत दर्ज की

डलास, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बना ली है। मंगलवार को खेले गए पहले दौर के मुकाबले में विश्व की 10वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21-14, 21-11 से हराकर आसानी से जीत दर्ज की।

आक्रामक खेल दिखाया, सिंधू ने शुरू से बनाए रखा दबदबा

सिंधू ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने लंबी रैलियों में नियंत्रण बनाए रखते हुए शुरुआती बढ़त हासिल की और पहले गेम के इंटरवल तक 11-6 से आगे रहीं। इसके बाद उनके सटीक ड्रॉप शॉट, बैकहैंड और हाफ-स्मैश ने मलेशियाई खिलाड़ी पर लगातार दबाव बनाए रखा। भारतीय स्टार ने पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी उन्होंने विरोधी खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। सिंधू ने जल्द ही 8-2 की बढ़त बनाई और इंटरवल तक स्कोर 11-3 कर दिया। इसके बाद उन्होंने लगातार अंक जुटाते हुए 21-11 से गेम और मैच जीत लिया।

ध्रुव-तनीशा की जोड़ी भी दूसरे दौर में

मिश्रित युगल में भारत के ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो ने भी शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय जोड़ी ने स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन और जूली मैकफर्सन को 21–16, 21–14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।हालांकि भारत को मिश्रित युगल में एक निराशा भी हाथ लगी। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी पहले ही दौर में शीर्ष वरीय चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग के खिलाफ टिक नहीं सकी। चीनी जोड़ी ने मुकाबला 21–11, 21–10 से जीतकर भारतीय खिलाड़ियों का अभियान समाप्त कर दिया। अब भारतीय बैडमिंटन प्रेमियों की नजरें दूसरे दौर में पीवी सिंधू और ध्रुव–तनीशा की जोड़ी पर होंगी। सिंधू यदि अपनी मौजूदा लय बरकरार रखती हैं तो जापान ओपन में खिताब की दावेदारों में मजबूती से बनी रह सकती हैं।

खेल मंत्रालय ने जूडो महासंघ को सशर्त मान्यता दी

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल मंत्रालय ने भारतीय जूडो महासंघ (जेएफआई) के अंतरिम निकाय को सशर्त मान्यता दे दी है, जिसका चुनाव दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पिछले महीने हुआ था। मंत्रालय ने इसके साथ ही चेतावनी दी कि अगर वह अदालत के निर्देशों का पालन नहीं करेगा तो उसे निलंबित कर दिया जाएगा।

जेएफआई का संचालन 2022 से अदालत से नियुक्त प्रशासक कर रहे थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस साल फरवरी में अपने फैसले में निकाय को वार्षिक आम बैठक बुलाने और इस साल की शुरुआत में लागू किए गए राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने के लिए कहा था। इसके बाद महासंघ ने अंतरिम कार्यकारी समिति का चुनाव किया, जिसके अध्यक्ष मुकेश कुमार हैं जबकि बानी ब्राता दास महासचिव और शैलेश तिलक कोषाध्यक्ष हैं।

मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा, ‘यह फैसला किया गया है कि भारतीय जूडो महासंघ की कार्यकारी समिति (अंतरिम निकाय) को तत्काल प्रभाव से मान्यता दी जाए।’ इसमें कहा गया है, ‘यह मान्यता दिल्ली उच्च न्यायालय तथा अन्य माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित जेएफआई की कार्यकारी समिति के चुनावों से संबंधित चल रहे मामलों के परिणाम पर निर्भर करेगी।’ मंत्रालय ने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देशों का सख्ती से पालन नहीं कर पाने पर मान्यता रद्द कर दी जाएगी।

अधिसूचना के अनुसार, ‘अंतरिम निकाय की ओर से किसी भी चूक और किसी भी तरह की गंभीर अनियमितता की स्थिति में मान्यता को रद्द किया जा सकता है।’ मंत्रालय ने अदालत के निर्देशानुसार जेएफआई को कार्यकारी समिति के अंतिम चुनाव कराने के लिए कहा है।

मंत्रालय ने कहा, ‘जेएफआई के अंतरिम निकाय को दिल्ली उच्च न्यायालय के 12 फरवरी के आदेश के अनुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 और उसके नियमों के अनुरूप अपना संविधान संशोधित करना होगा।’ मंत्रालय ने जेएफआई से उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन किए जाने की मौजूदा स्थिति पर मासिक रिपोर्ट देने के लिए भी कहा है।

जेएफआई ने जून में हुए चुनावों में शीर्ष तीन अधिकारियों के अलावा चार उपाध्यक्ष और चार संयुक्त सचिव भी चुने। इनमें से एक पदाधिकारी पूर्व टेनिस खिलाड़ी मनीषा मल्होत्रा हैं, जो खेल प्रबंधन में भी सक्रिय रूप से शामिल रही हैं।

एशियन अंडर-19 बॉक्सिंग चैंपियनशिप: भारत के नौ मुक्केबाज फाइनल में, छह कांस्य पदक भी पक्के

जकार्ता, एजेंसी। एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। सोमवार को खेले गए अंडर-19 वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में भारत के नौ मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई, जबकि छह मुक्केबाजों ने कांस्य पदक अपने नाम किए।

महिला वर्ग में भारत का दबदबा

अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठों मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। चाहत (60 किग्रा) ने चीनी ताइपे की पेई-चुन त्साई को 5-0 से हराया। अंशिका (75 किग्रा) ने चीनी ताइपे की आन-ची त्सेंग को पहले राउंड में आरएससी (रेफरी स्टॉप्ड कॉन्टेस्ट) से मात दी। मेघा श्योकंद (80 किग्रा) की प्रतिद्वंद्वी वियतनाम की मुक्केबाज मुकाबला जारी नहीं रख सकीं, जिससे मेघा सीधे फाइनल में पहुंच गईं। प्राची तोकस (+81 किग्रा) ने चीनी ताइपे की शू-शियान वांग को पहले राउंड में आरएससी से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। इससे पहले जीत दर्ज करने वाली भारतीय मुक्केबाजों के साथ अब अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठ खिलाड़ी फाइनल में पहुंच चुकी हैं।

अंडर–19 में दो भारतीय फाइनल में

पुरुष वर्ग में भारत के दो मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई। आदित्य (55 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया के ह्योनमिन ली को दूसरे राउंड में आरएससी से हराया। शुभम राजपूत (90 किग्रा) ने किर्गिस्तान के आइतबेक बेर्दिमुरातोव को 3-2 के करीबी मुकाबले में शिकस्त दी। वहीं, सेमीफाइनल में हारने वाले छह भारतीय मुक्केबाजों को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

अंडर–23 महिला वर्ग

महिला वर्ग में पांच भारतीय मुक्केबाज फाइनल में पहुंचीं। निशा (54 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया की ह्योजू ली को हराया। निकिता चंद (60 किग्रा) ने जापान की सारी कोकुफू को मात दी। काजल (65 किग्रा) ने किर्गिस्तान की गुलजीना मेल्सवेक को हराया। इस मुकाबले में रेफरी को भारतीय मुक्केबाज के दबदबे के कारण मुकाबला रोकना पड़ा।

न्यूज बाइट्स

नगर पंचायत में नियमित बोर्ड बैठक नहीं होने पर वार्ड पार्षदों की नाराजगी

बारूण (औरंगाबाद)(नि. सं.)। बारुण नगर पंचायत के निर्वाचित वार्ड पार्षदों ने नियमित मासिक बोर्ड बैठकें आयोजित नहीं होने पर नाराजगी जताई है। इस संबंध में पार्षदों ने मुख्य पार्षद को डाक के माध्यम से आवेदन भेजा है, जिसकी एक प्रति नगर विकास एवं आवास विभाग को भी प्रेषित की गई है। पार्षदों ने आवेदन में कहा है कि नगर निकाय अधिनियम के अनुसार प्रत्येक माह बोर्ड बैठक आयोजित करना अनिवार्य है, लेकिन पिछले महीने से नियमित बैठक नहीं होने के कारण विकास योजनाओं, वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रस्तावों तथा जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों पर निर्णय नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बोर्ड बैठक नहीं होने से नगर पंचायत के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और आम नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

बारुण में गुरु गोष्ठी का आयोजन

बारूण (औरंगाबाद)(नि. सं.)। बारुण प्रखंड स्थित प्रखंड संसाधन केंद्र के तत्वावधान में केशव सिंह उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के सभागार में गुरु गोष्ठी का आयोजन किया गया।प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी नीरज कुमार के नेतृत्व में आयोजित गुरु गोष्ठी के दोनों सत्र के प्रथम सत्र में 6 से 8 विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं द्वितीय सत्र में प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापकों की शिक्षक समीक्षा बैठक में सभी ने अपने विद्यालय के अद्यतन प्रगति रिपोर्ट की विस्तृत समीक्षा की। तत्पश्चात नौ एजेंडों पर चर्चा किया गया। कक्षा 1 से 12 तक के सभी विद्यार्थियों का शत प्रतिशत डाटा ऑनलाइन दर्ज करना। यू डाइस पर सभी बच्चों की प्रोफाइल एंट्री अविलंब ऑनलाइन अपडेट करना।

परिजन तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक कराने में लगे रहे पूरी रात

सांप के काटने से महिला की मौत

- मृतका मूल रूप से मोर डिहरी की रहने वाली थी और पिछले छह माह से मायके तमौरी में रह रही थी।
- सोमवार रात सोने के दौरान विषैले सांप ने महिला को डंसा।

निज संवाददाता | जम्होर (औरंगाबाद)

जिले के जम्होर थाना क्षेत्र में सांप के काटने से एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान तमौरी गांव में रह रही संगीता देवी (30), पति कमलेश राम, निवासी मोर डिहरी, के रूप में हुई है। वह पिछले छह माह से अपने मायके में रह रही थी।

परिजनों के अनुसार सोमवार रात भोजन करने के बाद संगीता देवी अपनी मां के साथ सो रही थीं। देर रात एक विषैले सांप ने उन्हें डंस लिया। शोर सुनकर परिजन पहुंचे तो बिस्तर पर सांप दिखाई दिया। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी।

गंभीर स्थिति के बावजूद परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय पहले गांव के एक तांत्रिक के पास झाड़-फूंक के लिए ले गए। पूरी रात झाड़-फूंक कराई गई, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद उन्हें बारुण थाना क्षेत्र के चुरा गांव स्थित एक अन्य तांत्रिक के पास ले जाया गया। वहां भी काफी देर तक झाड़-फूंक कराने के बाद जब स्थिति और गंभीर हो गई, तब मंगलवार को उन्हें सदर अस्पताल लाया गया। सदर अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद संगीता देवी को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के भाई अजीत कुमार ने बताया कि संगीता की शादी करीब 15 वर्ष पहले हुई थी। उनका 12 वर्षीय एक बेटा है और परिवार मजदूरी कर जीवनयापन करता है। इस घटना के बाद सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने लोगों से अंधविश्वास से दूर रहने की अपील की। डॉक्टरों ने कहा कि सर्पदंश की स्थिति में हर मिनट महत्वपूर्ण होता है। यदि पीड़ित को समय पर अस्पताल पहुंचाकर एंटी-स्नेक वेनम (एएसभी) सहित आवश्यक उपचार शुरू कर दिया जाए, तो अधिकांश मामलों में जान बचाई जा सकती है। उन्होंने लोगों से झाड़-फूंक के बजाय तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुंचने की अपील की।

गृह विभाग ने की नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विकास को लेकर समीक्षा

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नक्सल प्रभावित जिलों के डीएम और एसपी को दिए गए निर्देश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के समग्र विकास को लेकर बिहार सरकार के गृह विभाग ने औरंगाबाद जिला प्रशासन को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। गृह विभाग द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नक्सल प्रभावित जिलों के जिला पदाधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विकास योजनाओं की प्रगति और भावी कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

बैठक में औरंगाबाद की ओर से जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए। गृह विभाग ने निर्देश दिया कि जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में उन स्थानों की पहचान की जाए, जहां अब तक विकास कार्य अपेक्षित स्तर पर नहीं हुए हैं या आधारभूत सुविधाओं का अभाव है। ऐसे क्षेत्रों में शिक्षा, पर्यटन, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, संचार तथा अन्य जनोपयोगी सुविधाओं का विस्तृत सर्वेक्षण कर आवश्यकताओं के अनुरूप विकास प्रस्ताव तैयार किए जाएं।

विभाग ने सभी जिला पदाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि विकास योजनाओं के प्रस्ताव प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र तैयार कर गृह विभाग को भेजे जाएं, ताकि स्वीकृति मिलने के बाद उनका प्रभावी क्रियान्वयन शुरू किया जा सके। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों का समग्र एवं संतुलित विकास राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। शिक्षा, सड़क संपर्क, पर्यटन और आधारभूत संरचना के विस्तार से स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा तथा क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और समावेशी विकास को नई मजबूती मिलेगी। जिला प्रशासन ने गृह विभाग को आश्वस्त किया कि निर्देशों के अनुरूप चिन्हित क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर विकास संबंधी विस्तृत प्रस्ताव निर्धारित समय-सीमा के भीतर विभाग को उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

2.625 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद एक तस्कर गिरफ्तार, दूसरा फरार

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

रफीगंज थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर पिपराही गांव में छापेमारी कर 92.625 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की है। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जबकि दूसरा पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। थानाध्यक्ष शम्भू कुमार ने बताया कि रात्रि गश्ती के दौरान सूचना मिली थी कि पिपराही गांव निवासी नितिश कुमार (पिता- प्रमोद यादव) एवं विकास यादव (पिता- जगदेव यादव) अपने-अपने घरों में अवैध विदेशी शराब का भंडारण कर उसकी बिक्री कर रहे हैं। सूचना के आधार पर वरीय अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम ने चौकीदार के साथ छापेमारी की।

सबसे पहले विकास यादव के घर पर छापा मारा गया। पुलिस को देखते ही वह फरार हो गया। तलाशी के दौरान उसके घर से 24.75 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई, जिसमें 750 मिलीलीटर की 22 बोतलें और 375 मिलीलीटर की 22 बोतलें शामिल थीं। सभी बोतलों पर 'उत्तर प्रदेश राज्य में बिक्री हेतु अधिकृत' अंकित था। इसके बाद पुलिस ने नितिश कुमार के घर पर छापेमारी की। पुलिस को देखकर उसने भागने की कोशिश की, लेकिन उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी में उसके घर से 67.875 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। सभी शराब की बोतलों पर भी उत्तर प्रदेश में बिक्री के लिए अधिकृत होने का उल्लेख था। इस तरह दोनों घरों से कुल 92.625 लीटर अवैध विदेशी शराब जब्त की गई। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार नितिश कुमार बरामद शराब के संबंध में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। थानाध्यक्ष ने बताया कि नितिश कुमार के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सीएम ने किया राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम का शुभारंभ औरंगाबाद में 96 प्रतिशत शिकायतों का हुआ निष्पादन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम हॉल से राज्य स्तरीय 'सहयोग कार्यक्रम' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित आवेदन प्राप्ति केंद्र तथा देशरत्न मार्ग तक विकसित 'सहयोग पथ का भी उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिला पदाधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए। औरंगाबाद समाहरणालय से जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा, अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह, उप विकास आयुक्त अनुपम सिंह, जिला पंचायती राज पदाधिकारी इफ्तिखार अहमद, वरीय उप समाहर्ता रितेश कुमार यादव, डीआरडीए निदेशक अनुपम कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनशिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों की सुनवाई के दौरान आम नागरिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाए तथा प्रत्येक मामले की गंभीरता से जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रभावी शिकायत निवारण व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है। जिला स्तर पर लंबित या अनसुलझे मामलों के समाधान के लिए राज्य स्तरीय सहयोग शिविर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के दौरान चयनित आवेदकों की शिकायतों की सुनवाई कर कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन भी किया गया।

बैठक में बताया गया कि प्रत्येक माह के दूसरे मंगलवार को पटना स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय में राज्य स्तरीय सहयोग शिविर आयोजित होगा। इसमें उन आवेदकों की शिकायतों की सुनवाई होगी, जिनकी समस्याओं का समाधान जिला स्तर पर संतोषजनक ढंग से नहीं हो पाया है। इच्छुक आवेदक sahyog.bihar.gov.in पोर्टल पर अपने आवेदन की संदर्भ संख्या के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर सकेंगे। पात्र आवेदकों को शिविर में उपस्थित होने की सूचना एसएमएस के माध्यम से दी जाएगी। जिला प्रशासन के अनुसार, औरंगाबाद में अब तक 11,139 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 10,700 आवेदनों का निष्पादन किया जा चुका है। जिले का शिकायत निष्पादन प्रतिशत 96 प्रतिशत है। कार्यक्रम के बाद जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिला स्तर पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक मामलों का निपटारा स्थानीय स्तर पर ही हो सके और लोगों को राज्य स्तर पर जाने की आवश्यकता न पड़े।

अवैध बालू खनन एवं परिवहन के विरुद्ध पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन ट्रैक्टर जब्त

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

बालू के अवैध खन, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध दाउदनगर पुलिस ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। अवैध बालू लदे 3 ट्रैक्टर को जब्त किया गया। यह कार्रवाई एएसआई भूपेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में नान्हु बिगहा क्षेत्र में की गई। थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि अवैध बालू खन के विरुद्ध छापेमारी अभियान के तहत पुलिस ने तीनों ट्रैक्टर को पकड़कर थाना लाया। छापेमारी के दौरान वाहन चालक भागने में सफल रहे। बताया कि जब्त ट्रैक्टरों के विरुद्ध अग्रतर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष ने कहा कि बालू के अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध इस तरह का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

भखरुआं मोड़ पर जलजमाव की समस्या से रु - ब - रु हुए एसडीओ

निज सं. | दाउदनगर(औरंगाबाद)

एसडीओ अमित राजन मंगलवार को भखरूआं मोड़ पर जल जमाव की समस्या से रु -ब-रु हुए। उन्होंने बारीकी से इसका निरीक्षण किया और इसके निदान को लेकरा आवश्यक फरमान भी जारी किया। बता दें कि यहां बराबर जल जमाव की समस्या रहती है। इसका प्रमुख कारण नाली का पानी सीधा सड़क पर निरंतर बहना है। पानी निकासी की स्थाई व्यवस्था नहीं है लिहाजा यह सब होता है, भखरूआं बजबजाते रहता है। आम लोग काफी परेशान रहते हैं। महामारी जैसी बीमारी का यह निमंत्रण भी है। बारिश का महीना चालू है। यह दीगर बात है कि अब तक पानी औसत से बहुत कम गिरा है अन्यथा भखरूआं अब तक नरक में तब्दील रहता। खैर, दाउदनगर एसडीओ ने स्थिति का आकलन और निरीक्षण कर तत्काल एनएच -139 के कार्यपालक अभियंता को निर्देश जारी किया। कहा कि नालियों की समुचित सफाई कराई जाए, खुली नालियों पर ढक्कन लगाए जाएं और नाली के ढाल का तकनीकी आकलन कर उसे दुरुस्त किया जाए, ताकि पानी का निर्बाध निकास हो सके। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने कहा कि भखरूआं मोड़ दाउदनगर का सबसे व्यस्त चौराहा है। यहां प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता है। ऐसे स्थान पर सड़क पर गंदा पानी बहने से स्वच्छता और यातायात दोनों प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि केवल सफाई कराना पर्याप्त नहीं है, समस्या की जड़ में जाकर स्थाई समाधान करना होगा। वर्षों से ढाल ठीक नहीं होने के कारण सफाई के कुछ दिन बाद ही फिर पानी सड़क पर फैल जाता है, जिससे दुकानदारों और राहगीरों को परेशानी होती है। एसडीओ ने अधिकारियों को जल्द से जल्द आवश्यक कदम उठाकर समस्या का समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

नवागत जिला शिक्षा पदाधिकारी का शिक्षक संघ ने किया भव्य स्वागत

औरंगाबाद(एसवीवी.सं.)। बिहार राज्य अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक संघ, जिला इकाई औरंगाबाद की ओर से सोमवार देर शाम टिकरी रोड स्थित संघ कार्यालय में नवागत जिला शिक्षा पदाधिकारी दया शंकर के सम्मान में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष चंद्रकांत प्रसाद ने की, जबकि जिला मंत्री पुरुषोत्तम शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। स्वागत भाषण संयुक्त सचिव कौशल किशोर ने दिया। समारोह के दौरान शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने जिला शिक्षा पदाधिकारी का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर भव्य स्वागत किया। अभिनंदन समारोह से पूर्व विभिन्न प्रखंडों से आए संघ पदाधिकारियों ने शिक्षकों की लंबित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इनमें नियोजित शिक्षकों की प्रोन्नति, एरियर भुगतान, आवास भत्ता, पीएम श्री विद्यालयों को उच्च विद्यालयों से जोड़ने तथा प्रधानाध्यापक एवं विद्यालय अध्यापकों से संबंधित विभिन्न समस्याएं शामिल थीं। इन सभी मुद्दों का समेकित प्रतिवेदन जिला मंत्री पुरुषोत्तम शर्मा ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को सौंपा।

12 सूत्री मांगों को लेकर भाकपा माले का धरना

- जनता की आवाज सुननी होगी : काराकाट सांसद राजाराम सिंह
- सभी वार्डों में विवाह भवन निर्माण और अमृत बिगहा में गरीबों के घर उजाड़ने पर रोक लगाने की मांग।

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

भाकपा माले की टाउन कमेटी ने अपनी 12 सूत्री मांगों को लेकर सोमवार को नप कार्यालय के समक्ष धरना - प्रदर्शन किया। इससे पहले टाउन सचिव बिरजु चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ता झंडा - बैनर के साथ मौलाबाग टाउन हॉल से जुलूस निकालकर मुख्य बाजार होते नप कार्यालय पहुंचा। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिरजू चौधरी और संचालन कयूम अंसारी ने किया। मुख्य पार्षद एवं ईओ को सौंपे गए ज्ञापन में होल्डिंग टैक्स वापस लेने, पीएम आवास की लंबित किस्त का भुगतान, रिंग रोड - सम्राट अशोक भवन निर्माण की जांच, डस्टबिन खरीद में अनियमितता की जांच, बालूगंज - गुलजारपुर - गौ घाट में पीसीसी सड़क - नाला निर्माण, अधूरी नल - जल योजना पूर्ण करने, सभी वार्डों में विवाह भवन, अमृत बिगहा में गरीबों के घर उजाड़ने पर रोक सहित 12 सूत्री मांगें रखी गईं। मौके पर मौजूद काराकाट सांसद राजाराम सिंह ने कहा कि नगर परिषद को जनता की आवाज सुननी होगी। दरवाजा बंद कर देने की राजनीति नहीं चलेगी। वर्षों से बसे गरीबों को उजाड़ा नहीं जा सकता। उन्होंने 12 सूत्री मांगों के समर्थन में प्रशासन से त्वरित समाधान की मांग की। धरना को जिला सचिव मुनारिक राम, राज्य कमेटी सदस्य चंद्रमा पासवान, राजकुमार भगत, महेंद्र राम, गणेश कुमार, बसंती देवी सहित अन्य ने संबोधित किया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि पिंटू सिंह समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आज होगी प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग पर उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय की ओर से प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आज केशव उच्च विद्यालय, सोननगर में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला-सह-समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में प्रखंड के सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, प्रभारी प्रधानाध्यापक तथा विज्ञान एवं गणित शिक्षकों को अनिवार्य रूप से भाग लेने का निर्देश दिया गया है। प्रखंड शिक्षा कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि जिन विद्यालयों में विज्ञान या गणित के शिक्षक पदस्थापित नहीं हैं, वहां के प्रधानाध्यापक किसी अन्य शिक्षक को नामित कर प्रशिक्षण में भेजेंगे, ताकि कार्यक्रम का लाभ सभी विद्यालयों तक पहुंच सके।